THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 284 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **पौष शु.6 2081 रविवार, 5 जनवरी-2025**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ✲ **पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये**

A quality product from

PAN BAHAR

पान बहार

द हेरिटेज इलायची

पहचान कामयाबी की

This contains sodium saccharin (INS 954), sucralose (INS 955) and Neotame (INS 961).
Not recommended for children. No sugar added in the product.
CONTAINS ARTIFICIAL SWEETENER AND FOR CALORIE CONSCIOUS

TOLL FREE NO.: 1800 257 2258 | www.panbahar.in

'महिलाओं के खिलाफ किसी भी तरह की हिंसा अस्वीकार्य'

डीएमके सांसद कनिमोझी भाजपा पर बिफरीं

चेन्नई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अन्ना विश्वविद्यालय परिसर में छात्रा के साथ कथित यौन उत्पीड़न पर डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने शनिवार को कहा कि महिलाओं के खिलाफ किसी भी तरह की हिंसा अस्वीकार्य है। हमें समाज के रूप में उस बिंदु पर पहुंचना चाहिए जहां महिलाओं के खिलाफ कोई हिंसा न हो। डीएमके सांसद ने इस मुद्दे पर भाजपा समेत विपक्षी दलों की भी तीखी आलोचना की और उन पर मुद्दे को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया।

डीएमके सांसद ने कहा कि 'यह ऐसी चीज है जिस पर हमें शर्म आनी चाहिए। महिलाओं के खिलाफ किसी भी तरह की हिंसा को स्वीकार नहीं किया जा सकता। हमें बतौर समाज, उस बिंदु पर पहुंचने की जरूरत है जहां महिलाओं के खिलाफ कोई हिंसा न हो, लेकिन दुर्भाग्य से, ऐसा हुआ है। हमें देखना होगा कि क्या किया जाना चाहिए। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि पीड़िता को न्याय मिले।' कनिमोझी ने कहा, 'सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मामले की जांच हो और अदालती कार्यवाही इस तरह से हो कि पीड़िता के लिए स्थिति सकारात्मक हो।' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अन्य विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं विपक्ष और भाजपा से पूछना चाहती हूं कि जब ये हुआ तो वे कहां थे? मणिपुर में अभी भी स्थिति ठीक नहीं है, तो वे सब कहां हैं? उन्हें वहां महिलाओं की चिंता क्यों नहीं है?' गौरतलब है कि पिछले सप्ताह, भाजपा ने अन्ना विश्वविद्यालय में यौन उत्पीड़न की घटना को लेकर डीएमके सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था।

ठेकेदार की मौत मामले में बीजेपी का प्रियांक के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन

बंगलूरू, 4 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस पर ठेकेदार की आत्महत्या मामले में भाजपा लगातार दबाव बना रही है। अब विपक्षी पार्टी ने मंत्री प्रियांक खरगे के इस्तीफे की मांग दोहराते हुए विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी ने चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो वे जनवरी में कलबुर्गी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास का घेराव करेंगे।

इन लोगों ने किया विरोध का नेतृत्व

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र, कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चालावाड़ी नारायणस्वामी ने विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच भगवा पार्टी के नेता बड़ी संख्या में हाथों में तख्तियां लिए जगत सर्किल पर जमा हुए और मंत्री के खिलाफ नारे लगाए।

पुलिसकर्मियों को किया तैनात

जब भाजपा ने खरगे के आवास की घेराबंदी करने की योजना बनाई, तो मंत्री ने अनोखे तरीके से उनका मुकाबला करने का फैसला किया। वहीं, किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए एहतियात के तौर पर आवास के बाहर

पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया था।

समर्थकों ने ली चुटकी

प्रियांक खरगे के एक समर्थक ने चुटकी लेते हुए कहा कि हमने भाजपा नेताओं के लिए नारियल, कॉफी, चाय, बोतलबंद पेयजल का ऑर्डर दिया है। वह विरोध-प्रदर्शन के बाद थक जाएंगे। तब कुछ खा पी सकेंगे। वहीं, विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रियांक खरगे ने कहा कि न तो वह और न ही सरकार विपक्ष की मांग और दबाव की रणनीति के आगे झुकेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं के खिलाफ कई मामले हैं, जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा के खिलाफ पोक्सो अधिनियम के तहत मामला भी शामिल है। येदियुरप्पा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र और शिवमोगा के सांसद बी वाई राघवेंद्र के पिता हैं। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस पर दबाव बढ़ाते हुए भाजपा ने ठेकेदार की आत्महत्या की सीबीआई जांच और खरगे के इस्तीफे की मांग दोहराई है।

सिविल ठेकेदार सचिन पंचाल ने 26 दिसंबर को की थी आत्महत्या

सिविल ठेकेदार सचिन पंचाल ने 26 दिसंबर को बीदर जिले में चलती ट्रेन के सामने लेटकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। अपने सुसाइड नोट में उन्होंने प्रियांक खरगे के करीबी सहयोगी राजू कपानुर पर उन्हें यह कठोर कदम उठाने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें कपानुर को एक करोड़ रुपये देने के लिए जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं, जिन्होंने आरोपों को खारिज कर दिया। खरगे ने भी कहा कि मामले में उनकी कोई भूमिका नहीं है क्योंकि सुसाइड नोट में उनका नाम नहीं था। उन्होंने सच्चाई सामने लाने के लिए मामले की जांच की भी मांग की। भाजपा ने सरकार पर दबाव और बढ़ा दिया है।

खनौरी बॉर्डर पर किसान महापंचायत : डल्लेवाल बोले-अब तक सात लाख किसान कर चुके आत्महत्या, उनके बच्चों का क्या होगा ?

जिंद, 4 जनवरी (एजेंसियां)। खनौरी बार्डर पर चल रही किसान महापंचायत में आमरण अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को स्ट्रेचर से लाया गया है। डल्लेवाल शारीरिक रूप से काफी कमजोर हो चुके हैं। वह खुद बैठ भी नहीं सकते। उनकी लगातार कमजोर हो रही हालात को देखते हुए, मंच पर स्ट्रेचर से संबोधित करवाया जाएगा। खनौरी बॉर्डर पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि अब तक सात लाख किसान आत्महत्या कर चुके हैं। हम किसानों के नेता हैं, लेकिन किसी ने इन किसानों की मौत या आगे और आत्महत्याएं रोकने के लिए कुछ नहीं किया। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डल्लेवाल की जान बहुत महत्वपूर्ण है। उस दिन मैंने भी

कहा था कि डल्लेवाल की जान तो महत्वपूर्ण है, लेकिन उन सात लाख किसानों के बच्चों का क्या होगा जो अब हमारे बीच नहीं हैं? हालांकि डल्लेवाल बोलने में भी असमर्थ हैं, लेकिन महापंचायत में वह अपनी मांगों को लेकर किसानों को संबोधित जरूर करेंगे। केंद्र सरकार द्वारा की गई वादाखिलाफी से आहत होकर डल्लेवाल आमरण अनशन कर रहे हैं। डल्लेवाल स्ट्रेचर से ही किसानों को सरकार से लड़ने व अपनी मांगों को मनवाने के लिए अपील करेंगे। इसमें कई किसान संगठनों के लोग शामिल हुए हैं। घने कोहरे के कारण किसान बड़ी संख्या में महापंचायत में पहुंचे हैं।

पंजाब और हरियाणा से भारी संख्या में किसान पहुंचे

फिलहाल किसान नेताओं का मंच से संबोधन जारी है। एमएसपी की कानूनी गारंटी, किसानों के हक और अधिकार, और आंदोलन की आगामी रणनीति पर चर्चा की जा रही है। कई संगठनों के नेता सरकार पर दबाव बनाने के लिए एकजुटता का आह्वान कर रहे हैं। किसानों और केंद्र के बीच गतिरोध खत्म करके बातचीत शुरू की जाए। पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह ने केन्द्रीय कृषि मंत्री से यह अपील की है।

कृषि मंत्री ने कहा कि केंद्र ही किसानों को बातचीत के राजी कर सकता है। केंद्रीय मंत्री ने शनिवार को सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ नई मंडीकरण नीति को लेकर बैठक की।

भाजपा बोली-केजरीवाल दिल्ली के राजा बाबू, नया पोस्टर जारी किया

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा लगातार आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए पोस्टर जारी कर रही है। शनिवार को भाजपा ने केजरीवाल को 'दिल्ली का राजा बाबू' कहा। पोस्टर पर लिखा-आप प्रेसेंट्स करोड़ों का शीशमहल। इससे पहले 3 जनवरी को भाजपा ने एक पोस्टर जारी कर केजरीवाल को महाठग बताया था। वहीं, 31 दिसंबर को भाजपा ने अरविंद केजरीवाल को भूल-भुलैया फिल्म के छोटा पंडित (राजपाल यादव) के किरदार में दिखाया था। भाजपा ने उन्हें चुनावी हिंदू बताया था। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार से चुनाव प्रचार की शुरुआत की। मोदी ने आप सरकार को आपदा सरकार बताया। उन्होंने कहा- सत्ता में खुद को कट्टर बेईमान बताने वाले लोग बैठे हैं। जो खुद शराब घोटाले के आरोपी हैं। ये चोरी भी करते हैं और सीनाजोरी भी। दिल्ली वालों को इस आपदा सरकार को सत्ता से हटाना है। आज हर गली कहती है आपदा को नहीं सहेंगे, बदलकर रहेंगे। पीएम ने इस चुनाव के लिए नारा दिया कि आपदा को हटाना है, भाजपा को लाना है।

14 राज्यों में कोहरा, दिल्ली-कोलकाता एयरपोर्ट पर 295 फ्लाइट लेट

पंजाब-यूपी में विजिबिलिटी जीरो, हरियाणा में धुंध के चलते एक्सीडेंट, 2 की मौत

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। देश के 14 राज्यों में घने कोहरे का असर देखने को मिल रहा है। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली विजिबिलिटी घटकर जीरो मीटर तक पहुंच गई है। इस कारण कई फ्लाइट्स और ट्रेनें लेट हुईं। अकेले दिल्ली एयरपोर्ट पर शनिवार सुबह 255 फ्लाइट्स निर्धारित समय पर उड़ान नहीं भर सकीं। 43 फ्लाइट्स को रद्द कर दिया गया। दिल्ली स्टेशन पर ट्रेनें अपने निर्धारित समय से लेट पहुंचीं। कोलकाता एयरपोर्ट पर भी 40 फ्लाइट्स लेट हुईं, वहीं, 5 कैंसिल कर दी गईं। चंडीगढ़, अमृतसर और आगरा एयरपोर्ट पर भी फ्लाइट्स प्रभावित हुईं। हरियाणा में हिसार-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर धुंध के कारण एक कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। कार सवार की मदद के लिए पहुंचे लोग पहुंचे। पीछे से आ रहे ट्रक चालक को कोहरे के कारण सड़क पर लोग दिखाई नहीं दिए। उसने लोगों को रौंद दिया। हादसे में 2 लोगों की मौत हुई। 4 लोग घायल हुए हैं। राजस्थान और मध्य प्रदेश के भी कई जिलों में घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी 100 मीटर तक रह गई। मौसम विभाग ने कहा है कि राजस्थान के कुछ जिलों में कल बारिश हो सकती है, लेकिन एमपी में बारिश के कोई आसार नहीं है। हालांकि, यहां 2 दिन बाद ठंड से राहत मिल सकती है।

सरपंच हत्याकांड में पुलिस का बड़ा एक्शन, दो फरार आरोपियों को धुले से किया गिरफ्तार

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बीड सरपंच हत्याकांड में पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल की। दो फरार चल रहे आरोपी को धुले जिले से गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में पुलिस ने 26 वर्षीय सुदर्शन चंद्रभान घुले और 23 साल के सुधीर सांगले को शिकंजे में लिया है। दोनों आरोपी को आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के विशेष जांच दल (एसआईटी) को सौंप दिया है।

क्या है पूरा मामला?

पुलिस के अनुसार, सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के पीछे एक बड़ी जबरन वसूली का मामला है। बीड जिले में पवन चक्कियां स्थापित करने वाली एक ऊर्जा कंपनी से कथित तौर पर दो करोड़ रुपये की वसूली की जा रही थी। देशमुख ने इस जबरन वसूली का विरोध किया था, जिसके बाद नौ दिसंबर को उनका अपहरण किया गया और फिर हत्या कर दी गई।

ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन बना रहा बांध, सिंचाई और बिजली परियोजना प्रभावित होंगी : प्रमोद तिवारी

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। चीन ब्रह्मपुत्र नदी पर सबसे बड़ा बांध बनाने जा रहा है। इसे लेकर कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता ने 21 सेकंड के वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कई सवाल पूछे हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन द्वारा बांध बनाए जाने से पूर्वोत्तर राज्यों की सिंचाई और बिजली परियोजना प्रभावित होंगी। विदेश मंत्रालय कुछ कहती है और केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री मोदी कुछ कहते हैं। मैं समझता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी को देश की सेना पर भरोसा करना चाहिए।

उन्होंने कहा, आज लद्दाख में चीन ने हमारी भूमि पर दो काउंटी बना रहा है। यही स्थिति अरुणाचल प्रदेश में भी है। प्रधानमंत्री मोदी और केंद्र सरकार को भारत की सेनाओं पर विश्वास करना होगा और भारत की भूमि पर हो रहे कब्जे को लेकर दृढ़ता और मजबूती से कदम उठाना होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले हफ्ते, चीन ने भारत की सीमा से लगे झिंजियांग प्रांत में दो नए काउंटी बनाने की घोषणा की थी। होटन प्रीफेक्चर में बनने वाली हेआन काउंटी और हेकांग काउंटी, अक्साई चीन के कुछ हिस्सों को कवर करती हैं, जो लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश का हिस्सा है जिस पर 1950 के दशक से चीन ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। इस पर भारत की ओर से सख्त ऐतराज जताया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने चीन के होटन प्रीफेक्चर में दो नई काउंटियों की स्थापना से संबंधित घोषणा देखी है। इन तथाकथित काउंटियों के अधिकार क्षेत्र के कुछ हिस्से भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में आते हैं।'

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'हमने इस इलाके में भारतीय क्षेत्र पर अवैध चीनी कब्जे को कभी स्वीकार नहीं किया है। नई काउंटियों के निर्माण से न तो इस क्षेत्र पर हमारी संप्रभुता के बारे में भारत की दीर्घकालिक और सुसंगत स्थिति पर कोई असर पड़ेगा और न ही चीन के अवैध-जबरन कब्जे को वैधता मिलेगी। हमने कूटनीतिक चैनलों के माध्यम से चीनी पक्ष के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

महाराष्ट्र में लाडकी बहिन योजना पर रार!

विपक्ष का आरोप-ये योजना सिर्फ वोटों के लिए

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की लाडकी बहिन योजना अपनी शुरुआत के बाद से ही लगातार चर्चा में है। अब एक बार फिर इसे लेकर रार छिड़ गई है। दरअसल सरकार ने योजना की जांच कराने की बात कही है। जिस पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना के लाभार्थियों की जांच करने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले से साबित होता है कि ये योजना सिर्फ विधानसभा चुनाव में वोट पाने के लिए थी।

वडेट्टीवार ने दावा किया कि जब पिछले साल चुनाव से पहले इस योजना की घोषणा की गई थी, तो सरकार ने लाभार्थियों के लिए मानदंडों में ढील दी थी। कांग्रेस नेता ने कहा, 'महायुति गठबंधन महिलाओं से वोट चाहता था और अब सरकार कह रही है कि लाभार्थियों की जांच की जाएगी। कई लाभार्थियों को सूची से हटा दिया जाएगा। ये गलत है। संबंधित मंत्री ने यह भी कहा कि अन्य सरकारी योजनाओं की महिला लाभार्थियों को लाडकी बहिन योजना का लाभ नहीं मिलेगा। इससे साफ है कि यह योजना केवल वोट के लिए थी।' इस सप्ताह की शुरुआत में, राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने एलान किया था कि सरकार फर्जी लाभार्थियों के बारे में मिल रहीं शिकायतों का समाधान करेगी और सत्यापन के लिए आयकर और परिवहन विभागों से जानकारी मांगी गई है। हालांकि उन्होंने साफ किया कि सरकार जांच का आदेश नहीं दे रही है, बल्कि सिर्फ स्थानीय सरकारी कार्यालयों में दर्ज शिकायतों का समाधान कर रही है। महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन की जीत में लाडकी बहिन योजना गेमचेंजर साबित हुई और इस योजना के आधार पर महायुति गठबंधन को महिलाओं का बंपर वोट मिला और गठबंधन ने विधानसभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज की थी। पिछले साल अगस्त में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार ने लाडकी बहिन योजना की शुरुआत की थी और इसके तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 1500 रुपये की आर्थिक मदद दी जा रही है।

नई दिल्ली जिला निर्वाचन अधिकारी ने संजय सिंह के आरोपों को बताया गलत

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह और राघव चड्ढा ने शुक्रवार को जाम नगर हाउस में नई दिल्ली के जिला मजिस्ट्रेट से मुलाकात कर कथित मतदाताओं के नाम हटाए जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। उनके आरोपों को लेकर शनिवार को नई दिल्ली जिला निर्वाचन अधिकारी की प्रतिक्रिया सामने आई है। नई दिल्ली जिला निर्वाचन अधिकारी के एक्स अकाउंट से एक पोस्ट शेयर कर आरोपों को निराधार बताया गया है। पोस्ट में कहा गया है, राज्यसभा सांसद संजय सिंह का आरोप है कि जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ), नई दिल्ली ने आपत्तिकर्ताओं का विवरण नहीं दिया और दावा किया कि डीईओ जानबूझकर मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटा रहे हैं।

कर्ण सिंह ने प्रियंका वाड्रा को बताया 'प्रतिभाशाली लड़की'

राहुल के प्रधानमंत्री बनने पर कही बात

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री कर्ण सिंह ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा को लेकर अहम टिप्पणी की है। कर्ण सिंह ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपने काम के दौरान सीख रहे हैं और सुधार कर रहे हैं। उन्होंने प्रियंका गांधी वाड्रा की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक 'प्रतिभाशाली लड़की' बताया है।

कांग्रेस से सबसे वरिष्ठ नेताओं में गिने जाने वाले कर्ण सिंह ने कहा कि, राहुल बहुत अच्छे युवक हैं। मैं उनसे बहुत प्रभावित हूं। कांग्रेस नेता ने आगे बताया कि, राहुल गांधी उनसे करीबी संपर्क में रहते थे, लेकिन हाल ही में उनका मेरा साथ उतना संपर्क नहीं रहा है। लेकिन मुझे लगता है कि उनकी हालत में सुधार हो रहा है। सिंह ने कहा, हर साल उनमें सुधार हो रहा है। मुझे लगता है कि वह काम करते हुए सीख रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल प्रधानमंत्री बनेंगे या नहीं, यह कयास का विषय है, लेकिन उनमें काफी क्षमता है और उनके पास खुद को तैयार करने का समय है। कर्ण सिंह ने कहा कि वह प्रियंका गांधी वाद्रा को तब से जानते हैं जब वह बच्ची थीं। उन्होंने प्रियंका की प्रशंसा करते हुए कहा, वह काफी प्रतिभाशाली लड़की हैं। उनमें जीवंतता है। वह वाकई प्रतिभाशाली हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के मंत्रिमंडल का 36 साल की उम्र में हिस्सा बनने वाले कर्ण सिंह ने पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को अपना गुरु बताया।

खबरें जरा हटके

ढोल-नगाड़ों के साथ थाने पहुंची महिला पुलिस हुई अलर्ट, वजह जान हुए सब हैरान

इंदौरः मध्य प्रदेश के इंदौर के खजराना थाने में एक अनोखा और दिलचस्प नजारा देखने को मिला. अपनी चोरी हुई बाइक मिलने की खुशी में एक महिला ढोल-नगाड़ों के साथ थाने पहुंची. महिला के हाथ में मिठाई और पुष्पमाला थी, और उसकी खुशी का ठिकाना नहीं था. इस घटना ने न केवल पुलिस के प्रयासों की सराहना की, बल्कि यह भी दिखाया कि जनता के दिलों में पुलिस के लिए आदर कैसे बढ़ता है.

बाइक चोरी की घटना और पुलिस की कार्यवाही

यह मामला 10 अक्टूबर 2024 को शुरू हुआ, जब इंदौर के राजीव नगर बड़ला की निवासी परवीन के बेटे की सीडी डीलक्स टू-व्हीलर बाइक चोरी हो गई. परवीन ने तुरंत खजराना थाने में एफआईआर दर्ज कराई और लगातार थाना प्रभारी मनोज सिंह सेंधव से बाइक की बरामदगी के लिए गुहार लगाती रहीं. थाना प्रभारी और उनकी टीम ने मामले की गंभीरता को समझते हुए तेजी से जांच शुरू की. पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर की सूचना के आधार पर सीहोर की एक वाहन चोर गैंग को पकड़ने में सफलता हासिल की. इस गैंग के पास से चोरी की गई बाइक भी बरामद की गई.

ढोल-नगाड़ों के साथ थाने में धन्यवाद जताने पहुंची महिला

चोरी हुई बाइक वापस मिलने की सूचना मिलते ही परवीन की खुशी का ठिकाना नहीं रहा. उन्होंने तय किया कि वह पुलिस की मेहनत और उनके काम के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए कुछ खास करेंगी. 14 जनवरी 2025 को, परवीन ढोल-नगाड़ों के साथ खजराना थाने पहुंचीं. उनके साथ मिठाई और पुष्पमाला भी थी. थाने में अचानक ढोल-नगाड़ों की आवाज सुनकर पूरा स्टाफ सतर्क हो गया. परवीन ने टीआई मनोज सिंह सेंधव को पुष्पमाला पहनाकर और मिठाई खिलाकर उनकी टीम को धन्यवाद दिया.

पुलिस का प्रयास, जनता का सम्मान

थाना प्रभारी मनोज सिंह सेंधव ने कहा कि हमारा काम लोगों की मदद और सुरक्षा करना है. लेकिन जब जनता इस तरह से हमें सम्मान देती है, तो यह हमारे लिए गर्व का पल होता है. यह न केवल हमारी मेहनत का प्रमाण है, बल्कि टीम को और बेहतर काम करने की प्रेरणा भी देता है."इस तरह का नजारा पुलिस और जनता के बीच विश्वास और सहयोग को और मजबूत करता है.

अस्पताल के बेड पर बीमार पड़ी थी बुजुर्ग महिला सजने का हुआ मन, लिपस्टिक लगाकर किया मेकअप!

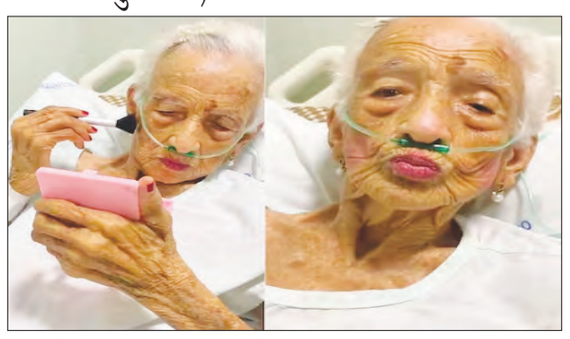

कहते हैं, उम्र सिर्फ संख्या मात्र है. इंसान भले ही जितना बड़ा हो जाए, अगर वो दिल से जवान होता है, तो वो हमेशा जिंदादिल बना रहता है. अगर इंसान बढ़ती उम्र के साथ ज्यादा तनाव लेने लगे, खुद को गंभीर बना ले, जिंदगी की छोटी-छोटी खुशियों को जीना बंद कर दे, तो वो जीते जी मर जाएगा. जिंदादिली का सबूत एक बुजुर्ग महिला ने दिया है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. ये महिला अस्पताल के बेड पर बीमार अवस्था में पड़ी है, उसकी नाक में नली लगी हुई है. उसकी स्किन से पता चल रहा है कि वो काफी उम्रदराज है. ऐसी स्थिति में भी वो मेकअप कर रही हैं. ये महिला दूसरों के लिए मिसाल हैं.

ट्विटर अकाउंट पर हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया गया है जिसमें एक बुजुर्ग महिला अस्पताल के बिस्तर पर लेटकर मेकअप करती दिखाई दे रही है. महिला ने जो चादर ओढ़ा है, उसपर सैंटो एंटोनियो लिखा है. गूगल पर सर्च करने से हमें पता चला कि ये पुर्तगाल में स्थित एक अस्पताल है. वीडियो में एक बुजुर्ग महिला अस्पताल के बेड पर लेटी है, उसकी नाक में नली लगी है, इससे ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि वो काफी बीमार है.

20 लाख में खरीदा दो करोड़ का घर, सस्ती डील पाकर किया बल्ले-बल्ले, आधी रात खुल गई पोल!

दुनिया के हर शख्स का सपना होता है कि वो अपने सपने का आशियाना ख रीदे . इसके लिए वो अपनी पूरी लाइफ की जमापूंजी खर्च कर देता है. आज के समय में प्रॉपर्टी के दाम काफी बढ़ गए हैं. ऐसे में घर खरदीना यानी अच्छे खासे पैसे इन्वेस्ट करना. लेकिन सोशल मीडिया पर एक शख्स ने दिखाया कि कैसे उसने दो करोड़ के घर को मात्र बीस लाख में खरीद लिया. शख्स ने अपने इस नए घर के रात का वीडियो लोगों के साथ शेयर किया. उसने दिखाया कि कैसे रात होते ही उसके घर में अजीबोगरीब घटनाएं घटने लगती है. उसके घर में इस्त्री अपने आप शुरू हो जाती है. लाइट्स और फैन अपने आप ऑन हो जाते हैं. इसके बाद शख्स ने बताया कि शायद यही वजह है कि डीलर ने उसे दो करोड़ का घर मात्र बीस लाख में दे दिया.

वायरल हो रहे वीडियो में एक शख्स ने अपने घर के कमरे में हो रही अजीबोगरीब घटनाएं लोगों को दिखाई. उसके घर में अपने आप ही इस्त्री ऑन हो गई. कुर्सियां अपने आप स्लाइड करने लगे. इसके अलावा फैन और लाइट्स भी अपने आप ऑन-ऑफ होने लगे. शख्स ने दावा किया कि उसके घर में भुतहा साया है. इसी वजह से उसे डीलर ने सस्ते दाम में फ़्लैट बेच दिया.

लोगों ने बताया फेक

जैसे ही ये वीडियो शेयर किया गया, ये वायरल हो गया. हालांकि, कई लोगों ने वीडियो को फेक बताया. लोगों का कहना है कि ये वीडियो फेक था. एक ने लिखा कि शख्स ने झूठा दावा किया है. वो खुद ही लाइट्स ऑन और ऑफ कर रहा था. साथ हो इस्त्री भी टेबल के नीचे एक शख्स चला रहा था. मैगनेट से आयरन चल रहा था. वहीं कुछ लोगों ने लिखा कि ऐसे घर से तो दूर ही रहना चाहिए.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

मनमोहन सिंह को 'पंथ रत्न' सम्मान देने की मांग

अमृतसर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग की तरफ से पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय मनमोहन सिंह को पंथ रत्न देने की मांग रखी गई है। लुधियाना से लोकसभा सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार सिंह साहिब ज्ञानी रघबीर सिंह को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने डॉ. मनमोहन सिंह के योगदान को सिख समुदाय के लिए ऐतिहासिक और अद्वितीय बताया। उन्होंने लिखा कि डॉ. सिंह ने न केवल 1984 के सिख विरोधी दंगों के लिए संसद में माफी मांगी बल्कि पीड़ितों और उनके परिवारों के पुनर्वास के लिए ठोस कदम उठाए। साथ ही, किसानों के लिए 60 हजार करोड़ रुपये की ऋण माफी, पंजाब के विकास के लिए धन आवंटन और ऐतिहासिक गुरुद्वारों के संरक्षण के प्रयासों का उल्लेख किया।

वर्ष-29 अंक : 284 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **पौष शु.6 2081 रविवार, 5 जनवरी-2025**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ✲ **पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये**

'जिन्हें किसी ने नहीं पूछा, उन्हें मोदी ने पूजा'

'ग्रामीण भारत महोत्सव' में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज ग्रामीण भारत महोत्सव 2025 का उद्घाटन किया। इस दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि साल 2025 की शुरूआत में ग्रामीण भारत महोत्सव का भव्य आयोजन भारत की विकास यात्रा को दर्शा रहा है। इसके आयोजन के लिए नबार्ड और अन्य सहयोगियों को बधाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज गांवों के लाखों घरों को पीने का साफ पानी मिल रहा है। लोगों को डेढ़ लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। आज डिजिटल तकनीक की मदद से बेहतरीन डॉक्टर और अस्पताल भी गांवों से कनेक्ट हो रहे हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए जरूरी है कि आर्थिक नीतियां गांव के हर वर्ग को ध्यान में रखकर बनाई जाएं। बीते 10 वर्षों में हमारी सरकार ने ये काम किया है। दो-तीन दिन पहले ही कैबिनेट ने पीएम फसल योजना को एक साल और बढ़ाने को मंजूरी दी है।

किसानों को तीन लाख करोड़ रुपये की आर्थिक मदद दी :

प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि के जरिए देश को किसानों को तीन लाख करोड़ रुपये की आर्थिक मदद दी जा रही है। बीते 10 वर्षों में कृषि ऋण साढ़े तीन गुना बढ़ गए हैं। अब पशुपालकों और मछली पालकों को भी किसान क्रेडिट कार्ड दिए जा रहे हैं। हमने बीते 10 वर्षों में फसलों पर दी जाने वाली को बढ़ाया है। हमने स्वामित्व योजना जैसे अभियान चलाए हैं, जिनके जरिए गांव के लोगों को संपत्ति के दस्तावेज दिए जा रहे हैं। आज गांव के युवाओं को मुद्रा योजना, स्टार्टएप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया जैसी योजनाओं के जरिए मदद की जा रही है। किसानों को फसलों का सही दाम मिले, इसके लिए साल 2021 में अलग मंत्रालय का गठन किया गया। पीएम मोदी ने कहा कि हाल ही में एक अहम सर्वे हुआ है, जिसमें पता चला कि साल 2011 की तुलना में अब ग्रामीणों की क्रय शक्ति करीब तीन गुना बढ़ गई है। अब गांव के लोग पहले की तुलना में ज्यादा खर्च कर रहे हैं। आजादी के बाद देश के ग्रामीण खाने पर 50 प्रतिशत आमदनी खर्च कर रहे थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पूर्व की सरकारों ने दलितों, जनजातियों और पिछड़े वर्ग के लोगों की परेशानियों पर ध्यान नहीं दिया, जिसके चलते गांवों से पलायन हुआ और गरीबी बढ़ी। गांवों और शहरों में लगातार अंतर बढ़ रहा है। 'जिन्हें किसी ने नहीं पूछा, उन्हें मोदी ने पूजा है'। जिन इलाकों को विकास से वंचित रखा गया, अब वहां समान अधिकार मिल रहे हैं। कल ही स्टेट बैंक ने रिपोर्ट जारी की है, जिसके अनुसार, साल 2012 में भारत में ग्रामीण इलाकों में गरीबी 26 प्रतिशत थी, लेकिन 2024 में यह घटकर पांच प्रतिशत से भी कम रह गई है।

9 जनवरी तक चलेगा महोत्सव

ग्रामीण भारत महोत्सव का आयोजन 4 जनवरी से लेकर 9 जनवरी तक होगा और इसकी थीम 'विकसित भारत 2047 के लिए एक लचीले ग्रामीण भारत का निर्माण' रखी गई है। इस महोत्सव के दौरान ग्रामीण भारत की उद्यमशीलता की भावना और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाया जाएगा। इस महोत्सव में विभिन्न चर्चाओं और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिनके जरिए ग्रामीण बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के निर्माण और ग्रामीण समुदाय में नवाचार को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा गया है।

सेना का ट्रक खाई में गिरा : चार जवानों की मौत, दो घायल

श्रीनगर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में बड़ा हादसा हुआ है। सेना का एक वाहन खाई में गिर गया। हादसे में चार सैनिकों की मौत हो गई। जबकि दो अन्य घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में शनिवार दोपहर यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि फिसलन के कारण सेना का एक ट्रक पहाड़ी से नीचे खाई में गिर गया। इस हादसे में चार जवानों की मौत हो गई। जबकि दो घायल हो गए। इनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। यह दुर्घटना बंदीपोरा के सिरी इलाके में हुई जहां सेना का ट्रक फिसलन के कारण खाई में जा गिरा। हादसे के बाद स्थानीय पुलिस और सेना के अन्य जवान राहत कार्य में जुट गए। इस घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

ट्रम्प को 10 जनवरी को सजा!

> *पोर्न स्टार को पैसे देकर चुप कराने का मामला*

> *ट्रम्प बोले-यह अवैध राजनीतिक हमला*

वॉशिंगटन, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को शपथ ग्रहण से पहले नई मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। ट्रम्प को पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसे देकर चुप कराने के मामले में 10 जनवरी को सजा सुनाई जाएगी। शुक्रवार को इस मामले के जज जुआन मर्चेन ने कहा कि ट्रम्प सजा सुनाए जाने के वक्त व्यक्तिगत रूप से या वर्चुअली कोर्ट में पेश हो सकते हैं।

पिछले साल मई में मैनहैटन की कोर्ट ने ट्रम्प पर 34 आरोप तय किए थे, जिनमें पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसे देकर चुप कराने का आरोप भी शामिल है। 2016 में यह पैसे इसलिए दिए गए थे ताकि स्टॉर्मी ट्रम्प के साथ अपने सेक्सुअल रिलेशन को सार्वजनिक न करें। ट्रम्प के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने इस फैसले की निंदा करते हुए कहा कि यह सुप्रीम कोर्ट के इम्यूनिटी डिसीजन और जुरिस्प्रूडन्स का सीधा उल्लंघन है। यह गैर कानूनी मामला कभी कोर्ट में लाया ही नहीं जाना चाहिए था। संविधान की मांग है कि इसे तुरंत खारिज कर दिया जाना चाहिए। चेउंग ने कहा कि इस मामले में कोई सजा नहीं होनी चाहिए। राष्ट्रपति ट्रम्प इन धोखाधड़ी के खिलाफ तब तक लड़ते रहेंगे जब तक कि ये सभी खत्म नहीं हो जाते। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबित जज जुआन मर्चेन का कहना है कि शपथ ग्रहण करने के बाद ट्रम्प राष्ट्रपति बन जाएंगे और उन्हें किसी भी तरह की सजा से छूट मिल जाएगी। इसलिए यह जरूरी है कि कोर्ट इस मामले में 20 जनवरी से पहले सजा सुनाए। हालांकि मर्चेन ने यह भी कहा कि ट्रम्प को दोषी ठहराए जाने के बाद भी किसी कानूनी सजा का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह मामला लगभग खत्म हो चुका है।

2006 में हुई थी ट्रम्प और स्टर्मी की मुलाकात :

स्टॉर्मी ने इस मामले में कोर्ट को बताया था कि ट्रम्प से उनकी मुलाकात 2006 में हुई थी। तब ट्रम्प 60 साल और स्टॉर्मी 27 साल की थीं। इस दौरान दोनों के बीच सेक्सुअल रिलेशन भी बने थे। इसे लेकर ट्रम्प और स्टॉर्मी के बीच 2016 में एक गुप्त समझौता हुआ था। इसके मुताबिक, स्टॉर्मी को ट्रम्प से रिलेशन्स को लेकर चुप रहना था।

'कहते थे सरकारी गाड़ी-बंगला नहीं लेंगे आज 45 करोड़ का शीशमहल'

> *केजरीवाल पर अमित शाह का हमला*

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज नए कामकाजी महिला छात्रावास ब्लॉक 'सुषमा भवन' का उद्घाटन किया। उन्होंने इस दौरान सुषमा स्वराज को पार्टी की महान नेताओं में से एक के रूप में याद किया। वहीं, आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि वह (केजरीवाल) राजनीति में आए तब कहते थे कि हम सरकारी गाड़ी नहीं लेंगे, सरकारी बंगल नहीं लेंगे। मगर आज 45 करोड़ रुपये का शीश महल बना लिया।

बता दें, छात्रावास का नाम पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के नाम पर रखा गया है। वो दिल्ली की मुख्यमंत्री भी रही थीं। 'सुषमा भवन' का उद्घाटन करने के बाद शाह ने कहा कि सुषमा जी को पार्टी की महान नेताओं में से एक के रूप में सदैव याद किया जाएगा। उन्होंने आप नेता पर निशाना साधते हुए कहा, कुछ बच्चे मुझसे मिलने मेरे घर आए थे। मैंने उनसे पूछा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के लिए क्या किया है? मगर मैंने ही गलती से जबाव दे दिया कि कुछ नहीं। इसपर बच्चों में से एक ने कहा कि

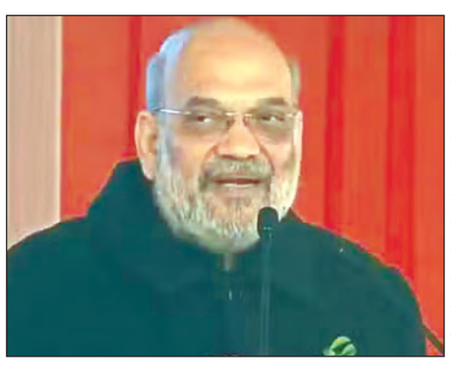

ऐसा नहीं हैं। उन्होंने अपने लिए एक बड़ा शीश महल बनवाया है। जब वह (अरविंद केजरीवाल) राजनीति में आए थे, तो वह कहते थे कि वह सरकारी कार या सरकारी बंगला नहीं लेंगे। एक तरह की राजनीति का आगाज करेंगे। मगर उन्होंने 50 हजार गज में दिल्लीवासियों के 45 करोड़ रुपये से अपने लिए शीश महल बनवाया। केजरीवाल जी आपको दिल्ली की जनता को हिसाब देना होगा। उन्होंने आगे कहा, शराब घोटाला किया, मोहल्ला क्लिनिक के नाम पर भ्रष्टाचार किया, दवाओं के नाम पर घोटाला किया, सीसीटीवी के नाम पर घोटाला किया, बस खरीद में घोटाला किया और सबसे बड़ा घोटाला निजी सुविधाओं के लिए, अपना शीशमहल बनाने के लिए किया। उन्होंने सुषमा स्वराज को याद कर कहा, देश के राजनीतिक इतिहास में वह उन नेताओं में से एक हैं, जो एनडीए-1 और एनडीए-2 के दौरान मंत्री थीं और वह भी महत्वपूर्ण विभागों में। मगर, उन्हें केवल एक मंत्री के रूप में नहीं बल्कि विपक्ष के नेता के रूप में याद किया जाएगा। यह सुषमा जी ही थीं, जिन्होंने संसद में कांग्रेस के भ्रष्टाचार को उजागर किया था।

साइंटिस्ट डॉ. राजगोपाला चिदंबरम का निधन

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राजगोपाला चिदंबरम का शनिवार तड़के निधन हो गया। वे 88 वर्ष के थे। परमाणु ऊर्जा विभाग के अधिकारी ने बताया कि तड़के 3 बजकर 20 मिनट पर मुंबई जसलोक अस्पताल में राजगोपाला ने अंतिम सांस ली। देश में न्यूक्लियर वेपंस डेवलपमेंट में डॉ. राजगोपाला की सक्रिय भूमिका रही। 1974 के पोखरण टेस्ट में भी उनका अहम योगदान रहा।

1998 के पोखरण टेस्ट में उन्होंने साइंटिस्ट की टीम को लीड किया था। डॉ. राजगोपाला को 1975 में पद्म श्री और 1999 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉ. राजगोपाला के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा, भारत की वैज्ञानिक और कूटनीतिक ताकत को मजबूत करने में डॉ. राजगोपाला की अहम भूमिका रही।

आईआईटी मद्रास के छात्रों से मिले राहुल गांधी

शिक्षा प्रणाली पर उठाए सवाल

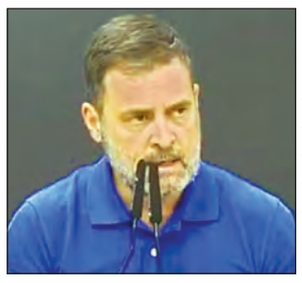

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के छात्रों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए वर्तमान की शिक्षा प्रणाली पर फिर से विचार करने की जरूरत है।

शिक्षा पर अधिक पैसा हो खर्च

उन्होंने आईआईटी मद्रास के छात्रों के एक समूह के साथ बातचीत में कहा कि बेहतर भविष्य और भारत को वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनाने के लिए यह जरूरी है कि देश की मौजूदा शिक्षा प्रणाली पर पुनर्विचार किया जाए तथा शिक्षा पर अधिक पैसा खर्च किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि निजीकरण और वित्तीय प्रोत्साहन के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हासिल नहीं की जा सकती।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने बातचीत का यह वीडियो अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किया। उन्होंने कहा, मुझे हाल ही में आईआईटी मद्रास के कुछ प्रतिभाशाली युवाओं से बात करने का सौभाग्य मिला। साथ में, हमने जानने की कोशिश की कि सफलता का असली मतलब क्या है। हमने भारत के भविष्य को आकार देने में अनुसंधान और शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका तथा एक ऐसे उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर चर्चा की जो निष्पक्षता, नवाचार और सभी के लिए अवसर को महत्व देता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अपने युवाओं को शिक्षित करने, बेहतर कल की कल्पना को साकार करने और भारत को वैश्विक नेतृत्वकर्ता में बदलने के लिए भारतीय शिक्षा प्रणाली को लेकर फिर से विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, वर्तमान में, हमारा शिक्षा ढांचा अक्सर युवाओं को कुछ करियर जैसे डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस, आईपीएस, या सशस्त्र बल तक सीमित कर देता है। राहुल गांधी ने कहा कि यह विविध अवसरों को खोलने, छात्रों को अपनी आकांक्षा को पूरा करने और नवाचार एवं पसंद से प्रेरित भविष्य बनाने के लिए सशक्त बनाने का समय है। उन्होंने कहा, यह बातचीत केवल विचारों के बारे में नहीं थी, यह समझने के बारे में भी थी कि हम भारत को विश्व मंच पर समानता और प्रगति की शक्ति के रूप में स्थापित करने के लिए कैसे मिलकर काम कर सकते हैं।

भाजपा ही वह माचिस की तीली, जिसने मणिपुर को जलाया : खरगे

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर में तनाव कम होने का नाम ही नहीं ले रहा है। जैसे ही लगता है कि अब हालात नियंत्रण में है, तभी फिर हिंसा भड़क जाती है। इसे लेकर कांग्रेस लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साध रही है। ताजा हिंसक घटनाओं के बाद विपक्षी पार्टी ने कहा कि पीएम 'राजधर्म' का पालन नहीं करने की संवैधानिक जिम्मेदारी से बच नहीं सकते।

कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को आरोप लगाया कि भाजपा का मणिपुर में हिंसा को बढ़ावा देने में कोई न कोई स्वार्थ है। उन्होंने कहा कि भाजपा ही वह माचिस की तीली है, जिसने मणिपुर को जलाया। इसके अलावा उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर ताजा हिंसा के बारे में एक खबर की कटिंग साझा की है। उन्होंने प्रधानमंत्री की मणिपुर यात्रा का जिक्र करते हुए कहा, नरेंद्र मोदी जी, आप जनवरी 2022 में मणिपुर का दौरा करने गए थे, वो भी भाजपा के लिए वोट मांगने।

रोड पर भिड़ गए टीएमसी नेता बाबुल सुप्रियो और बीजेपी सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय

कोलकाता, 4 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में विद्यासागर सेतु पर शुक्रवार रात बीजेपी सांसद अभिजित गांगोपाध्याय और तृणमूल कांग्रेस विधायक बाबुल सुप्रियो के बीच जमकर बहस हुई। पुलिस को बीच-बचाव करना पड़ा। रात लगभग 9 बजे यह घटना घटी। सुप्रियो अपनी गाड़ी चला रहे थे। उन्होंने गांगोपाध्याय पर खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने और बार-बार हॉर्न बजाने का आरोप लगाया। सुप्रियो ने उनपर गाली-गलौज करने का आरोप लगाया। गांगोपाध्याय ने इन आरोपों से इनकार किया।

गाड़ी से नीचे नहीं उतरे सांसद :

मलुक निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद ने दावा किया कि सुप्रियो नशे में थे और उन्होंने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। इस पूरे मामले का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें गायक से टीएमसी नेता बने सुप्रियो को बीजेपी सांसद से माफी मांगने के लिए कहते हुए सुना जा सकता है। हालांकि इस सब के बावजूद बीजेपी सांसद गाड़ी से नीचे नहीं उतरे। गांगोपाध्याय के सुरक्षा गार्ड ने ही सुप्रियो को शांत कराने की कोशिश करते दिखे।

बाबुल सुप्रियो ने आरोप लगाया कि उनकी गाड़ी रोकी गई और उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया। इसके बाद बीजेपी सांसद ने गाली-गलौज शुरू कर दी। उन्होंने सांसद का सामना भी किया और कहा कि मैंने अपनी कार पर विधायक नहीं लिखा है, लेकिन आपने अपनी कार पर सांसद लिखा है और लोगों को परेशान कर रहे हैं मामला यहीं खत्म नहीं हुआ। हुबली पुल पर दोनों नेताओं में फिर बहस हुई और बात हाथापाई तक पहुंच गई। वीडियो में बाबुल सुप्रियो कार से उतरकर सांसद की कार की तरफ जाते दिख रहे हैं। मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई।

अंतरिक्ष में भेजा गया लोबिया 4 दिन में अंकुरित हुआ

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। इसरो ने 30 दिसंबर को श्रीहरिकोटा से स्पेडेक्स यानी, स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट मिशन लॉन्च किया था। इसके तहत पीएसएलवी-सी60 रॉकेट से दो स्पेसक्राफ्ट को पृथ्वी से 470 किमी ऊपर डिप्लॉय किया गया। इसके साथ भेजे गए पीओईएम-4 (पीएसएलवी ऑर्बिटल एक्सपेरिमेंटल मॉड्यूल) पर सीआरओपीएस (कॉम्पैक्ट रिसर्च मॉड्यूल फॉर ऑर्बिटल प्लांट स्टडीज) ने अंतरिक्ष में पहली बार जीवन अंकुरित करने में सफलता पाई है। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) में डिजाइन किए गए सीआरओपीएस ने महज 4 दिनों में लोबिया के बीज को अंकुरित किया। जल्द ही पत्तियां आने की उम्मीद है। प्रयोग के लिए लोबिया (काउपी) के बीजों को चुना गया क्योंकि यह तेजी से अंकुरित होते हैं। इनमें सहनशीलता भी बेहद मजबूत होती है। यह पोषण महत्व वाला पौधा है। इस प्रयोग से अंतरिक्ष में भोजन उगाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है, जो भविष्य में चंद्रमा, मंगल, या अन्य ग्रहों पर मानव उपस्थिति बनाए रखने में मदद करेगा।

बांदा जेल में बंद रहे मुख्तार अंसारी की मौत पर फिर उठे सवाल, सुप्रीम कोर्ट ने दिया ये आदेश

बांदा, 4 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिया है कि मुख्तार अंसारी की मौत पर मेडिकल और मजिस्ट्रेट जांच रिपोर्ट उनके बेटे उमर अंसारी को सौंपी जाए। जस्टिस ऋषिकेश रॉय और एसवीएन भट्टी की पीठ ने यह आदेश सुनवाई के दौरान दिया, जिसमें दो सप्ताह की समयसीमा तय की गई है। 63 वर्षीय मुख्तार अंसारी की 28 मार्च, 2024 को बांदा स्थित अस्पताल में मौत हो गई थी। उनकी मौत हार्ट अटैक के कारण बताई गई। मुख्तार पर 60 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे, जिनमें भाजपा विधायक कृष्णानंद राय की हत्या का मामला भी शामिल था।

संभल मस्जिद कमेटी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में दाखिल की याचिका

संभल, 4 जनवरी (एजेंसियां)। संभल की शाही जामा मस्जिद विवाद मामले में मस्जिद कमेटी ने संभल की जिला अदालत में दाखिल मुकदमे के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। मुस्लिम पक्ष की ओर से सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर याचिका दाखिल की गई है। याचिका के जरिए जिला अदालत में दाखिल मुकदमे की पोषणीयता पर सवाल उठाते हुए उसे रद्द किए जाने की गुहार लगाई गई है। मस्जिद कमेटी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में अदालत का अंतिम फैसला आने तक मुकदमे की सुनवाई पर रोक लगाए जाने की मांग की गई है। कमेटी ने अपील की कि मस्जिद सर्वे को लेकर

एडवोकेट कमिश्नर की जो रिपोर्ट है उसे भी सार्वजनिक नहीं किया जाएं और निचली अदालत के सर्वे आदेश की आगे की प्रक्रिया पर रोक लगाए जाने की भी मांग की गई है।

मस्जिद कमेटी ने हाईकोर्ट में दाखिल की याचिका

मस्जिद कमेटी के पदाधिकारी आज सुबह ही याचिका दाखिल करने के लिए जरूरी दस्तावेजों पर दस्तखत करने के लिए प्रयागराज पहुंच गए हैं। कमेटी की इस याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में मंगलवार या बुधवार को सुनवाई हो सकती है। हिंदू पक्ष ने पहले ही कोर्ट में कैविएट दाखिल कर रखी है कि हिंदू पक्ष को सुने बिना कोर्ट सीधे तौर पर कोई फैसला नहीं जारी करेगी। बता दें कि हिन्दू पक्ष की ओर से संभल की शाही मस्जिद के हरिहर मंदिर होने का दावा किया गया है, जिसके बाद जिला अदालत ने मस्जिद के सर्वे का आदेश दिया था। मस्जिद कमेटी ने निचली अदालत के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत की कार्रवाई पर रोक लगाते हुए मस्जिद कमेटी को हाईकोर्ट में अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए थे। जिसके बाद से मुस्लिम पक्ष की ओर से याचिका दाखिल किए जाने की तैयारी की जा रही थी। और अब इसी क्रम में आज मस्जिद कमेटी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है।

'बीजेपी हमें न तो सीट दे रही और ना ही सिंबल' कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद के दिखे बगावती तेवर

आजमगढ़, 4 जनवरी (एजेंसियां)। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री डा। संजय निषाद ने कहा कि भाजपा न तो हमें सीट दे रही है और ना ही सिंबल। यही कारण रहा कि लोकसभा चुनाव में हार मिली। संत कबीर नगर में प्रवीण निषाद की हार में भाजपाइयों का हाथ रहा। हम भाजपा के साथ है लेकिन मछुआ समाज पीडीए के साथ चला गया है। भाजपा नहीं चेती तो 2027 में खामियाजा भुगतना होगा। डा। संजय निषाद ने यह बातें शुक्रवार को कोटवा स्थित सर्किट हाउस में प्रेस-प्रतिनिधियों से वार्ता में कही। डा। संजय निषाद ने कहा कि मछुआ समाज को अभी तक आरक्षण का लाभ नहीं मिला है। यही कारण है कि यह समाज 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन के साथ चला गया था जिसका खामियाजा भाजपा को उठाना पड़ा और उत्तर प्रदेश की 43 लोकसभा सीटों पर हार मिली। कहा कि भाजपा को मछुआ समाज को आरक्षण का लाभ दिलाना होगा। कैबिनेट मंत्री आशीष निषाद के बगावती तेवर का संजय निषाद ने समर्थन कियाद्ध कहा कि कुछ अधिकारी ऐसे हैं जो छवि खराब करने का काम कर रहे हैं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि निषाद पार्टी जिसके साथ रहती है, मजबूती के साथ खड़ी रहती है। जब समाजवादी पार्टी ने दरवाजा बंद कर दिया तब हम भारतीय जनता पार्टी के साथ आए लेकिन भाजपा में सब कुछ सही नहीं चल रहा है। लोकसभा चुनाव के दौरान संत कबीर नगर सीट से प्रवीण निषाद को हराने में भाजपा के लोगों का हाथ रहा लेकिन उन पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

बम बनाने में माहिर, 100 वारदातें

20 डकैतों का सरदार कौन है सुशील मोची जिसका बिहार में हुआ एनकाउंटर?

पूर्णिया, 4 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार की पूर्णिया पुलिस और एसटीएफ ने डकैत सुशील मोची को एनकाउंटर में मार गिराया है। सुशील मोची पूर्णिया, कटिहार सहित बंगाल में कई डकैती की घटनाओं को अंजाम दे चुका है। यह एनकाउंटर अमौर थाना क्षेत्र के ताराबाड़ी घाट के समीप देर रात हुआ है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि सुशील किसी बड़ी घटना को अंजाम देने वाला है। इसके बाद एसटीएफ की टीम और अनगढ़,अमौर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सुशील को सरेंडर करने के लिए बोला, लेकिन उसने पुलिस टीम को निशाना बनाकर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस टीम को देखते ही डकैत सुशील गोली चलाना शुरू कर दिया। वहीं पुलिस की ओर से भी जवाबी फायरिंग की गई। लगभग 10 मिनट तक दोनों तरफ से गोली चलती रही, फिर अचानक गोली चलनी बंद हो गई। इसके बाद पुलिस ने मक्के के खेत मे सर्च अभियान चलाया, जहां एक शव बरामद हुआ। शव की पहचान डकैत सुशील मोची पिता रामेश्वर राम साकिन के रूप में हुई है। सुशील पर बिहार पुलिस ने 1.50 लाख का इनाम घोषित कर रखा था। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पूर्णिया एसपी कार्तिकेय शर्मा, डीआईजी प्रमोद कुमार मण्डल पहुंचकर घटना की जानकारी ली। वहीं पूर्णिया से एफएसएल की टीम मौके पर पहुंच सारे सबूत को इकट्ठा की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए पूर्णिया भेज दिया है।

मुरादाबाद नगर निगम की बड़ी कार्रवाई

सपा विधायक से खाली कराया 15 करोड़ की सरकारी संपत्ति

मुरादाबाद, 4 जनवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के विधायक समरपाल सिंह चौधरी से मुरादाबाद नगर निगम ने अपनी सरकारी संपत्ति को खाली करा लिया है। कई बार नोटिस देने के बावजूद भी संपत्ति को खाली न करने पर आज नगर निगम ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच कर अवैध कब्जे को हटवाया और संपत्ति को अपने कब्जे में ले लिया। नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल सरकारी संपत्तियों पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त हैं। शहर में लगातार नगर निगम की संपत्तियों को कब्जे मुक्त कराया जा रहा है। इससे पहले भी निगम लगभग 900 करोड़ की संपत्तियों को कब्जे से मुक्त करा चुके हैं। 15 करोड़ की दो संपत्तियों को नगर निगम के द्वारा आज खाली कराया गया। नगर निगम के अनुसार एक भवन सपा विधायक समरपाल सिंह को आवंटित था तो वहीं दूसरा भवन डॉ एल।डी। चतुर्वेदी को दिया गया था। आवंटन की अवधि समाप्त होने के बाद भी इन भवनों पर कब्जा था। खाली कराने के लिए पहले ही नोटिस जारी किए थे लेकिन खाली नहीं किये जा रहे थे।

आवास खाली कराने के लिए जिला कलेक्टर भी पहुंचे

नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों भवनों को खाली कराया और कब्जा अपने अधीन ले लिया। इस संपत्ति का बाजार मूल्य लगभग 15 करोड़ रुपये आंका गया है। नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल ने बताया कि नगर निगम की संपत्तियों पर कुछ लोगों ने वर्षों से अनाधिकृत कब्जा कर रखा है। संपत्तियों का दुरुपयोग किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सभी अवैध कब्जों को हटाने का अभियान लगातार जारी रहेगा। समरपाल सिंह चौधरी अमरोहा की नौगावां सादात विधानसभा सीट से सपा के विधायक हैं और मुरादाबाद के सिविल लाईन में नगर निगम से लीज पर मिले मकान में पिछले 15 साल से रह रहे थे। जिन्हें नगर निगम ने बेदखल कर मकान अपने कब्जे में ले लिया है। इस दौरान सरकारी आवास खाली कराने के लिए की जा रही कार्रवाई में जिला कलेक्टर भी पहुंचे।

गैस सिलेंडर लीक होने से भभकी आग, एक परिवार का सारा सामान जलकर राख

कटिहार, 4 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के कटिहार जिले के फालका प्रखंड के एक घर में शुक्रवार को गैस सिलेंडर लीक होने से आग लग गई। आग लगने से घर में रखे 50 हजार रुपये नकद और सारा सामान जलकर राख हो गया। घटना के दौरान गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। बता दें कि कटिहार जिले के फालका प्रखंड के सालेहपुर पंचायत के वार्ड नंबर-13 राजधानी गांव में गैस सिलेंडर लीक हो गया। जिससे ग्रामीण मोहम्मद सरफराज के घर का पूरा सामान जलकर राख हो गया। घटना के दौरान 50,000 रुपये नकद, जरूरी कागजात, अनाज, कपड़े और बर्तन समेत सभी घरेलू सामान आग की चपेट में आ गया। खाना बनाने के दौरान गैस सिलेंडर लीक होने से अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भयावह रूप धारण कर लिया।

मस्जिद में घुसकर तेंदुए ने चार नमाजियों पर किया हमला, लोगों ने दबोचकर मार डाला

महाराजगंज, 4 जनवरी (एजेंसियां)। महाराजगंज में पिछले एक हफ्ते से तेंदुए के दहशत के साए में लोग जीने को मजबूर हैं। अभी तक लोग बाहर अकेले निकलने से डर रहे थे लेकिन अब तेंदुआ कहीं भी घुस रहा है। शनिवार की सुबह लक्ष्मीपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत मझौली में स्थित मस्जिद में तेंदुआ घुस आया। इस दौरान तेंदुए ने चार लोगों पर हमला कर दिया। इसमें वे घायल हो गए। वहीं तेंदुए को पकड़ने के लिए लोगों ने जाल बिछाया और कड़ी मशक्कत कर उसे दबोच लिया। लेकिन उसकी मौत हो गई है। तेंदुए की मौत से स्थानीय लोगों में डर का माहौल है। आपको बता दें कि महाराजगंज के कोल्हुई थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मझौली में स्थित मस्जिद में शनिवार की सुबह पांच बजे नमाज के दौरान एक तेंदुआ घुस आया। उसने नमाजियों पर हमला कर दिया। जिसमें चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। तेंदुए के हमले से मस्जिद परिसर में अफरा- तफरी का माहौल हो गया। नमाजियों ने घेराबंदी करते हुए तेंदुए को पकड़ रस्सी से बांध दिया। इस दौरान मस्जिद परिसर में ही तेंदुए की मौत हो गई। घटना की सूचना वन विभाग और पुलिस को दी गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे वन विभाग के अधिकारी जांच पड़ताल में जुटे हैं।

कुमार विश्वास के बयान पर भड़के सपा के पूर्व सांसद बोले- 'जयचंद भी एक देशद्रोही बादशाह था'

मुरादाबाद, 4 जनवरी (एजेंसियां)। मशहूर कवि कुमार विश्वास ने हाल ही में मुरादाबाद में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बिना नाम लिए एक फिल्म कलाकार के बेटे के नाम पर टिप्पणी की, जिसे 'तैमूर' से जोड़ा जा रहा है। उनके इस बयान पर समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व सांसद डॉ। एसटी हसन पर प्रतिक्रिया दी। मुरादाबाद के पूर्व सांसद डॉ। एसटी हसन ने एक सवाल के जवाब में कुमार विश्वास की टिप्पणी पर तंज कसते हुए कहा कि 'तैमूर' एक नाम है इसे कोई भी रख सकता है। तैमूर का मतलब बहुत 'ज्यादा मजबूत' होता है। लोग अपने बच्चों का नाम बादशाहों के नाम पर भी रख लेते हैं। अब ये तो वो जानें कि उन्होंने बादशाह के नाम रखा था या एक नाम के तौर पर नाम पर रखा था। सपा नेता ने आगे कहा कि यह हकीकत है कि तैमूर एक जालिम बादशाह था। उसने हिंदुस्तान पर हुकूमत भी की थी। बादशाह ने क्या किया, क्या नहीं किया उससे सैफ अली खान के बच्चे को क्यों जोड़ा जा रहा है? अगर सैफ अली खान ने अपने बच्चे का नाम तैमूर रखा तो इसमें क्या बुराई है।

जयचंद नाम गांवों में बहुत मिल जाएंगे

उन्होंने कहा कि लोग जयचंद नाम नहीं रखते हैं क्या? लोगों के जयचंद नाम गांवों में बहुत मिल जाएंगे। एक मुद्दा बनाने के लिए ये सही नहीं है। जयचंद भी एक देशद्रोही बादशाह था। पृथ्वीराज चौहान से उसका झगड़ा था। जयचंद मुल्क के गद्दारों से मिला हुआ था। उसने मुल्क से गद्दारी की थी। लोग फिर भी उसके नाम पर अपने बच्चों का नाम रख लेते हैं।

बेवजह हर चीज में विवाद पैदा करना ठीक नहीं- एसटी हसन

कुमार विश्वास का कहना है कि भारत जाग गया है। अब ऐसे लुटेरों के नाम पर ना तो हीरो बनने देंगे, ना गद्दार बनने देंगे। इस सवाल के जवाब में सपा नेता ने कहा कि सैफ अली खान का क्या यह कह रहे हैं कि मैंने अपने बेटे का नाम तैमूर बादशाह के नाम पर रखा है। अगर वो ऐसा कहते हैं तो बात अलग है, लेकिन नाम तो नाम है उसका मुद्दा क्यों बनाया जा रहा है। बेवजह हर चीज में विवाद पैदा करना ठीक नहीं है। तैमूर नाम है और नाम तो कुछ भी कोई भी रख सकता है। उन्होंने आगे कहा कि कुमार विश्वास लोगों का अटेंशन लेने के लिए इस तरह की टिप्पणी कर रहे हैं।

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने असदुद्दीन ओवैसी को बताया 'जिन्ना'

कहा- 'खुद को बाबर-औरंगजेब से जोड़ते हैं'

मथुरा, 4 जनवरी (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर कर पूरे देश में पूजा स्थल कानून लागू करने की मांग की है। ओवैसी की तरफ से इस पीआईएल को अधिवक्ता फुजैल अहमद अय्यूबी ने दाखिल कयिा था। सुप्रीम कोर्ट इस पर 17 फरवरी को सुनवाई करेगा। इस पर हिंदू संतों ने प्रतिक्रिया दी। आचार्य प्रमोद ने ओवैसी को भारत के विभाजन की चाहत रखने वाला आधुनिक जिन्ना बताया। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि इतिहास गवाह है कि भारत में कई बार मंदिरों को तोड़ा गया है। बाबर, चंगेज खान, तैमूर लंग, और औरंगजेब जैसे शासकों ने मंदिरों को तोड़ा। ये हमले केवल मस्जिद बनाने के लिए नहीं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी किए गए थे। विशेष रूप से अयोध्या, मथुरा, और संभल जैसे स्थानों पर मंदिरों को तोड़ा गया, क्योंकि इन जगहों से संबंधित धार्मिक मान्यताएं थीं, जैसे कि भगवान राम का अवतार अयोध्या में हुआ और कल्कि अवतार संभल में होगा। यह बात इतिहास के पन्नों में लिखी हुई है, जैसे आईने अकबरी और बाबरनामा में और यह जानकारी आज भी प्रमाणिक दस्तावेजों में मौजूद है।

सीएम योगी के सम्मेलन में शामिल होंगी अखिलेश यादव की महिला विधायक, इस मुद्दे पर करेंगी बात

लखनऊ, 4 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी और उत्तराखंड की सभी महिला विधायकों के लिए सम्मेलन का आयोजन किया है, जिसमें यूपी की 48 और उत्तराखंड की 8 महिला विधायक शिरकत करेंगी। इस सम्मेलन का आयोजन महिलाओं को मजबूत और सशक्त करने के लिए किया है। इस सम्मेलन में विपक्ष की महिला विधायकों को भी न्योता दिया गया है। इनमें सपा की विधायक नसीम सोलंकी भी शामिल हैं। जो सीएम योगी के सामने रेप की घटनाओं को लेकर मुखर होती दिखेंगी। ये सम्मेलन 8 जनवरी 2025 को कानपुर में होना है इसके लिए तैयारियां की जा रही हैं। सभी महिला विधायकों को न्योता भेज दिया गया है। इस सम्मेलन की अगुवाई सीएम योगी आदित्यनाथ करेंगे और प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना भी कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इसमें महिला सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण पर बारीकियों से चर्चा होगी। विधानसभा में किस तरह से महिलाओं के हित की आवाज को उठाना है इसके लिए प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

सपा विधायक नसीम सोलंकी ने भी इसमें शामिल होंगी। इस सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के साथ उत्तराखंड की महिला विधायकों को भी आमंत्रित किया गया है। सपा विधायक नसीम सोलंकी ने इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि उन्हें भी आमंत्रण मिला है। इस सम्मेलन के माध्यम से महिला से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। महिलाएं योजनों का लाभ सरकार में कैसे ले सकती है इस भी चर्चा होने की बात कही गई है। उन्होंने प्रदेश सरकार की इस पहल की तारीफ़ की और कहा कि ये कार्यकम अच्छा है। लेकिन इसमें उन मुद्दों को भी जरूर रखा जाना चाहिए जिसमें महिलाओं को लाभ मिल सके। नसीम सोलंकी ने कहा कि वो महिलाओं के साथ आए दिन हो रही रेप की घटनाओं को देखते हुए महिला सुरक्षा के लिए इस सम्मेलन में आवाज बुलंद करेंगी। अभी भी बहुत सी महिलाएं ऐसी हैं जो कानून व्यवस्था से परेशान है। उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ सही तरीके से नहीं मिल रहा है। आने वाले समय में महिलाएं कैसे मजबूत हो सकती है जेल में बंद महिला कैदी, समाज में निकलकर नौकरी कर रही महिला की सुरक्षा, महिला सम्मान, रोजगार, और महिलाओं की आधी भागीदारी पर भी वो इस सम्मेलन में मुद्दों पर अपना पक्ष रखेंगी।

भारत युवा नेता संवाद: पीएम मोदी के सामने प्रस्तुति देंगे डीडीयू के अंकुर

गोरखपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में एमए राजनीति विज्ञान द्वितीय सेमेस्टर के छात्र अंकुर कुमार मिश्रा पीएम मोदी के समक्ष अपनी प्रस्तुति देंगे। उनका चयन राष्ट्रीय युवा उत्सव के अंतर्गत विकसित भारत युवा नेता संवाद कार्यक्रम में 'भविष्य में देश के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण' थीम पर प्रस्तुति (प्रजेंटेशन) देने के लिए चयन हुआ है। कुशीनगर के धनहा उर्फ मल्लूडीह के निवासी संजय मिश्रा के पुत्र अंकुर मिश्रा की प्रस्तुति भारत मंडपम, नई दिल्ली में 11-12 जनवरी को आयोजित कार्यक्रम में होगी। कार्यक्रम के लिए पहले विकसित भारत युवा नेता संवाद में ऑनलाइन प्रश्नोत्तर किया गया।

इसमें दूसरे लेवल में ऑनलाइन माध्यम से निबंध प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर चयन किया गया। इसके बाद तृतीय चरण में लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रेजेंटेशन आयोजित हुआ। अंकुर सहित देश भर के चयनित युवाओं को अपना विचार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष प्रस्तुत करना है। कार्यक्रम में देश विदेश से आए हुए अतिथि भी मौजूद रहेंगे। इसके साथ ही साथ टीवी पर आने वाले "शार्क टैंक शो" के जज भी मौजूद रहेंगे। आयोजन में नए विचारों को सराहा जाएगा। कुलपति प्रो। पूनम टंडन ने अंकुर कुमार मिश्रा को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो। राजेश सिंह, प्रो। रजनीकांत पांडेय, प्रो। गोपाल प्रसाद, प्रो। रूसीराम महानंदा, डॉ। महेंद्र कुमार सिंह आदि शिक्षकों ने बधाई दी है।

सांसद चंद्रशेखर बोले-संसद में उठेगा जितेंद्र की मौत और उत्पीड़न का मुद्दा

पीएम को लेकर कही ये बात

मेरठ, 4 जनवरी (एजेंसियां)। आजाद समाज पार्टी के संस्थापक और नगीना सांसद चंद्रशेखर ने बागपत पहुंचकर खेकड़ा कस्बे की पट्टी धंधान के रविदास मंदिर में जितेंद्र के परिजनों से मुलाकात कर उनको सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि जितेंद्र की मौत और उसके परिवार के उत्पीड़न का मुद्दा संसद में उठाया जाएगा। उन्होंने मृतक के परिवार को एक करोड़ रुपये मुआवजा, एक सदस्य को सरकारी नौकरी और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। सांसद चंद्रशेखर ने कहा कि वर्ष 2021 में जो सिलसिला जितेंद्र के परिवार के साथ शुरू हुआ, वह अभी जारी है। जितेंद्र अपने परिवार के लिए इंसाफ की लड़ाई लड़ता रहा, लेकिन इंसाफ नहीं मिला। इससे थककर जितेंद्र ने आत्मघाती कदम उठाया। इससे समाज में आक्रोश का माहौल बना हुआ है। जितेंद्र अगर एक बार भी मुझसे मिल लेता तो वह आत्महत्या नहीं करता। दोबारा विवेचना के आदेश पहले ही जारी कर दिए जाते तो जितेंद्र की जान बच जाती। उसकी मौत होने से परिवार की बेटी की शादी भी टालनी पड़ी। कहा कि प्रदेश और देश में अनुसूचित जाति के लोगों का शोषण किया जा रहा है, उन्हें सुनवाई के लिए ऐसे कदम उठाने पड़ रहे है। सांसद चंद्रशेखर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अजमेर शरीफ दरगाह पर चादर भेजने पर हिंदू संगठनों ने जिस तरह से विरोध जताया है, वह उनका घर का मामला है। उन्होंने कहा कि देश में बेरोजगारी और नशाखोरी गांव-गांव फैल रही है।

आगरा में औरंगजेब की हवेली पर चला बुलडोजर तो भड़के अखिलेश यादव एएसआई से कर दी बडी मांग

आगरा, 4 जनवरी (एजेंसियां)। आगरा में ऐतिहासिक धरोहर पर बुलडोजर की कार्रवाई को लेकर सियासत गरमा गई है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने औरंगजेब की हवेली गिराये जाने को लेकर निशाना साधा और केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय से इस मामले में वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि खंडित हिस्से के पुनर्निमाण कराया जाए और जो हिस्सा बचा है उसका सरंक्षण सुनिश्चित किया जाए। सपा अध्यक्ष ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर ऐतिहासिक इमारतों पर बुलडोजर की कार्रवाई को लेकर निशाना साधा। उन्होंने लिखा- 'आगरा में अवैध रूप से गिरायी गयी ऐतिहासिक धरोहर के मामले में हमारी संस्कृति मंत्रालय और भारतीय पुरातत्त्व विभाग से निम्नलिखित मांगें हैं। आगरा में औरंगजेब की हवेली पर चला बुलडोजर तो भड़के अखिलेश यादव, एएसआई से कर दी ये मांग दरअसल आगरा में ऐतिहासिक इमारत औरंगजेब की हवेली मुबारक मंजिल को एक बिल्डर ने बुलडोजर चलवा दिया है। जिसे इस इमारत का 70 फीसद हिस्सा ध्वस्त हो गया हैं। ये इमारत 17वीं सदी के मुगल इतिहास की धरोहर थी।

जिसका निर्माण औरंगजेब ने सामोगढ़ की लड़ाई में जीत के बाद कराया था। इस हवेली का औरंगजेब के बाद शाहजहां, शुजा और ब्रिटेश अफसरों ने भी इस्तेमाल किया था। इस इमारत को ध्वस्त करने से आसपास के लोगों में आक्रोश है।

मुठभेड़ में किडनैपर को लगी गोली, जियो फाइबर के मैनेजर सकुशल बरामद

हाथरस, 4 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में 1 जनवरी 2025 को किडनैप हुए जियो फाइबर के मैनेजर अभिनव भारद्वाज को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस ने मुरादाबाद में किडनैपर्स के साथ मुठभेड़ के बाद अभिनव को बचा लिया। बता दें कि अभिनव को किडनैप करने के बाद फिरौती की मांग की गई थी। इस मामले में थाना हाथरस गेट पर मामला दर्ज किया गया था। पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई की और आज 4 जनवरी 2025 को मुरादाबाद के थाना सिविल लाइंस क्षेत्र में अपहर्ताओं से मुठभेड़ कर अभिनव भारद्वाज को सकुशल बरामद कर लिया।

मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार हुए ये बदमाश

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश को गर्दन के पास गोली लग गई। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। घायल बदमाश का इलाज किया जा रहा है और उसे अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में विशाल (उम्र 28 वर्ष), पुत्र मोहनलाल, निवासी मोह। राजपुरा, चौकी धरमौला, थाना कोतवाली, अल्मोड़ा शामिल है, जिसे मुठभेड़ के दौरान गर्दन में गोली लगी। इसके अलावा, 20 वर्षीय सुझल कुमार, पुत्र सुरेश लाल, निवासी कनेली, थाना कोतवाली, अल्मोड़ा और 20 वर्षीय करण बिष्ट, पुत्र राजेंद्र बिष्ट, निवासी मलगांव, चौकी धरमौला, थाना कोतवाली, अल्मोड़ा भी गिरफ्तार किए गए हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 5 जनवरी, 2025 5

युविचार

अपनी ताकत के बल पर जीना शुरू, कीजिए क्योंकि आपका खुद से अच्छा, साथी और हमदर्द कोई ओर नहीं हो सकता!

भूमिहीन कृषि श्रमिक परिवारों के लिए "इंदिरम्मा आत्मीय भरोसा योजना" : रेवंत रेड्डी

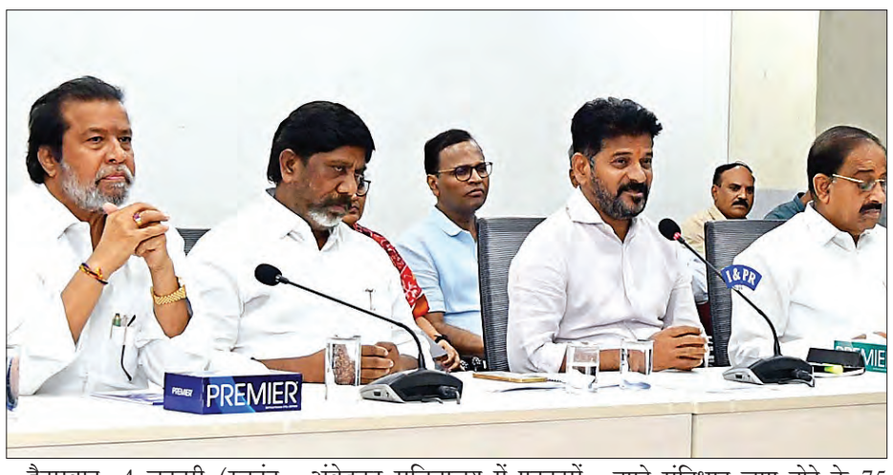

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि हमने तेलंगाना राज्य के किसानों को नए साल में शुभकामनाएं देने और कृषि को एक उत्सव बनाने के लिए रैतु भरोसा पर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। हमने किसानों को सभी कृषि भूमि के लिए बिना शर्त प्रत्येक एकड़ का आश्वासन देने का निर्णय लिया है। हमने मौजूदा 10 हजार रुपये के किसान बीमा को बढ़ाकर 12 हजार रुपये करने का निर्णय लिया है। डॉ. बी आर अंबेडकर सचिवालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने भूमिहीन कृषि श्रमिक परिवारों को प्रति वर्ष 12 हजार रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है। इस योजना को हम "इंदिरम्मा आत्मीय भरोसा योजना" नाम दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने कैबिनेट में निर्णय लिया है कि जिनके पास राशन कार्ड नहीं है, उन्हें नये राशन कार्ड दिये जायेंगे। ये योजनाएं 26 जनवरी 2025 से शुरू होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने संविधान लागू होने के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर इन योजनाओं को लागू करने का निर्णय लिया है। रैतु भरोसा गैर-कृषि भूमि (खनन, पहाड़ियां, टीले, रियल एस्टेट उद्यम, सड़कें, आवासीय, औद्योगिक, वाणिज्यिक भूमि, नाला परिवर्तित भूमि, विभिन्न परियोजनाओं के लिए सरकार द्वारा अधिग्रहित भूमि) पर लागू नहीं है। हमारी सरकार की नीति सरकारी राजस्व को बढ़ाकर लोगों तक वितरित करना है।

पाम तेल की खेती में तेलंगाना सबसे आगे : तुम्मला

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने कहा कि भारत में तेल पाम की खेती में तेलंगाना सबसे आगे है, इस उद्देश्य के लिए पहले से ही एक लाख हेक्टेयर का उपयोग किया जा चुका है। राज्य सरकार ने अगले पांच वर्षों में तेल पाम की खेती को अतिरिक्त चार लाख हेक्टेयर तक बढ़ाने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि क्षेत्र में सुधारों के लिए सुझावों और सिफारिशों की समीक्षा करने के लिए सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ नई दिल्ली से एक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की। तुम्मला नागेश्वर राव ने शनिवार को सचिवालय से भाग लिया। राज्य के पाम ऑयल किसानों के हितों की रक्षा के लिए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रति टन पाम ऑयल 20,000 रुपये निर्धारित किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने संकेत दिया कि आयात शुल्क को 2018 की तरह 40 प्रतिशत तक बढ़ाने से राज्य के किसानों को लाभ होगा।

ट्रक की बाइक से टक्कर में बुजुर्ग दंपति की मौत

निजामाबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नवीपेट मंडल के बाहरी इलाके में शनिवार को एक ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे एक बुजुर्ग दंपत्ति की मौत हो गई। मृतकों की पहचान लक्ष्मण (60) और उनकी पत्नी राजमणि (55) के रूप में हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, दंपत्ति नवीपेट की ओर जा रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसने शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने राज्य सरकार की ओर से अजमेर दरगाह के लिए चादर पेश की। इस अवसर पर मंत्री कोंडा सुरेखा, मंत्री श्रीधर बाबू, चिन्नारेड्डी, वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष अजमतुल्ला, मुस्लिम मौलवी और अल्पसंख्यक नेता उपस्थित थे।

शहर के विकास पर विशेष ध्यान : विजयलक्ष्मी

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि हैदराबाद शहर के विकास पर विशेष ध्यान देते हुए शहर के लोगों को सभी सुविधाओं के साथ बेहतर सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से कई विकास कार्य किए जा रहे हैं। शनिवार को मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने स्थानीय विधायक दाना नागेंद्र के साथ 3 करोड़ 54 लाख की अनुमानित लागत से किए गए विभिन्न कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि नगर प्रशासन शहर के लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रहा है। इसके तहत मेयर ने बताया कि विभिन्न परियोजनाओं के लिए धन आवंटित किया गया है और विकास कार्य तेजी से पूरे किये जा रहे हैं।

उसी के एक भाग के रूप में, ताज कृष्णा जंक्शन पर यातायात समस्याओं को कम करने के लिए जीवीके मॉल के सामने 11.5 लाख के विकास कार्य, मेयर ने 12.75 लाख से जंक्शन के विकास कार्यों का शुभारंभ किया। जवाहर नगर पार्क में 25 लाख की लागत से ओपन एयर मिनी थिएटर का उद्घाटन किया गया।

केबीआर पार्क के पास जंक्शन के विकास के तहत 1.96 लाख रुपये की लागत से विकसित सौंदर्यीकरण कार्य शुरू हो गया है। नंदी नगर रोड नं. 14 कई क्षेत्रों को कवर करते हुए (यूनियन बैंक ऑफ इंडिया से नंदी नगर तक) महापौर ने बंजारा हिल्स रोड नंबर 14 में 145.80 लाख की लागत से होने वाले सीसी रोड निर्माण कार्य और 148 लाख रुपये की लागत से मस्जिद से ब्रह्माकुमारीज तक विभिन्न क्षेत्रों को जोड़ने वाली सीसी रोड के विकास कार्यों का शिलान्यास किया।

मेयर ने कहा कि इन विकास कार्यों से यातायात की समस्या कम होगी और लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा। खैरताबाद विधायक दानम नागेंद्र ने कहा कि सरकार ने शहर में बेहतर परिवहन के विकास को प्राथमिकता दी है और एचसीटी के माध्यम से भारी यातायात वाले क्षेत्रों में अंडरपास और फ्लाईओवर बनाने के लिए कदम उठाए हैं।

विधायक ने कहा कि आवश्यक कदम उठाने के लिए योजनाएं तैयार की गई हैं लोगों के लिए मौखिक सुविधाएं, सीसी रोड, पाइप जलापूर्ति जैसे कार्य। कार्यक्रम में जोनल कमिश्नर अनुराग जयंती, डिप्टी कमिश्नर प्रशांति, एसई रत्नाकर, नगरसेवक मन्ने कविता, ईई और अन्य शामिल हुए।

महाकुंभ के तीर्थयात्रियों को निशाना बना रहे साइबर जालसाज

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। क्या आप 2025 के महाकुंभ मेले में भाग लेने की योजना बना रहे हैं? कॉटेज, टेंट और होटल किराये पर देने के लिए फर्जी बुकिंग वेबसाइटों के जरिए तीर्थयात्रियों को निशाना बनाने वाले साइबर धोखेबाजों से सावधान रहें। साइबर अपराधी श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह का फायदा उठाकर फर्जी प्लेटफॉर्म बनाकर प्रीमियम सेवाएं जैसे कि ठहरने की व्यवस्था और वीआईपी स्नान की विशेष व्यवस्थाएं आदि पेश कर रहे हैं। ये जालसाज वेबसाइटें श्रद्धालुओं को धोखा दे रही हैं और एडवांस बुकिंग और विशेष व्यवस्थाओं की आड़ में उनसे मोटी रकम ऐंठ रही हैं।

महाकुंभ मेला, एक विश्व प्रसिद्ध धार्मिक आयोजन है, जिसमें लाखों तीर्थयात्री आते हैं। इस भीड़ के साथ, साइबर अपराधी भोले-भाले श्रद्धालुओं का शोषण करने का अवसर देखते हैं। शहर की पुलिस ने तीर्थयात्रियों को सलाह दी है कि वे बुकिंग प्लेटफॉर्म की अच्छी तरह जांच कर लें तथा आरक्षण के लिए केवल आधिकारिक वेबसाइटों पर ही भरोसा करें। अधिकारी नागरिकों से संदिग्ध वेबसाइटों या गतिविधियों की तुरंत रिपोर्ट करने का आग्रह कर रहे हैं, जिससे यह संदेश प्रबल हो रहा है कि सामूहिक सतर्कता ही ऐसी धोखाधड़ी को रोकने की कुंजी है। हैदराबाद के एक साइबर क्राइम अधिकारी ने बताया कि महाकुंभ मेले के नाम पर टेंट, होटल या कॉटेज बुकिंग से जुड़े साइबर अपराध के कई मामले सामने आए हैं। बुकिंग करवाने के लिए हमेशा सत्यापित स्रोतों पर ही भरोसा करें। प्रयागराज पुलिस ने पहले ही कई आपराधिक मामले दर्ज कर लिए हैं। हालांकि, अभी तक शहर की पुलिस को कोई शिकायत नहीं मिली है।

चीनी मांझे पर पूरी तरह से रोक लगाने की मांग

विक्रेताओं और डीलरों पर की जाए कार्रवाई

खम्मम, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति के मौसम में पतंग उड़ाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले चीनी मांझे से होने वाले खतरों के मद्देनजर पर्यावरणविद और आम लोग चाहते हैं कि पुलिस मांझे की अवैध बिक्री को रोकने के लिए विक्रेताओं और डीलरों पर पूरी तरह से कार्रवाई करे। चीनी मांझा (कांच से लिपटा सिंथेटिक नायलॉन का तीखा धागा) के इस्तेमाल पर प्रतिबंध के बावजूद, पतंग विक्रेता इसे खम्मम जिले में बेच रहे हैं। अतीत में इस मांझे के कारण लोगों की मौत की कई घटनाएं हुई हैं, क्योंकि इससे उनका गला कट गया है और पक्षियों की आबादी को भी बहुत नुकसान पहुंचा है।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले कोत्तागुडेम निवासी एक निजी कर्मचारी ए कृष्णा राव की गर्दन पर मांझा लगने से गंभीर चोट लग गई थी। चंद्रगोंडा मंडल के गुर्राईगुडेम में अपने माता-पिता को नववर्ष की बधाई देने के बाद मोटरसाइकिल से घर लौटते समय मांझा गर्दन में फंसने से उनकी श्वास नली आंशिक रूप से कट गई थी। घटना के बाद स्थानीय पुलिस ने स्थानीय बाजार में छापेमारी की, मांझा बेचने वाले कुछ व्यापारियों पर मामला दर्ज किया और 9,100 रुपये मूल्य के धागे के रोल और बॉबिन जब्त किए। बताया गया कि व्यापारियों के गोदामों में अभी भी लाखों रुपये का चीनी मांझा पड़ा हुआ है।

खम्मम के पुलिस आयुक्त सुनील दत्त और कोत्तागुडेम के पुलिस अधीक्षक बी रोहित राजू ने अलग-अलग बयानों में व्यापारियों को मांझा बेचने के खिलाफ चेतावनी दी और लोगों से चीनी मांझा का इस्तेमाल न करने को कहा। हालांकि, ऐसी शिकायतें हैं कि व्यापारी अभी भी चोरी-छिपे मांझा बेच रहे हैं। पर्यावरणविद राया वेंकटैया ने सुझाव दिया कि पुलिस को चीनी मांझे का पूरा स्टॉक जब्त कर लेना चाहिए ताकि व्यापारियों या डीलरों के पास कोई स्टॉक न बचे। उन्होंने कहा कि यह मनुष्यों और पक्षियों की सुरक्षा के लिए ज़रूरी है।

राज्य सरकार को चीनी मांझे पर उत्पादन स्तर पर ही अंकुश लगाना चाहिए, न कि बाजार में पहुंचने के बाद उसे जब्त करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मांझे का उत्पादन करने वालों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए और लोगों में चीनी मांझे के खतरों के बारे में जागरूकता पैदा करनी चाहिए। दूसरी ओर पतंग उड़ाने के शौकीन युवा चाहते हैं कि पुलिस यह सुनिश्चित करे कि चाइनीज मांझा बेचने वालों पर छापेमारी के बहाने संक्रांति के त्योहार का उत्साह कम न हो। बीरा रवि नामक युवक ने कहा कि पुलिस की छापेमारी के डर से पतंग की दुकानें बंद कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि पतंगों को सुरक्षित उड़ाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

नलगोंडा में सड़क दुर्घटना में 2 लोगों की मौत

नलगोंडा, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा जिले के थिप्पर्थी मंडल में शनिवार सुबह सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों में से एक की पहचान मिरयालागुडेम मंडल के दिलावर पुर गांव के गंदम श्रीनिवास (33) के रूप में हुई है।

वह नलगोंडा से मिरयालगुडेम जा रहे थे, तभी पीछे से एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। कार सड़क किनारे एक पेड़ से टकराकर रुक गई। भीषण टक्कर में श्रीनिवास बाइक से उछलकर गिर गए और उनकी तत्काल मौत हो गई, जबकि कार में सवार एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, MRS BHAGIRATHI spouse of RAVI L KAMANI resident of village, Marikatti, PO- vajjaramatti, tahsil mudhol, Dist-Bagalkot, have changed my name from MRS BHAGIRATHI to BHAGIRATHI KAMANI vide affidavit date 02/01/2025 before High Court Hyderabad T.G

WANTED

Wanted a Branch supervisor, Business executive and Assistant for Shree Baliram Road Carriers. Min 3-5years experience in Transport industry. Walk-in interview.

Ph: 9347231534

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

10 जनवरी को गोदावरी जल लाने के लिए रवाना होंगे मेसराम

केसलापुर गांव में मेले की तारीखें तय

100 मेसराम शुरू करेंगे 150 किमी लंबी कठिन यात्रा

आदिलाबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेसराम 10 जनवरी को नागोबा जतरा के भाग के रूप में, इंद्रवेल्ली मंडल के केसलापुर गांव में गोदावरी नदी से पवित्र जल लाने के लिए रवाना होंगे। नागोबा जतरा कबीले का 5 दिवसीय महत्वपूर्ण वार्षिक धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन है, जो 28 जनवरी को मनाया जाएगा। पीठ के प्रमुख वेंकट राव के नेतृत्व में कबीले के सदस्यों ने एक बैठक बुलाई और शुक्रवार को इंद्रवेल्ली मंडल के केसलापुर गांव में मेले की तारीखें तय कीं।

वेंकट राव के अनुसार, मेसराम ने शुक्रवार को केसलापुर गांव में बैलगाड़ी से कचूर प्रचार शुरू किया। वे शनिवार को सिरिकोंडा मंडल के राजमपेट गांव में मेले के दौरान विभिन्न अनुष्ठानों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले पवित्र बर्तन खरीदने का ऑर्डर देंगे। मेसराम रविवार को कोलाडी से सोयामगुडा पहुंचेंगे। वे 6 जनवरी को सोयागुडा से इंदरवेल्ली मंडल के गिन्नेरा के लिए रवाना होंगे, उसके बाद 7 जनवरी को उत्नूर मंडल के सालेगुडा पहुंचेंगे। वे 8 जनवरी को इंदरवेल्ली मंडल के वडगांव गांव में प्रवेश करेंगे और फिर 9 जनवरी को कबीले के बुजुर्गों के निवास पर रुकेंगे और गोदावरी नदी से पवित्र जल लाने के लिए यात्रा का मार्ग तय करेंगे।

10 जनवरी को मंचेरियल जिले के जन्नाराम मंडल में कलमदुगु गांव के पास हस्तनामदुगु नामक स्थान से पवित्र जल इकट्ठा करने के लिए लगभग 100 मेसराम 150 किलोमीटर लंबी कठिन यात्रा शुरू करेंगे। वे 27 जनवरी तक कई गांवों को कवर करते हुए इंद्रवेल्ली मंडल केंद्र में वापस आ जाएंगे। वे 28 जनवरी को नागोबा जतरा को शुरू करने के लिए महा पूजा करके नाग देवता का सम्मान करते हैं। नागोबा जातरा, पूस या पुष्य के महीने में मनाया जाता है, जिसमें महापूजा, भेटिंग, नई बहुओं का देवता से परिचय, पवित्र स्थान पर गांव का मेला या जातरा, प्रजा दरबार, शिकायत निवारण, बेताल पूजा आदि शामिल हैं।

कथित तौर पर बेताल देवता के कब्जे में आने के बाद आधा दर्जन राज गोंड बुजुर्ग हवा में कूद पड़ते हैं। वे देवता का प्रतिनिधित्व करने वाली बड़ी छड़ियों को घुमाकर अपनी युद्ध कौशल का प्रदर्शन करते हैं। मुलुगु जिले के मेडाराम में प्रसिद्ध द्विवार्षिक सम्मक्का-सरलाम्मा जतारा के बाद नागोबा जतारा न केवल तेलंगाना, बल्कि महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों से संबंधित जातीय जनजातियों की दूसरी सबसे बड़ी मंडली है।

मुख्यमंत्री ने राज्य सिंचाई विभाग के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने राज्य सिंचाई विभाग के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की। सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी और राज्य सरकार के सलाहकार (सिंचाई) आदित्यनाथ दास ने बैठक में भाग लिया। मुख्यमंत्री ने सिंचाई विंग को तेलंगाना राज्य में पोलावरम परियोजना के निर्माण के प्रभाव पर आईआईटी हैदराबाद की मदद से एक रिपोर्ट तैयार करने का आदेश दिया। अधिकारियों को एक महीने के भीतर एक व्यापक रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया है। आईआईटी हैदराबाद टीम के साथ समन्वय करने के लिए एक विशेष अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने प्रसिद्ध भद्राचलम मंदिर पर पोलावरम परियोजना के निर्माण के खतरे पर एक व्यापक अध्ययन करने का भी आदेश दिया। अधिकारियों ने सीएम को बताया कि 2022 में 27 लाख क्यूसेक पानी की बाढ़ के कारण भद्राचलम का मंदिर शहर जलमग्न हो गया है। सिंचाई अधिकारियों ने आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा गोदावरी बनकाचारला परियोजना के निर्माण के बारे में सीएम रेवंत रेड्डी के ध्यान में लाया। अधिकारियों ने सीएम को बताया कि आंध्र प्रदेश सरकार ने हाल ही में इस परियोजना पर एक पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन दिया था और बिना किसी अनुमति के बाढ़ के पानी का उपयोग करके इस परियोजना को आगे बढ़ाया जा रहा है। सीएम रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे परियोजना के खिलाफ आंध्र प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव के समक्ष तेलंगाना सरकार की आपत्तियां दर्ज कराएं। मुख्यमंत्री ने सिंचाई अधिकारियों से यह भी कहा कि वे तेलंगाना राज्य के हितों की रक्षा के लिए गोदावरी नदी प्रबंधन बोर्ड के साथ-साथ केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय को भी पत्र लिखें।

बाइक से गिरकर 32 वर्षीय कोयला खनिक की मौत

थेगलपहाड़, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार देर रात नासपुर मंडल केंद्र में राष्ट्रीय राजमार्ग 363 पर मोटरसाइकिल से गिरकर 32 वर्षीय एक कोयला खनिक की मौके पर ही मौत हो गई। नासपुर के सब-इंस्पेक्टर नेलकी सुगुनाकर ने बताया कि श्रीरामपुर क्षेत्र में आरके 6 भूमिगत खदान में काम करने वाले थेगलपहाड़ गांव के गडीकोप्पुला राजेश को रात करीब 11 बजे एनएच 363 पर एक मोड़ पर दोपहिया वाहन से नियंत्रण खोने के बाद गिरने से सिर में गंभीर चोट लगने के कारण बहुत अधिक रक्तस्राव हुआ, जिससे उसकी तत्काल मौत हो गई।

घटना के समय राजेश बेल्लमपल्ली में एक दोस्त से मिलने के बाद थेगलपहाड़ लौट रहे थे। राजेश के पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच जारी है।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

टी. जय सिंह
माता : टी पिंकी भा
पिता : टी. किशोर सिंह

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें, द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

सं.जी/सी/ई-नीलामी लीजिंग/2024 दि.03/01/2025 PUB/001-I

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए,वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, गुंटकल डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा अठारह वर्ष से अधिक आयुवर्ग के भारतीय नागरिकों के लिए तथा क्लोज्ड एण्ड ई-आक्शन पर, इण्डिया में पंजीकृत कंपनियों/फर्म्स के वास्ते https://www.ireps.gov.in के माध्यम से, ई-नीलामी आयोजित कर रहा है।

क्रम सं.	कैटलाग सं.-	श्रेणी	कैटलाग के स्थानों का विवरण
1	सीएटीजी-जीटीएल-2024-8	कैटरिंग या खानपान	पाकाला, गूटी-फोर्ट, मद्दनुर, गूटी, यादगिर, अनंतपूर, कृष्णा,कोण्डापुरम व कृष्णा
	नीलामी तिथि: 06-01-2025, नीलामी शुरू समय: 15.00 बजे		
2	पीआइकेएनजी-जीटीएल-24-35	पार्किंग	अनंतपूर-टीडब्ल्यू एवं गुंटकल-नार्मल
	नीलामी तिथि-07-01-2025, नीलामी शुरू समय: 14.00 बजे		
3	पीआरकेएनजी-जीटीएल-24-36	पार्किंग	येरगुंटला, अदोनी, तिरुचानूर व कडप्पा-प्रिमियम
	नीलामी तिथि: 16-01-2025, नीलामी शुरू समय:14.00 बजे		
4	पीएनयु-जीटीएलडी-25-01	पे एण्ड यूज टायलेट्स या शौचालय, वेटिंग हाल्स या प्रतीक्षालय व प्रिपेड एसी वेटिंग हाल्स, रिटायरिंग रूम्स का संचालन व रखरखाव	कोडुरु, येर्गुंटला, कडप्पा, मंत्रालयम रोड(क्लोकरूम या सामान कक्ष), तिरुचानूर व चित्तूर
	नीलामी तिथि: 16-01-2025, नीलामी शुरू समय: 14.00 बजे		

इच्छुक पार्टीज तथा ठेकेदारगण, कृपया इस बात पर ध्यान दें कि, ई-नीलामी प्रक्रिया से अवगत होने तथा इसमें भाग लेने के लिए, आयआरइपीएस साइट के होम पेज के बायीं ओर के नेविगेशन बार पर उपलब्ध-यूजर मैन्युएल द्वारा डाउनलोड किए हुए, "दि लर्निंग सेंटर(यूजर मैन्युएल्स) लिंक' पर जाएं। तत्संबंधित बोलीदातागण, अधिक जानकारी स्पष्टीकरण के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटकल स्थित कार्यालय पर संपर्क कर सकते हैं।

A0019 **वरिष्ठ विभागीय वाणिज्य प्रबंधक, गुंटकल**

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं.: eT-West-WAT-44-2024, दिनांक 30.12.2024

कार्य का नाम: ठेकेदार के निजी हाईड्रोलिक टाइप गेज फेस लुब्रिकेटर द्वारा पांच वर्षों की अवधि के लिए पूर्व तट रेलवे में वाल्टियर मंडल की केके-II लाइन पर वरिष्ठ मंडल अभियंता (WEST)/वाल्टियर के क्षेत्राधिकार के अधीन मालीगुडा (EX) से किरन्दुल (IN) स्टेशनों के बीच कर्वों के लुब्रिकेशन के साथ उसका रखरखाव।

विज्ञापित मूल्य: रु. 30,12,28,216.80, EMD: रु. 16,56,200.00. निविदा प्रपत्र की कीमत: रु. 11,800.00. कार्य समापन की अवधि: 60 (साठ) महीने।

निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 23.01.2025 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी गैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा।

ऊपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

ध्रष्टव्य: प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के क्रम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मंडल रेल प्रबंधक (Engg.), वाल्टियर

PR-855/P/24-25

पूर्वोत्तर रेलवे

Website www.ner.indianrailways.gov.in Email :- cos@ner.railnet.gov.in

निविदा सूचना संख्या 20 दिनांक 02.01.2025

ई प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निविदा आमंत्रण

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर - 273012 कृते भारत के राष्ट्रपति तथा उनकी ओर से ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री का पूर्ण विवरण तथा नियम एवं शर्तें वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रम सं०	निविदा संख्या	खुलने की तिथि	सामग्री का विवरण	आरक्षित श्रोत द्वारा
1	22241110	05/02/25	सेकेण्डरी लैटरल डैम्पर फार बोगी ईटीसी	RDSO
2	26245062B	27/01/25	गैन्यूफैक्चर एण्ड सप्लाई आफ प्री-स्ट्रैस्ड ईटीसी	RDSO
3	26247002	27/01/25	पीएसजी मेन लाइन स्लीपर (आर. टी 8746)	RDSO
4	26240665	22/01/25	पीवीसी फ्लोरिंग रोल 2x1850x14000 एमएम ईटीसी	------
5	22241425	18/01/25	ओवरहालिंग किट फार ब्रेक सिलिण्डर ईटीसी	------
6	22242048A	16/01/25	एअर स्प्रिंग असेम्बली कैपेसीटी 160 केएन ईटीसी	RDSO
7	30231221D	16/01/25	सील्ड मेन्टेनेन्स फ्री रेगुलेटेड ईटीसी	------

मुजाधि/एस – 82 **प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, गोरखपुर**

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

राम रसायन तुम्हरे पासा : हनुमान जी

अतुल कुमार

भारतीय अध्यात्म के सबसे ज़्यादा पूजे जाने वाले देवताओं में एक हनुमान जी हैं . उनको बलबीरा कहा गया अर्थात बलवान जितने बलवान उतने ही बुद्धिमान और प्रेरणाशील जो हर संकट का निवारण कर सकते हैं इसलिये संकट मोचक कहे जाते हैं .उनके सुमिरन से सारे रोग शोक और कष्ट मिट जाते हैं . जिन पर उनकी कृपा होती है उसका कोई बाल बांका भी नहीं कर सकता .दस दिशाओं और चारों युग में उनका प्रताप है . इस कलयुग में उनको सबसे ज़्यादा जाग्रत और साक्षात माना गया पौराणिक प्रसंगानुसार जब माता सीता ने उनको भेंट स्वरूप मोती का हार दिया तो उन्होंने यह कहते हुए विनम्रता से अस्वीकार कर दिया कि राम नाम के बिना वह कुछ भी स्वीकार नही करते . अपनी बात को साबित करने के लिये अपना सीना चीर कर दिखाया जिसमें प्रभु राम और सीता माता की छवि दिखायी दी .जिसे देख माता सीता स्तब्ध रह गयीं और कहा प्रभु राम के आप अनन्य भक्त हो जिसने सिद्ध किया कि राम से बडा राम का नाम है .

इस सृष्टि में ईश्वर के बाद यदि कोई शक्ति है तो वह हनुमान जी हैं . सारी शक्तियों के होने के बाद भी प्रभु के प्रति पूर्ण समर्पित हैं . चरम समर्पण के उदाहरण को देखिये वाल्मीकि रामायण के पहले ही चट्टान पर अपने नाखूनों से रामायण लिखी जो " हनुमद रामायण " के रूप में प्रसिद्ध है . जिसे समुद्र को अर्पित किया .हनुमान जी की राम कथा समग्र की कथा है क्यों कि उन्हें रामकथा माता अंजना ने बडे मनोयोग से सुनायी जिसमे उनको दीन दुखियों की सहायता करने का उपदेश दिया . अतः हनुमान जी के पास जो भी भक्त सच्ची आस्था से जाता है वह उसके दुखों का समाधान करने के लिये तत्पर रहते हैं .

रावण के भाई भक्त विभीषण की भी सहायता की और उनको भगवान श्रीराम के शरण में जाने का मंत्र दिया

विद्वानो के अनुसार इस कलयुग में जाग्रत देवता संकट मोचन कृपानिधान हनुमान जी हैं . यह प्रमाणित भी है श्री हनुमान चालीसा में इसका उल्लेख है " राम रसायन तुम्हरे पासा / सदा रहो रघुपति के दासा // अर्थात हे हनुमान जी रसायन स्वरूप श्री रामनाम आपके पास ही है आप सदा ही रघुनंदन के दास और भक्त रहेंगे यह वरदान माता जानकी ने महावीर हनुमान जी को अशोक वाटिका में दिया जब उनको खोजते हुए वह अशोक वाटिका में पहुंचे थे . इस खोज के लिये प्रभु श्रीराम ने उनका चिरकाल ऋणी होना स्वीकारा और जब भाई लक्ष्मण के लिये वह संजीवनी बूटी ले कर आये तो हनुमान जी को हृदय में बसा लिया . उनके द्वारा लायी गयी संजीवनी बूटी से वैद्य सुषेण ने अपने उपचार से लक्ष्मण जी को स्वस्थ्य कर दिया लक्ष्मण के स्वस्थ होने पर वैद्य जी ने श्री रघुनाथ जी के चरणों में प्रणाम निवेदित किया दयानिधान श्रीराम ने उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कुछ मांगने को कहा जिसे सुन वैद्य सुषेण के नेत्रों से प्रेमाश्रु बहने लगे और कहा प्रभु आप सर्वेसर्वा हैं मुझे अपनी भक्ति प्रदान करें जिसे सुन भक्तवत्सल ने सहर्ष प्रदान किया. इसको पा वैद्य जी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा प्रभु मेरी औषधि देह का उपचार कर सकती है लेकिन आपकी भक्ति जन्म जन्मांतर तक कल्याण कर सकती है .

हनुमान जी समस्त वेदों और व्याकरण के ज्ञाता हैं . लेकिन बहुत सरल भाषा और वाणी में प्रभु की वंदना की जो उनकी सरलता को दर्शाता है गुणों के सभी लक्ष्ण – विनय ,सहिष्णुता , कृतज्ञता , और सरलता उनमें विद्यमान है गोस्वामी तुलसीदास ने श्री रामचरित मानस और हनुमान चालीसा की रचना जन

जागरण के लिये की आज ज्ञान और अध्ययन की अधिक ज़रूरत है ताकि व्यक्ति विनयी ,सरल , सहृदयी और कृतज्ञ बने अन्यथा उस ज्ञान का कोई अर्थ नहीं तुलसीदास ने " विद्यावान गुनी अति चातुर " लिख केवल हनुमान जी की प्रार्थना नहीं की बल्कि यह संदेश भी दिया कि हनुमान जी की तरह विनयी ,सरल ,सहज , प्रभु के शरणागत हों . रावण ने लंका की सुरक्षा के लिये हर प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था की थी जिसका भेदन कुशल बुद्धिवान और बलवान द्वारा ही संभव था इस रामकाज में उन्होंने विभिन्न रूप धारण किये जैसे लघु रूप ,साधारण रूप , विशाल रूप , और विकट (भयंकर रूप) इत्यादि . लेकिन सारे प्रयास निष्प्रभावी सिद्ध हुए इस पर रावण ने उनकी पूंछ में आग लगाने का आदेश दिया इसी क्रम में उनकी पूंछ में ज्वलनशील वस्तुएं लपेटी जाने लगीं तब उन्होंने पूंछ को इतना लंबा आकार दिया कि सारे सैनिक थक गये तुलसीदास ने लिखा कि पूंछ में लपेटने के लिये नगर में सारे वस्त्र , घृत ,और तेल आदि वस्तुएं खत्म हो गयीं . लिखा कि " रहा न नगर वसन घृत तेल / बाढी पूंछ कीन्ह कपि खेला // पूंछ में आग लगते ही हनुमान जी ने लघु रूप धारण कर सोने की अटारियों पर जा चढे फिर विशाल देह धारण कर (अशोक वाटिका जहां माता सीता हैं और भक्त विभीषण के घर को छोड) लंका को जला दिया. लंका के जलने के बाद समुद्र में कूद पडे पूंछ की आग को बुझा , थकावट दूर कर माता सीता के सामने हाथ जोड कर खडे हो गये .उनकी भक्ति को देख माता सीता ने कहा वास्तव में आप राम भक्त बजरंग बली हो . बजरंग का अर्थ केसरी और बली का मतलब शक्तिशाली होता है .

राम दरबार की झांकी में हनुमान जी श्रीराम के चरणों में बैठे दिखाये जाते हैं .यह उनके सेवक के रूप में दर्शाता है लेकिन श्रीराम ने उनको पहली भेंट में ही गले लगाया तब वह उनके चरणों में गिर पडे तब भी प्रभु राम ने उनको हृदय से लगाया .

प्रभु राम द्वारा कंठ से लगाने का विशेष महत्व है . तुलसीदास ने लिखा इस पावन चरित्र के श्रवण मनन से भक्तों का हृदय पावन होता है .

असाध्य रोगों का निदान करते समय जब डाक्टर निराश हो जाते हैं तब रोगी को ईश्वर का स्मरण करने की सलाह देते हैं .

इस पर गोस्वामी जी ने लिखा " नासे रोग हरै सब पीरा / जपत निरंतर हनुमत बीरा //

भयंकर रोगों का निदान हनुमान जी की कृपा से संभव है इस पर गोस्वामी जी ने अपना स्वयं का अनुभव लिखा कि बाहुओं में व्यात व्याधि के कारण असह्य पीडा हुई फोडे फुंसियों के कारण सारा शरीर वेदना का स्थान बन गया .औषध यंत्र मंत्र त्रोटक आदि कई उपाय किये लेकिन रोग़ कम होने के बजाये बढता गया असहनीय पीडा से हताश हो उसकी निवृत्ति के लिये संकट हरण हनुमान जी की आराधना की .अंजनी कुमार की कृपा से उनकी सारी वेदना खत्म हुई जिस पर उन्होंने " हनुमान बाहुक " नामक पुस्तक लिखी जो रोग शोक और संकटों को हरने वाली कृति के रूप में विख्यात है .

हनुमान जी के अनंत रूप हैं तुलसीदास ने लिखा कि आपका हर रूप स्वरूप लोक मंगल के लिये है उनसे प्रार्थना स्वरूप तुलसी ने कहा आप राम लक्ष्मण जानकी जी सहित मेरे हृदय में निवास करें इसी स्तुति में लिखा

" पवनतनय संकट हरन मंगल मूरति रूप / राम लखन सीता सहित हृदय बसहु सूरभूप //

तुलसी जान चुके थे कि जहां मारुति नंदन होंगे वहां किसी का कोई अहित नहीं हो सकता . इसके लिये जन मानस को भी प्रेरित किया जिससे कि उनका कल्याण हो सके .

हनुमान जी के सहस्त्र नाम हैं . सभी नामों का अपना महत्व है लेकिन तुलसी के अनुसार पवन तनय और संकट हरन विशेष आकर्षक हैं . हनुमान जी में सारे गुण , बुद्धि और असीमित बल है अतः गोस्वामी जी ने लिखा "राम रसायन तुम्हरे पासा।

काव्य कुंज

नव वर्ष

कुमुद बाला, हैदराबाद

नव वर्ष आया - नव वर्ष आया
आम के मंजर पर बैठी
कोयल ने जब है तान सुनाई
नव वर्ष की नव वधु
दरवज्जे से सकुचाती बाहर आई
दूर तलक फैली ज्योंहि
आँचल में छोटे बच्चे की मुस्कान
दो हज़ार पच्चीस के आगमन की तुरंत सूचना आई
आ गया नव वर्ष साथ अपने वह उम्मीद का पंछी लाया
माला विपदा की झटक खुशी से फिर उसने बिगुल बजाया
नव वर्ष आया - नव वर्ष आया
मनोरम झरने की उन्मुक्त हँसी संग दुल्हन बन बैठी बहार
उड़ रही मीठी शबनम सी धीमे - धीमे रेशमी फुहार
रंगबिरंगे पत्ते जब बिखरे बर्फीले घूँघट ओढ़ी चिनार
सर्द बर्फीली वादियों में थी छेड़ी घटाओं ने मल्हार
गुपचुप जुगनू की पंक्तियों ने जब सुमनों संग रास रचाया
आ गया नव वर्ष साथ अपने वह उम्मीद का पंछी लाया
दुख के बादल छंट जायें फिर खुशी की धूप देगी दस्तक
आँखियों की दो बूँदें गुपचुप लिख जायेंगी सावनी मुक्तक
कोविड की विषवल्लरियों को भू से करना पड़ेगा रुखसत
नीले आसमान की थाली में तब निरखेगा चंदन - अक्षत
न मनुष्यता भस्म हो चक्रव्यूह में दुआओं का मौसम आया
आ गया नव वर्ष साथ अपने वह उम्मीद का पंछी लाया
बिखरे रिश्तों को मधुर बनाकर हार एक हम घर में सजाएँ
मर्यादा को विकसित कर हमसब नारी को सम्मान दिलाएँ
हम पेड़ लगायें जीव - जन्तुओं को प्रेम से अपना बनाएँ
जग में मानव - मानव के दिल में हम प्रेम के दीप जलाएँ
जो बीत गया उसे याद रखें नव वर्ष ने ये समझाया
आ गया नव वर्ष साथ अपने वह उम्मीद का पंछी लाया
नव वर्ष आया - नव वर्ष आया।।

नया कब तक नया

गीता अग्रवाल हैदराबाद

पुराने की विदाई,
नई की शुरुआत।
नई से हो रही जोशीली मुलाकात।।
नया आए तो पुराना जाए
समय को कोई कहाँ रोक पाए,
पुराने की आँखों में आंसू भरे थे
छोड़ के सब नए को बढ़े थे,
आँसू पौंछे फिर हँसा पुराना
कल जाएगा,इसका भी जमाना,
कुछ दिन नया है, फिर होगा पुराना
मैं भी नया था, आज हो गया पुराना,
जब नया दुख का जाम पिलाये
फिर तो पुराना ही याद आये,
लौट के जाए वापस न आए
यादों का सिलसिला ही रह जाए,
नए में पुराने की हो रही बात।
पुराने की विदाई, नई की शुरुआत।
नई से हो रही जोशीली मुलाकात।।
नया पुराना कुछ भी नहीं है
नये से बस आशा बंधी है,
आने वाला बेहतर ही होगा
यह सोच नये का स्वागत ही होगा,
आशा से नया वर्ष,नया दिन सजेगा
आगे की खुशी को, नया वर्ष मनेगा,
दो-चार दिन की होगी नई रात
फिर शुरू होगी तानों वाली रात,
पिछले को रोए,आगे को खोये
कुछ अच्छा , कुछ गलत बोये,
नए में भी आते रहे, पुराने के ख्याल
दिन रात चलते-चलते बीत जाए साल,
नया हो पुराना, सजे नई बारात।
पुराने की विदाई, नई की शुरुआत।।

उल्लासित नववर्ष

दर्शन सिंह हैदराबाद

हर्ष से उल्लासित हो नववर्ष
ज्योति से आलोकित हो नववर्ष
कांति से आह्लादित हो नववर्ष
अभ्युदय से विभूषित हो नववर्ष
आशा व विश्वास से सिंचित करे नववर्ष
उत्कर्ष व उन्नयन से अमोदित करे नववर्ष
ऐश्वर्य व वैभव से सुगंधित करे नववर्ष
ऊषा व आलोक से अनुग्रहित करे नववर्ष
विषाद को आह्लाद में परिवर्तित करे नववर्ष
अवसान को उन्नयन में परिवर्तित करे नववर्ष
तमोस्त को अरुणोदय में परिवर्तित करे नववर्ष
धरा को विस्मयताओं से विस्मित करे नववर्ष
आत्मवत सर्वभूतेषु को पुलकित करे नववर्ष
जियो व जीने दो को पल्लवित करे नववर्ष
सर्वेभवन्तु सुखिनः को पुष्पित करे नववर्ष
वसुधैव कुटुम्बकम को सुवासित करे नववर्ष ।।

"सबक"

हेमंत सुराना, उदयपुर

जिंदगी बहुत सबक सिखाती,
सच झूठ में अंतर दिखाती
अच्छाई बुराई में फर्क सिखाती,
अपने पराए में अंतर सिखाती
उम्र लंबी हो या छोटी,
जिंदगी सबक रोज सिखलाती
आईना सबको हैं दिखलाती,
ठोकरे भी सबक सिखाती
वक्त ने भी सिखाया सबक,
बदलते रहने का सबक
मुश्किलें भी सिखाती रही,
और सबक नये मिलते रहे
अच्छे हैं तो साथ देंगे ,
बुरे होंगे तो सबक देंगे
हर दुःख एक सबक देता,
सबक इंसान को बदल देता
कुछ रास्ते सब्र के,
और कुछ है सबक के
गलती बेशक भूल जाओ,
सबक हमेशा याद रखो,
सबक हमेशा याद रखो ।

बेक़रारी में है करार

डॉ शोभा भंडारी हैदराबाद

बड़ी ही असरदार है बेक़रारी,
इसमें छिपि है एक बड़ी सी अदाकारी,
हमेशा बदहवास नहीं होती ये,
और हमेशा बेचैनी भी नहीं देती ये।
घबराहट और बेकली से परे,
अनोखी है इसकी कलाकारी।
किसी अपने के आगमन की बेक़रारी,
भर देती है दिल में सुकून और खुमारी,
परदेसी प्रीतम से मिलन की बेक़रारी,
देती प्रेयसी को एक आस प्यारी।
सीमा से लौट रहे सफल प्रहरी की इंतजारी,
देती जीवनसंगिनि को मीठी सी बेक़रारी,
बरसों से बिछड़े बचपन के साथी को,
देती तस्कीन और तसल्ली ये बेक़रारी।
इम्तिहान के बाद नतीजे की बेक़रारी,
होती कौतूहल व इंतजार से और प्यारी।।
सच में बेक़रारी में है करार इतना,
सागर की गहराई और अंबर की ऊँचाई जितना,
होता कभी-कभी व्याकुलता में भी,
इत्मीनान और करार जितना।।।

गूंजती रही पुकार मेरी

संजीव ठाकुर, रायपुर

गूंजती रही हवा में पुकार मेरी
सदैव करती रही मनुहार तेरी,
मधुर मधुर गीत मेरे तुम्हें सुनाती,
गीतों की पुकार हमेशा तुम्हें लुभाती।
स्पर्श उनके अति मधुर मधुर
मुस्कान दे गए मुझे मधुर मधुर।
आशु पी गए मेरे, अधरों से अपने
मुस्कुराहट दे गए अधरों पर मेरे।
वीणा की तरह लहराती पुकार मेरी
दौड़े चले आए सुनकर मनुहार मेरी।
अंधकार में छोड़ प्रभु तुम कहां गए
गूंजती पुकार मेरी प्रभु तुम कहां गए।
अंबर में सभी दिशाओं में, हवाओं में
लौट आओ प्रभु, विरह की पुकार में।
तुम ना आओगे जग सुना होगा मेरा
अनंत काल इंतजार करता मन मेरा।
गूंजती रही हवा में पुकार मेरी
करती रही सदा मनुहार तेरी ।

नवोदय

डॉ टी महादेव राव

नव विहग बन नवाकाश
में नए नए पंख फैलाएँ
नव मन नवोत्साह संग
नवोदय का जश्न मनाएँ
भुलाएँ सारी कटुताएं
मनाएँ हम वर्ष नया
छोडें दुख-दर्द स्वागत है तुम्हारा हर्ष नया
सींचें आशाओं के पौधे हम सब मिलजुल के
तभी सभी के जीवन में आएगा उत्कर्ष नया
आती नव किरणों संग नभ में नवोल्लास फैलाएं
नव दिवस पर हम मन में भर लें उमंग नया
आगे बढ़कर अवरोधों से रचे सफल प्रसंग नया
कंटक सी बातें त्याग हम प्रेम की भाषा अपनाएं
जीवन सागर में उछाल है आने दें तरंग नया
यात्रामय जीवन में नवल प्रसन्नता के पग फैलाएं
नवपथ पर बढ़ते रहने की हम में हो चाह नई
न देखें मुड़ छूटे पथ को अपनायें हम राह नई
हार बैठना कायरता है बढ़ो धीर बनें संघर्ष करें
नई सफलता नए जोश संग पाएंगे वाह-वाह नई
आज फिर हम खुद से अपना उत्साही मंत्र दोहराएं
हार छोड़कर सुकर्म करेंगे पायेंगे हम जीत नई
नफरत को त्यागें – देखें जाग उठेगी प्रीत नई
भाईचारा और अहिंसा हमें प्रेम के पाठ हैं सिखाते
शपथ लें कर्मठ नागरिक बन चलाएंगे रीत नई
हिंसा मिटाने दृढ़ निश्चय लेकर शांति कपोत पाले जाएँ।।

2025 का स्वागत करें

संजय एम. तराणेकर, इंदौर

घड़ी की सुइयों का मिलन होने दो,
इस रात को बारह बजे पहुँचने दो।
हमने क्या? है खोया क्या? पाया,
अब भूल भी जाओ उस बात को!
आओ आज 2025 स्वागत करें।
घड़ी की सुइयों का मिलन होने दो,
इस रात को बारह बजे पहुँचने दो।
हाँ, कुछ ख्वाब अधूरे रह गए होंगे,
हमसे कुछ अपने बिछड़ गए होंगे!
सभी उन्हें हमेशा संजोए ही रखेंगे।
घड़ी की सुइयों का मिलन होने दो,
इस रात को बारह बजे पहुँचने दो।
हर याद, हर अनुभव हमें दिया हैं,
हर बार तोहफा देने वादा किया है!
सबने एक सुकून का पल जिया है।
घड़ी की सुइयों का मिलन होने दो,
इस रात को बारह बजे पहुँचने दो।
नया साल हैं एक खाली कैनवास,
इसे रंग-बिरंगी उम्मीदों से भर दो!
अब तीन सौ पैसठ भी पूरे कर दो।
घड़ी की सुइयों का मिलन होने दो,
इस रात को बारह बजे पहुँचने दो।
हम सभी खास हैं इस धरा सृष्टी के,
नहीं होंगे पथ भ्रष्ट इस नई दृष्टी के!
आसमाँ पे लिखें नववर्ष के वृष्टी के।

साल दर साल

रेणुका अग्रवाल हैदराबाद

भूल गए साल की गई कहानी।
लिख नए साल की नई कहानी।
वक्त नया पुराना हो जाता है,
सोच बदली तो बनी कई कहानी।
क्या नया क्या पुराना।
उम्र बदली तो ये जाना।
स्थाई कुछ रहता नहीं,
धीरे धीरे यही सच जाना।
इतिहास बदल जाता है।
समय ही छल जाता है।
इस फेर बदल से ही तो,
मानव को जीना भाता है।
पहले दिन की खुशी मनाते।
बाद में सब भूल ही जाते।
इंसान की नियत पर से ,
रात और दिन बदल जाते।
पीते पिलाते नाचते गाते।
हंसते गाते होश भी खोते।
मौज मस्ती एक दिन की,
फिर जिंदगी में खो ही जाते।

नव वर्ष की नवीन ख्वाहिशें

डॉ.प्रतिमा सिंह हैदराबाद

गया दिसंबर आया जनवरी
कुछ बीत गया कुछ बाकी है
उलझी उलझी सी कई
कड़ियां कुछ सुलझ गईं
कुछ बाकी है ।
जीवन के पथ पर कई
मिले कुछ साथ चले कुछ छूट गए
वक्त के चौराहे पर
रास्ते कुछ के बदल गए,
कुछ नए मुसाफिर साथ मिले कुछ प्रिय पुराने छूट गए ।
उलझी -उलझी सी कई कड़ियाँ,
कुछ सुलझ गई कुछ बाकी है ।
याद करें उन महापुरुषों को जो चले गए
पर छोड़ गये अपनी यादें।
कीर्तियाँ उनके सुकर्मों की आगे ले जाना बाकी है।
जब आए हैं इस रंग मंच पर कुछ खेल तमाशा कर जाएं,
कुछ उनके पदचिह्नों पर चलें,
कुछ खुद के निशान बनाना बाकी है।
जो बीत गया वो बीत गया जो कल था ,आज ना आएगा,
जो लहरें आकर चली गईं और फिर ना वापस आएंगी,
बेकार है बिसुरना बीती बातों पर आगे की राह तो बाकी है ।
यह भूल न जाना तुम राही,
लंबा सफर अभी बाकी है ।
हो कि दिसंबर या जनवरी पहचान बनाना बाकी है ।
दिन महीनों का क्या है राही वह तो निकलते जाएंगे,
उन लम्हों के संग- संग तुमको अभी कदम मिलाना बाकी है।
अगर करना है जीवन में कुछ तो चलना होगा नियमों में बंधकर,
सूरज के निकलने ढलने तक कुछ नियम बने कुछ बाकी है।
इक्कतीस और एक के बीच में लंबा सफर अभी बाकी है,
तय कर लो मुसाफिर लक्ष्य अपना अभी दूर जाना बाकी है ।
उलझी उलझी सी कुछ कड़ियां कुछ सुलझ गई कुछ बाकी है।

पैग़ाम-ए-नूतन वर्ष

डॉ. चक्रपाल सिंह हैदराबाद

मंगलमय नव वर्ष में
सुख-शांति का झरना बहे
सपने हों सभी साकार
यश-कीर्ति फैले चारों दिशा में
तक़दीर आप पर हो निसार
चुनौतियों पर हावी रहें
नई उमंग, नए विचार
सफलता के विराट आसमान पर
सूरज बन बिखेरें प्रकाश
मोहब्बत ही मोहब्बत हो
हर दिल-ए-दुनिया में
नाफ़रतों का नहीं हो नामोनिशान
फूले-फले और महके
ख़्वाबों की बगिया
नूतन वर्ष हो इतना खुशहाल ।

सखी ये कैसा नया साल है?

पूजा महेश हैदराबाद

सखी ये कैसा नया साल है
मद मस्त हो कर आदमी
करता बवाल है
सहमी सहमी सी हवाऐं
ठिठुरी ठिठुरी सी फिजाएं
सिकुड़ा सिकुड़ा हर आदमी
पशु पक्षी भी बेहाल है
सखि ये कैसा नया साल है
नया तो तब होता है, जब कुछ नया होता है
जब चांद तारों की, दिशा बदलती है
कुदरत की रंगत और दशा बदलती है
वृक्षों पर नव पल्लव और फसल बदलती है
मौसम का मिजाज और फसल बदलती है
हर नजारा जब
दिखता खुशहाल हैं
सखि तब आता नया साल है
सखि ये कैसा नया साल है?

अवसादों से घिरा हृदय हो

मन मस्तिक सब कलुषित हो
तो ऐसे में सामूहिक आयोजन का
रह जाता कोई मूल्य नहीं।।
अनुशासन जब लगड़ा हो
विनय भाव अति बिखरा हो
मर्यादा दूषित अवरोधों में हो
तो ऐसे में सामूहिक आयोजन का
रह जाता कोई मूल्य नहीं।।
मंद बुद्धि जब संचालक हो
पोषित स्व स्वार्थ जहां परि चालक हो
स्वांग सभा जब आयामित हो
तो ऐसे सामूहिक आयोजन का
रह जाता कोई मूल्य नहीं।।
विवेकशुन्य जब कर्ण धार हो
प्रबल प्रलाप झूठ का हो
अवसर ही जब निज लाभों का हो
तो ऐसे सामूहिक आयोजन का
रह जाता कोई मूल्य नहीं।।
लक्ष्य जहां स्वपोषित हो
सामूहिकता का दोहन हो
दूषित जब आयोजक हो
तो ऐसे सामूहिक आयोजन का
रह जाता कोई मूल्य नहीं।।
समता जहा विषमता हो
चिन्हित चेहरे संयोजित हो
तो ऐसे में सामूहिक आयोजन का
रह जाता कोई मूल्य नहीं
रह जाता कोई मूल्य नहीं।।

पी एन त्रिपाठी

नया साल आया है

जे गंगाधर 'गंध' हैदराबाद

चलो चलें चलो आगे बढ़ो,
चलोरे भै चले चलो देखो जानो,
अंग्रेजी का नया साल आया है।
गया दिसंबर,
जनवरी लो आया है,
दोहजार चौबीस गया
पच्चीस आया है,
इकतीस गई भै
जनवरी एक आया है,
हाँ, हाँ अंग्रेजी का नया साल आया है।।
नए नवीन उपलब्धियां लेकर उभरा है,
नए वादें इरादें उम्मीद कई ले आया है,
ठिठुरती ठण्ड अकड़ जाती काया है,
हाँ, हाँ अंग्रेजी का नया साल आया है।
नशे में धुत झूम उठे दुनिया में माया है,
इकत्तीस खूब खा-पीकर मस्त सोया है,
एक को नेक बन शुभेच्छा कहा जाता है,
हाँ, हाँ अंग्रेजी का नया साल आया है।
पुराने क्यालेन्डर दैनंदनी निकाल दिया है,
पुराने दिवारों पर नए क्यालेन्डर लटकाया है,
घर-घर आँगनों में रंगोली से सजाया गया है,
हाँ, हाँ अंग्रेजी का नया साल आया है।
ईसाई शांत गिरजाघर में प्रार्थना करते है,
इस्लामिक अपने काम से मतलब रखते है,
हिन्दू मूर्ख मौज मस्ती भक्ति कर इठलाते है,
चलो मनायें अंग्रेजी का नया साल आया है।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निज़ामाबाद, विशाखापट्टणम

रेत पर बसा सबसे बड़ा डिजिटल कुंभ

एआई, चैटबॉट से होगी श्रद्धालुओं की हेल्प फेस रिकग्निशन कैमरे से पकड़े जाएंगे आतंकी

प्रयागराज महाकुंभ में इस बार हम डेटा और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर ज्यादा से ज्यादा लोगों को कुंभ में आने के लिए आमंत्रित करेंगे। हम पहली बार एआई और चैटबॉट तकनीक का इस्तेमाल करने जा रहे हैं। यह भारतीय भाषाओं में संवाद करने में सक्षम है। यह बात पीएम नरेंद्र मोदी ने प्रयागराज में कही थी। 2019 का अर्द्ध कुंभ केंद्र और प्रदेश की बीजेपी सरकार के लिए पहला था। तब सरकार ने दिव्य और भव्य कुंभ का स्लोगन दिया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने इसे एक स्टेप और आगे ले जाते हुए डिजिटल कुंभ कहा है। संगम की रेती पर पहली बार बसने जा रहा है 'डिजिटल कुंभ मेला।' प्रधानमंत्री ने अपने पूरे भाषण में कई बार इशारा भी किया कि इस बार कुंभ में टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर श्रद्धालुओं की लाइफ को आसान किया जाएगा।

40 वर्ग किलोमीटर में कैसा होगा यह डिजिटल कुंभ और इसमें क्या होगा खास? तो बता दें कि मेला क्षेत्र में जगह-जगह बड़े-बड़े होर्डिंग लगे हैं। इन पर प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी की फोटो के साथ ही दिव्य, भव्य और डिजिटल कुंभ का स्लोगन लिखा है। हर होर्डिंग के नीचे क्यूआर कोड भी लगे हैं। जिन्हें स्कैन करते ही श्रद्धालु कुंभ के वर्चुअल संसार में पहुंच जाएंगे। उन्हें कुंभ से जुड़ी छोटी-बड़ी सभी जानकारी मिल जाएगी। कुंभ मेले में लगे होर्डिंग पर 4 अलग-अलग तरह के QR कोड लगे हैं। इन्हें स्कैन कर देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु अपने स्मार्टफोन पर कुंभ का वर्चुअल टूर कर सकते हैं।

आखिर क्या है यह डिजिटल कुंभ और कैसे होगा इसका पूरा सेटअप? यह समझने के लिए सबसे पहले कुंभ मेला क्षेत्र में बने कंट्रोल रूम चलते हैं। यहां लगे 100 से ज्यादा कंप्यूटर और स्क्रीन पर मेला क्षेत्र की चप्पे-चप्पे की तस्वीर और लाइव वीडियो की 24 घंटे मॉनिटरिंग हो रही है। कंट्रोल रूम में मेला क्षेत्र के एसएसपी राजेश द्विवेदी मिले। उन्होंने बताया, 'कोई हार्डकोर क्रिमिनल, आतंकी या अपराधी अगर मेला क्षेत्र में आता है, तो पकड़ा जाएगा। इसकी मॉनिटरिंग फेस रिकग्निशन (FR) कैमरे से की जा रही है। कुछ ही सेकेंड में उससे जुड़ा डेटा एआई से पुलिस कंट्रोल रूम में मौजूद डेटा बेस से मैच हो जाएगा और उसके फेस पर रेड-फ्लैग लग जाएगा। इसके बाद वह जहां-जहां जाएगा, सभी कैमरे उसे लगातार मॉनिटर करेंगे। यह अलर्ट कंट्रोल रूम के साथ मेले में मौजूद सभी पुलिसकर्मियों के फोन पर भी जाएगा और संदिग्ध गिरफ्त में होगा।

क्राउड मैनेजमेंट के लिए भी 328 AI कैमरे लगाए गए हैं। इनके जरिए मेला क्षेत्र में आने वाली भीड़ को नियंत्रित किया जा सकेगा। महाकुंभ- 2025 में 40 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। ये AI कैमरे लगातार हेड काउंट कर कंट्रोल रूम को अलर्ट करते रहेंगे। एसएसपी बताते हैं कि इस तरह के कैमरों में प्रति मीटर हेड काउंट करने की कैपेसिटी है। जैसे ही किसी एरिया में कैपेसिटी से ज्यादा भीड़ बढ़ेगी, कैमरे के अलर्ट के बाद उस एरिया में जाने वाला मूवमेंट रोक कर भीड़ को डायवर्ट कर दिया जाएगा। इस तरह के कैमरे पार्किंग स्पेस, नहान घाट, मेला प्रशासन और संगम तक पहुंचने वाले रास्तों पर लगाए गए हैं। पहली बार है, जब ट्रैफिक मैनेजमेंट करने के लिए मेला क्षेत्र में बने सभी पार्किंग स्थल पर AI कैमरे लगाए गए हैं। राजेश द्विवेदी बताते हैं, 'पहली

बार AI कैमरे के माध्यम से हम पार्किंग मैनेजमेंट करने जा रहे हैं। इससे जब एक पार्किंग में गाड़ियों की संख्या पूरी हो जाएगी तो अपने आप ही उसका इंडिकेशन हमारे कंट्रोल रूम में पहुंचेगा। उसके बाद अन्य गाड़ियों को दूसरे पार्किंग में भेज दिया जाएगा।

महाकुंभ में एंटी ड्रोन तैनात किया गया है। बिना इजाजत मेले में कोई ड्रोन नहीं उड़ सकेगा। एसएसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि महाकुंभ क्षेत्र में एंटी ड्रोन सिस्टम एक्टिव कर दिया गया है। पहले दिन ही काम करते हुए बेहद हाईटेक एंटी ड्रोन ने बिना अनुमति हवा में फर्राटा भर रहे दो ड्रोन को डिएक्टिव कर दिया।

महाकुंभ में करीब 10 करोड़ लोगों के ट्रेन से आने का अनुमान है। ऐसे में पहली बार स्टेशनों पर सीसीटीवी और FR (फेस रिकग्निशन) कैमरे लगाए जा रहे हैं। महाकुंभ के दौरान रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा के लिए करीब 650 सीसीटीवी के साथ पहली बार 100 एफआर कैमरे भी लगाए जा रहे हैं। प्रयागराज शहर में आने वाले सभी 9 रेलवे स्टेशनों के आने-जाने के मार्गों, आश्रय स्थल, प्लेटफार्म को भी कैमरों की नजर में रखा जाएगा।

एसपी रेलवे अभिषेक यादव बताते हैं कि ये कैमरे आसानी से संदिग्धों को हजारों की भीड़ में पहचान लेते हैं। जिससे भीड़ में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों या भगदड़ जैसी स्थिति बनने से पहले काबू किया जा सकता है। 2013 के कुंभ में स्टेशन पर अचानक बढ़ी भीड़ की वजह से इलाहाबाद रेलवे स्टेशन पर भगदड़ के बाद 42 लोगों की मौत हो गई थी। 45 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। यही वजह है, रेलवे पूरी तरह से टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर क्राउड मैनेजमेंट करेगा।

रोबोट से आग बुझाएगा फायर ब्रिगेड

फायर ब्रिगेड डिपार्टमेंट भी इस बार मेले को सुरक्षित बनाने के लिए हाईटेक उपायों पर काम कर रहा है। डिपार्टमेंट ने महाकुंभ को जीरो फायर इंसिडेंट बनाने के लिए 4 एटीवी और फायर रोबोट का इस्तेमाल शुरू किया है। 4 एटीवी रेतीले या कीचड़ वाले क्षेत्रों में जाकर आसानी से आग बुझा सकते हैं। इसके अलावा 80 फायर क्विक रिस्पॉन्स व्हीकल लगाए जाएंगे। ऊंचाई पर आग को बुझाने के लिए आर्टिकुलेटेड वाटर टावर भी मंगाए गए हैं। इनका इस्तेमाल उन स्थानों पर किया जाएगा, जहां फायर कर्मी नहीं पहुंच सकते। महाकुंभ में पहली बार चप्पे-चप्पे पर नजर रखने के लिए हवा में टीथर्ड ड्रोन तैनात किया गया है। हाई रिजॉल्यूशन इमेज, वीडियो और सेंसर डेटा की क्षमता वाले इस हाई सिक्योरिटी टीथर्ड ड्रोन की नजर से किसी का भी बच पाना नामुमकिन है। इससे निगरानी के लिए एक एक्सपर्ट टीम तैनात कर दी गई है। ये एक विशेष प्रकार के कैमरे होते हैं। इन कैमरों को एक बड़े बैलून के सहारे रस्सी से बांधकर एक निश्चित ऊंचाई पर तैनात किया जाता है। महाकुंभ में इन्हें ऊंचे टॉवर्स पर इंस्टॉल किया जा रहा है। यहीं से ये पूरे मेला क्षेत्र में नजर रख रहे हैं। इन्हें बार-बार उतारना भी नहीं पड़ेगा। अगर कोई श्रद्धालु गहरे पानी में डूबेगा तो उसे बचाने के लिए रोबोट आगे आएंगे। इन्हें रोबोटिक्स लाइफबॉय का नाम दिया गया है। इस वाटर रोबोट को मुंबई की कंपनी पोटेंशियल रोबोटिक सॉल्यूशन ने तैयार किया है। एक रोबोटिक्स लाइफबॉय की कीमत करीब 8 लाख रुपए है। यह वाटर रोबोट रिमोट सिस्टम पर काम करता है। एक बार में 140 किलो से ज्यादा का वजन अपने साथ खींच सकता है। पानी में यह 25 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ता है। इस चार्जेबल रोबोट को सिर्फ 45 मिनट में पूरी तरह चार्ज किया जा सकता है। फुल चार्ज होने पर यह कम से कम एक घंटे पानी में काम कर सकता है।

मेला क्षेत्र में इस बार डिजिटल खोया-पाया केंद्र बनाया गया है। मेले में खोने या बिछड़ने वाले व्यक्तियों की पूरी जानकारी वहां लगी सभी एलसीडी पर तस्वीर के साथ दिखाई जाएगी। यह तस्वीर और जानकारी मेले के अलावा शहरों में लगे एलसीडी पर भी दिखेगी। इसके अलावा सभी सोशल मीडिया पेज पर तस्वीरों के साथ वीडियो संदेश भी डिस्प्ले किए जाएंगे। महाकुंभ में इस बार जो लोग मेला स्थल तक नहीं पहुंच सकते हैं, उन्हें लाइव स्ट्रीमिंग के जरिए घर बैठे कुंभ क्षेत्र के दर्शन मिलेंगे।

भ्रष्टाचार का पर्दाफाश करने की कीमत जान!

'सच, निष्पक्षता, जूनून'... एक पत्रकार से पूरा समाज और पत्रकारिता धर्म यही तीन चीजें मांगता है। लेकिन इसकी कीमत पत्रकार को चुकानी पड़ती है। छत्तीसगढ़ के बस्तर में 33 साल के युवा पत्रकार मुकेश चंद्राकर ने ये कीमत चुकाई है। नए साल पर जहां पूरी दुनिया जश्न मना रही थी वहीं मुकेश की बेरहमी से हत्या हुई। उनके शव को एक सेप्टिक टैंक में ठूंस दिया गया और ऊपर से उसे पलस्तर से चुनवा दिया गया। मुकेश का गुनाह क्या था? सच दिखाना, भ्रष्टाचार उजागर करना या पत्रकारिता धर्म निभाना?

हर कोई हमसे अपेक्षा करता है कि हम उनकी आवाज बनें। डॉक्टरों का मार्च हो या किसानों का आंदोलन या फिर छात्रों पर हो रहा लाठीचार्ज... हर जगह हाथ में माइक पकड़ा एक पत्रकार निडर होकर खड़ा मिलता ही है। क्या दिन,क्या रात, क्या सर्दी क्या चिलचिलाती धूप... हमारी ड्यूटी है पत्रकारिता धर्म निभाना। इस पत्रकारिता धर्म की कीमत है पत्रकारों की जान! जो पूरे समाज की आवाज बनता है आखिर ये समाज उसकी आवाज कब बनेगा?

आज के बदलते दौर में हर तीसरा आदमी पान के खोखे पर खैनी चबाते हुए पत्रकारों और मीडिया को बिकाऊ बता देता है। उसे एक मिनट नहीं लगता अपनी राय देने में। लेकिन पत्रकार को कुछ भी कहने से पहले दुनियाभर का जोखिम उठाना पड़ता है। कुछ लिखने से पहले कई दिन या घंटों की रिसर्च करनी पड़ती है। तमाम लोगों से बात करनी पड़ती है। उल्टा-सीधा देखना और सुनना पड़ता है। ताकि सच सामने आए, लेकिन इसके बाद भी मुकेश जैसे पत्रकारों को अपनी जान गंवानी पड़ती है।

हमारे एक मित्र हैं, जो मुकेश चंद्राकर के साथ काम कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि बस्तर में पत्रकारों को बेहद जोखिम उठाना पड़ता है। वो पूरा इलाका नक्सल प्रभावित है। ऐसे में बैलेंस बनाना बेहद मुश्किल होता है।

अगर नक्सलियों के खिलाफ लिख दें, तो वो निशाना बनाते हैं, अगर प्रशासन के खिलाफ लिख दें तो वो पीछे पड़ जाते हैं। बस उम्मीद वहां के आम लोगों से है, जिनकी आवाज हम उठाते हैं। उनके साथ हो रहे अन्याय को उजागर करते हैं। मुकेश ने भी यही किया था। उन्होंने सड़क घोटाला उगाजर किया। जो ठेकेदार को पसंद नहीं आया और उनकी जान ले ली। मुकेश नक्सलियों से बच गए लेकिन भ्रष्टाचारियों से नहीं बच पाए।

मुकेश पहले पत्रकार नहीं हैं, जिन्हें सच दिखाने की कीमत जान देकर चुकानी पड़ी। इंडिया फ्रीडम ऑफ एक्सप्रेशन इनिशिएटिव की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2023 में पूरे भारत में पांच पत्रकारों की हत्या हुई, वहीं करीब 226 पत्रकारों को निशाना बनाया गया। इसमें यूपी के दो और महाराष्ट्र, असम और बिहार में एक-एक पत्रकार की हत्या हुई। वहीं दिल्ली में सबसे ज्यादा 54 पत्रकारों को निशाना बनाया गया। पत्रकारों को निशाना बनाने वालों में नेता, अभिनेता, अपराधी, माफिया और अन्य असामाजिक तत्व शामिल हैं।

डेटा प्रोटेक्शन के ड्राफ्ट रूल में क्या है?

माता-पिता की इजाजत जरूरी

बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल करने को लेकर सरकार सख्त नियम बनाने जा रही है। डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन ऐक्ट, 2023 (डीपीडीपी) के नियमों को लेकर जो मसौदा बना है, उसके मुताबिक बच्चों को सोशल मीडिया एक्सेस करने के लिए माता-पिता की सहमति की जरूरत होगी। सहमति देने वाले बच्चे के माता-पिता ही हैं, इसकी पुष्टि के लिए उनका सरकार की तरफ से जारी पहचान पत्र के जरिए सत्यापन होगा। सरकार ने शुक्रवार को डीपीडीपी कानून के नियमों के मसौदे को जारी किया। इस पर स्टेकहोल्डर्स से 18 फरवरी तक सुझाव मांगा है। कानून के तहत ई-कॉमर्स कंपनियों, सोशल मीडिया समेत डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर यूजर्स के डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उसके दुरुपयोग को रोकने के प्रावधान होंगे। ये कानून अगस्त 2023 में ही संसद से पास हो गया था। डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन ऐक्ट के प्रस्तावित नियमों में क्या-क्या है? इसके तहत किस उम्र तक के यूजर को बच्चा माना जाएगा? माता-पिता की सहमति कैसे सत्यापित होगी? कानून के तहत नियम क्या होंगे, कैसे लागू होगा, ये अभी फाइनल नहीं हुआ है। सरकार ने नियमों का मसौदा बनाया है उसपर स्टेकहोल्डर्स से सुझाव मांगे हैं। सुझाव अच्छे लगे तो सरकार उसे नियमों में शामिल सकती है। नियम तय होने के बाद कानून लागू होगा। मसौदा नियमों के तहत बच्चे कौन? 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे। ड्राफ्ट रूल्स पर सरकार ने 18 फरवरी तक मांगे हैं सुझाव। डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट, 2023 के तहत 18 साल से कम उम्र के बच्चों को अब सोशल मीडिया अकाउंट खोलने के लिए माता-पिता की सहमति लेनी होगी। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने शुक्रवार को ये मसौदा जारी किया और लोगों से 18 फरवरी तक MyGov.in पर सुझाव मांगे हैं। इन ड्राफ्ट नियमों में कुछ खास तरह के पर्सनल डेटा के लिए डेटा लोकलाइजेशन प्रावधान की वापसी की भी गुंजाइश रखी गई है। पहली बार डेटा फिड्यूशियरीज की श्रेणियां बनाई गई हैं। डेटा फिड्यूशियरीज उस व्यक्ति या संस्था/निकाय को कहते हैं जो ये तय करती हैं कि डेटा को कैसे प्रॉसेस किया जाएगा। उनका इस्तेमाल कैसे और कितना किया जाएगा। आसान शब्दों में डेटा फिड्यूशियरीज को डेटा संभालने वाले कह सकते हैं। इनकों तीन व्यापक श्रेणियों में रखने का प्रस्ताव दिया गया हैः ई-कॉमर्स कंपनियां, गेमिंग बिचौलिए और सोशल मीडिया फर्म।

मसौदे में 'ई-कॉमर्स संस्थाओं', 'ऑनलाइन गेमिंग बिचौलियों' और 'सोशल मीडिया बिचौलियों' सहित महत्वपूर्ण डिजिटल बिचौलियों को परिभाषित किया गया है। सबके लिए विशिष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए गए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसा कि मसौदे में परिभाषित किया गया है, वे बिचौलिए हैं जो मुख्य रूप से उपयोगकर्ताओं के बीच ऑनलाइन बातचीत को सक्षम करते हैं, जिसमें सूचना का साझाकरण, प्रसार और संशोधन शामिल है।

नए नियमों में बच्चों और दिव्यांग व्यक्तियों के डेटा की सुरक्षा के लिए कड़े प्रावधान हैं। डेटा फिड्यूशियरीज को बच्चों का डेटा इस्तेमाल करने से पहले माता-पिता या अभिभावक की सहमति लेनी होगी। इसके लिए सरकारी आईडी या डिजिटल लॉकर जैसे डिजिटल पहचान टोकन का इस्तेमाल किया जाएगा। यह सुनिश्चित करेगा कि बच्चों का डेटा उनकी मर्जी के बिना इस्तेमाल न हो। शैक्षणिक संस्थानों और बाल कल्याण संगठनों को कुछ नियमों से छूट मिल सकती है। उपभोक्ताओं को भी अपने डेटा को हटाने और डेटा संग्रह के कारणों की जानकारी मांगने का अधिकार होगा। नियमों के उल्लंघन पर 250 करोड़ रुपये तक का जुर्माना लग सकता है।

डेटा फिड्यूशियरी की ही जिम्मेदारी होगी कि वह उस व्यक्ति की प्रामाणिकता को सत्यापित करे जो सोशल मीडिया एक्सेस के लिए नाबालिग का अभिभावक होने का दावा कर रहा है। अभिभावक और नाबालिग के बीच संबंध का भी सत्यापन होगा। इसके लिए प्लेटफॉर्म के पास उपलब्ध 'पहचान और उम्र के विश्वसनीय विवरण' या यूजर की तरफ 'स्वेच्छा से' प्रदान किए गए पहचान और उम्र के विवरण का इस्तेमाल किया जाएगा। शैक्षणिक संस्थानों और बाल कल्याण संगठनों को कुछ नियमों से छूट दी जा सकती है, ताकि बच्चों की शिक्षा और कल्याण प्रभावित न हो। नियमों का उल्लंघन करने पर कंपनियों पर 250 करोड़ रुपये तक का भारी जुर्माना लगाया जा सकता है। इससे कंपनियां डेटा सुरक्षा को लेकर अधिक सतर्क रहेंगी। उपभोक्ताओं को भी अपने डेटा से जुड़े कई अधिकार मिलेंगे। वे अपना डेटा डिलीट करवा सकेंगे और कंपनियों से पूछ सकेंगे कि उनका डेटा क्यों इकट्ठा किया जा रहा है। यह उपभोक्ताओं को अपने डेटा पर अधिक नियंत्रण देगा। नियमों के अनुसार, इन कंपनियों को तीन साल बाद अपने प्लेटफॉर्म पर निष्क्रिय यूजर्स का पर्सनल डेटा डिलीट करना होगा। डेटा ब्रीच होने की स्थिति में डेटा फिड्यूशियरीज को 72 घंटे के अंदर डेटा प्रोटेक्शन बोर्ड को सूचित करना होगा।

भारत में काम करने वाले डेटा फिड्यूशियरीज को प्रत्येक यूजर को डेटा ब्रीच के विवरण के बारे में 'संक्षिप्त, स्पष्ट और सरल तरीके से और बिना किसी देरी के' उसके यूजर अकाउंट या यूजर द्वारा प्रदान किए गए किसी भी संचार माध्यम के माध्यम से सूचित करना होगा। इन विवरणों में डेटा ब्रीच की प्रकृति, सीमा, समय और स्थान, यूजर पर इसका प्रभाव, किए जा रहे जोखिम खत्म करने के उपाय और उस व्यक्ति की संपर्क जानकारी शामिल होगी जिससे यूजर डेटा ब्रीच से संबंधित किसी भी प्रश्न के मामले में संपर्क कर सकता है।

मकर संक्रांति पर बिहार में होगा फिर कोई सियासी खेला!

अशोक भाटिया

बिहार में नीतीश कुमार कुछ भी करने वाले होते हैं तो उसके संकेत पहले से ही मिलने लगते हैं। कई बार लगता है कि ये तो सामान्य बात है लेकिन कुछ महीने बाद ही असामान्य हो जाती है।नीतीश कुमार की एक तस्वीर पर ख़ूब बात हो रही है। इस तस्वीर में नीतीश कुमार ने हँसते हुए तेजस्वी यादव के कंधे पर हाथ रखा है और तेजस्वी हाथ जोड़कर थोड़ा झुक कर हँस रहे हैं। हालांकि यह एक सरकारी कार्यक्रम की तस्वीर है। जहां पक्ष और विपक्ष का आना एक औपचारिक रस्म होता है। लेकिन कई बार औपचारिक रस्म में ही अनौपचारिक चीज़ें हो जाती हैं। दरअसल आरिफ़ मोहम्मद ख़ान राज्यपाल की शपथ ले रहे थे और इसी कार्यक्रम में नीतीश कुमार भी मौजूद थे और बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी। दोनों नेताओं की यह तस्वीर आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने एक चैनल के कार्यक्रम में कहा था कि नीतीश कुमार के लिए उनके दरवाज़े खुले हुए हैं।बिहार में इसी साल विधानसभा के चुनाव होने हैं और राज्य के सियासी गलियारों में पिछले कुछ दिनों से नीतीश कुमार को लेकर लगातर अटकलें लगाई जा रही हैं। इन अटकलों को नीतीश की चुप्पी ने भी हवा दी है। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव के एक बयान ने बिहार की सियासत में अटकलों को तेज़ कर दिया है। गौरतलब है कि पिछली मकर संक्राति 14 जनवरी 2024 को नीतीश कुमार एकदम से आरजेडी और INDIA ब्लॉक से रिश्ता तोड़कर एनडीए में शामिल हो गए। नीतीश वैसे तो आरजेडी के सपोर्ट से ही बिहार के सीएम बने हुए थे, लेकिन नाता तोड़ने पर भी इसपर फर्क नहीं पड़ा। वे एनडीए की मदद से सीएम बने रहे। द हिंदू की रिपोर्ट के अनुसार, सहयोगियों से दूरी के पीछे कारण गिनाते हुए उन्होंने कहा था कि वे बिहार के फायदे के लिए ऐसा कर रहे हैं। हालांकि राजनीति के जानकारों ने इसे उनकी आदत बताते हुए कहा कि वे हवा का रुख भांपकर भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए में आए क्योंकि उन्हें यकीन था कि लोकसभा चुनावों में ये पार्टी कमाल करेगी।

इन अटकलों के बीच बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी 'प्रगति यात्रा' के दूसरे चरण की शुरुआत आज 4 जनवरी से गोपालगंज से कर रहे हैं। इस यात्रा में वे कई जिलों का दौरा करेंगे, विकास कार्यों का जायजा लेंगे, योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे और जनता से संवाद करेंगे। यह यात्रा ऐसे समय हो रही है जब प्रदेश में सियासी हलचल तेज है और नीतीश कुमार के राजनीतिक रुख को लेकर कई कयास लगाए जा रहे हैं। नीतीश कुमार के राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलें तेज हैं। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने हाल ही में एक बयान दिया था जिसने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी। लालू यादव ने कहा था कि अगर सीएम नीतीश वापस आते हैं तो उनका स्वागत होगा। उन्होंने आगे कहा था कि माफ करना उनका फर्ज है और वो सब भूल कर सीएम नीतीश को अपने साथ रख लेंगे। उनके लिए दरवाजा खुला है। लालू यादव के इस बयान के बाद विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने अलग रुख अपनाया है। उन्होंने कहा है कि अब सीएम नीतीश के साथ जाना यानी अपनी पैर पर कुल्हाड़ी मारना होगा। सीएम नीतीश के लिए दरवाजे अब बंद है। दो नेताओं के अलग-अलग बयान इस सियासी उठापटक को और दिलचस्प बना दिया है। ऐसे में नीतीश कुमार की यह 'प्रगति यात्रा' और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यह देखना दिलचस्प होगा कि इस यात्रा के दौरान नीतीश कुमार जनता के सामने क्या संदेश देते हैं और उनकी राजनीतिक रणनीति क्या रहती है।

दूसरी तरफ बीजेपी को नीतीश की जरूरत मालूम है, इसलिए बिहार बीजेपी की तरफ से उनको अगले चुनाव के लिए नेता मान लिया गया है। पर कहा जा रहा है कि नीतीश कुमार भाजपा से नाराज हैं। उनकी नाराजगी के कई कारण बताए जाते हैं। पहला यह कि अमित शाह ने अगली बार उन्हें सीएम बनाए जाने के सवाल पर ऐसा बयान दे दिया कि उनका नाराज होना स्वाभाविक है। शाह ने कहा कि संसदीय बोर्ड सीएम का फैसला करेगा। शाह का बयान इसलिए भी नीतीश कुमार को नागवार लग सकता है कि महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के साथ जो हुआ, उसकी पुनरावृत्ति के आसार बिहार में भी दिख रहे हैं। वैसे नीतीश कुमार की नाराजगी का उनकी चुप्पी के कारण सिर्फ अनुमान भर है। इन सबके बीच नीतीश कुमार खामोश हैं। उनकी खामोशी से ही अटकलों को आधार मिल रहा है। बिहार की राजनीति में नीतीश की चुप्पी और नए साल की शुरुआत का संयोग ही अटकलों का आधार है। जानकार मान रहे हैं कि जब-जब नीतीश खामोश होते हैं, बिहार में सियासी उलट-फेर होता है। चाहे एनडीए छोड़ कर इंडिया ब्लॉक में जाना हो या इंडिया ब्लॉक से एनडीए में लौटना, यह उनकी कुछ दिनों की चुप्पी के बाद ही होता है। दूसरा कि बिहार में मकर संक्रांति के बाद ही पिछली बार बिहार में सत्ता का खेमा बदला था।

दिल्ली में कौन होगा जीत का हकदार

अजय कुमार

दिल्ली का सियासी दंगल सज गया है। बस चुनाव की तारीख की घोषणा होना बाकी रह गया है।इस बार भी इंडिया गठबंधन का हिस्सा होने के बाद भी कांग्रेस और आम आदमी पार्टी अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं।वहीं बीजेपी भी पूरे दमखम से मैदान में डटी है तो पीछे यूपी में मजबूत पकड़ रखने वाली समाजवादी पार्टी और बसपा भी नहीं हैं।दिल्ली विधानसभा चुनाव में जहां आम आदमी पार्टी के सामने अपनी 11 साल पुरानी सरकार को बचाये रखने की चुनौती है तो बीजेपी कम बैक करना चाहती है। मगर वह बिना सेनापति यानी मुख्यमंत्री के चेहरे के मैदान में ताल ठोक रही है,इसका उसे कितना फायदा या नुकसान होगा यह नतीजे आने के बाद पता चलेगा। वहीं कभी दिल्ली पर दबदबा बनाने रखने वाली कांग्रेस चुनाव के मैदान में तो हैं लेकिन सत्ता में उसकी वापसी हो,इसके लिये उसके पास शीला दीक्षित जैसा कोई चेहरा नजर नहीं नजर आ रहा हैं।

गौरतलब हो ,केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली में विधानसभा बहाल होने के बाद 1993 में पहली बार विधानसभा चुनाव हुए थे। उसके बाद से राजधानी में सात बार विधानसभा चुनाव हुए हैं। बीजेपी महज एक बार साल 1993 में ही जीत दर्ज करने में कामयाब रही थी। 1998 में उसके हाथों से सत्ता गई तो फिर वापसी नहीं हुई। ऐसे में सवाल उठता है कि दिल्ली का दिल बीजेपी क्यों नहीं जीत पाती है और 2025 में क्या सियासी ग्रहण को दूर कर पाएगी। बीजेपी पिछले 26 साल से दिल्ली में सत्ता का वनवास झेल रही है। 15 साल तक शीला दीक्षित की अगुवाई में कांग्रेस के सामने खड़ी नहीं हो सकी। थी तो उसके बाद अरविंद केजरीवाल की चुनौती से बीजेपी कभी पार नहीं पा पाई। शीला दीक्षित के बाद से 11 साल से आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के आगे बीजेपी लीडरशिप पस्त नजर आई है।

अब नव वर्ष के आगाज के साथ ही फिर से दिल्ली विधानसभा चुनाव की सियासी तपिश बढ़ गई है। बीजेपी 2025 में होने वाले विधानसभा में हर हाल में दिल्ली में कमल खिलाना चाहती है, जिसके लिए पूरी ताकत झोंक रखी है। इसके बाद भी बीजेपी के लिए दिल्ली के सत्ता की राह आसान नहीं है। मोदी-शाह की जोड़ी 2014 लोकसभा चुनाव के बाद से बीजेपी के लिए जीत हासिल करने की गांरटी बन गई थी। ऐसे में देखते ही देखते देश के एक के बाद एक राज्यों में बीजेपी अपनी जीत का परचम फहराती रही। उत्तर से दक्षिण और पश्चिम से पूर्वोत्तर राज्यों तक बीजेपी की जीत का डंका बजने लगा। बीजेपी की जीत का श्रेय नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी को दिया गया लेकिन केंद्र सरकार के नाक के नीचे दिल्ली में 2015 और 2020 में दो बार चुनाव हुए। इन दोनों ही चुनावों में मोदी-शाह की जोड़ी केजरीवाल के सामने अपना असर नहीं दिखा सकी। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह क्या है, जिसके चलते बीजेपी दिल्ली की जंग फतह नहीं पा रही?

दिल्ली के सियासी मिजाज को बीजेपी समझ नहीं पा रही है। देश के दूसरे राज्यों के फॉर्मूले पर दिल्ली के विधानसभा चुनाव नहीं जीता जा सकता है। दिल्ली जाति और धर्म की सियासत को कभी तवज्जो नहीं नहीं देती है। इसके अलावा दिल्ली के लोग नकारात्मक चुनाव प्रचार को अहमियत नहीं देते, क्योंकि दिल्ली में एक बड़ा तबका कारोबारियों का है। दिल्ली में तीन तरह के चुनाव होते हैं और तीनों में वोटिंग पैटर्न अलग-अलग हैं। लोकसभा चुनाव में दिल्ली की पसंद बीजेपी रही तो विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी। पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के दौर में भी ऐसा ही था, जब विधानसभा में कांग्रेस को कामयाबी मिली थी तो लोकसभा में बीजेपी को। एमसीडी चुनाव में पहले बीजेपी का कब्जा रहा, लेकिन अब आम आदमी पार्टी का है। दिल्ली के चुनाव में पार्टी से ज्यादा नेता का व्यक्तित्व मायने रखता है। साल 1993 में बीजेपी ने मदन लाल खुरना को आगे कर सत्ता हासिल की थी, लेकिन सिर्फ पांच साल के दौरान बीजेपी को तीन बार सीएम बदलना पड़ा। नतीजा यह हुआ कि दिल्ली की जनता के बीच बीजेपी की तरफ से गलत राजनीतिक संदेश गया और इसका खामियाजा उसे 1998 के चुनाव में भुगतना पड़ा।

2025 में घर बनाने के लिए ये महीना रहेगा बेहद शुभ, धन-संपत्ति में होगी वृद्धि

अपना घर बनाने का ख्वाब हर किसी का होता है। हर कोई चाहता है कि उसका खुद का एक आशियाना हो। ऐसे में जब यह सपना साकार होता है तो व्यक्ति हर चीज का विशेष ध्यान रखता है। हिंदू धर्म में घर निर्माण से देवी-देवता का आशीर्वाद जरूर लिया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इससे सौभाग्य और समृद्धि आती है। हिंदू धर्म में भूमि पूजन का अत्यंत महत्व होता है। वास्तु के अनुसार, 5 महीने ऐसे हैं जिन्हें घर बनाने के लिए सबसे अच्छे महीने माना जाता है। ऐसे में आज हम मशहूर ज्योतिषी चिराग बेजान दारूवाला से जानेंगे कि साल 2025 में घर बनाने के लिए कौनसा महीना सबसे उत्तम और शुभ होगा।

2025 में घर निर्माण के लिए शुभ माने जाने वाले कुछ महीने इस प्रकार हैं-

माघ (जनवरी-फरवरी) - इस महीने को अक्सर शुभ कार्यों के लिए अच्छा माना जाता है, खासकर नए निर्माण के लिए।

फाल्गुन (फरवरी-मार्च) - इस महीने में होलाष्टक के बाद घर निर्माण के लिए शुभ अवसर होते हैं।

चैत्र (मार्च-अप्रैल) - चैत्र महीने में नए निर्माण के लिए अच्छे मुहूर्त होते हैं, खासकर हिंदू नव वर्ष (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) के आसपास।

वैशाख (अप्रैल-मई) - इस महीने को भी गृह निर्माण के लिए शुभ माना जाता है।

आश्विन (सितंबर-अक्टूबर) - इस महीने में निर्माण कार्य भी शुभ माना जाता है, खासकर दशहरे के आसपास।

साल 2025 में गृह प्रवेश के लिए शुभ मुहूर्त

15 जनवरी 2025- मुहूर्त- 07:15 AM - 12:45 PM
25 जनवरी 2025- मुहूर्त- 08:30 AM - 11:30 AM
19 मार्च 2025- मुहूर्त- 10:30 AM - 02:00 PM
14 मई 2025- मुहूर्त- 11:00 AM - 01:00 PM
25 जून 2025- मुहूर्त- 07:00 AM - 12:00 PM
1 अक्टूबर 2025- मुहूर्त- 08:00 AM - 12:30 PM

महाकुंभ में होने वाले हैं शामिल? डुबकी लगाने से पहले जरूर जान लें ये 3 नियम

महाकुंभ का मेला 13 जनवरी से प्रयागराज में शुरू होगा। कुंभ मेले को हिंदू धर्म के पवित्र आयोजनों में से एक माना जाता है। ग्रहों की विशेष स्थिति को देखकर महाकुंभ के मेले के समय का निर्धारण होता है। माना जाता है कि इस दौरान पवित्र नदियों का जल अमृत बन जाता है। इसलिए महाकुंभ के दौरान गंगा, यमुना आदि नदियों में स्नान करने से पुण्य फलों की प्राप्ति भक्तों को होती है। हालांकि कुछ ऐसे नियम भी हैं जिनका पालन आपको महाकुंभ में डुबकी लगाते समय रखना चाहिए। आज हम आपको इन्हीं नियमों के बारे में बताने जा रहे हैं, अगर आप भी महाकुंभ में स्नान करने वाले हैं, तो इन बातों को अवश्य ध्यान में रखें।

प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत 13 जनवरी से होगी और 26 फरवरी का इस पावन पर्व का समापन होगा। इस दौरान करोड़ों भक्त प्रयागराज पहुंचेंगे और कुंभ में डुबकी लगाएंगे। साथ ही नीचे बताए गए नियमों का पालन भी आपको इस दौरान करना चाहिए, तभी आपको शुभ फलों की प्राप्ति होगी।

नियम 1

महाकुंभ के दौरान सबसे पहले नागा साधु स्नान करते हैं। नागा साधुओं के स्नान के बाद ही अन्य लोग स्नान कर सकते हैं। इसलिए गलती से भी आपको महाकुंभ के दिन नागा साधुओं से पहले डुबकी न लगाएं। ऐसा करना धार्मिक दृष्टि से अच्छा नहीं माना जाता। यह नियमों का उल्लंघन है और इसके कारण आपको कुंभ के स्नान का शुभ फल भी प्राप्त नहीं होता।

नियम 2

अगर आप महाकुंभ में डुबकी लगाने वाले हैं तो इस बात का भी ध्यान रखें कि गृहस्थ लोगों को 5 बार डुबकी लगानी चाहिए। धार्मिक मतानुसार गृहस्थ लोग जब महाकुंभ में 5 बार डुबकी लगाते हैं, तभी उनका कुंभ स्नान पूरा माना जाता है।

नियम 3

महाकुंभ में स्नान के बाद अपने दोनों हाथों से सूर्य देव को जल का अर्घ्य आपको अवश्य देना चाहिए। कुंभ मेले का आयोजन सूर्य देव की विशेष स्थिति को देखकर ही किया जाता है, इसलिए महाकुंभ के स्नान के साथ ही सूर्य देव को अर्घ्य देने से आपको शुभ फलों की प्राप्ति होती है। कुंभ स्नान के दौरान सूर्य को अर्घ्य देना कुंडली में सूर्य की स्थिति को मजबूत भी करता है।

नियम 4

कुंभ में स्नान करने के बाद आपको प्रयागराज में स्थिति लेटे हुए हनुमान जी या नागावासुकी मंदिर के दर्शन भी करने चाहिए। मान्यताओं के अनुसार इन मंदिरों का दर्शन करने के बाद ही भक्तों की धार्मिक यात्रा पूर्ण मानी जाती है।

ऊपर बताए गए नियमों का पालन करते हुए अगर आप महाकुंभ में स्नान करते हैं, तो कई तरह के लाभ आपको प्राप्त होते हैं। आपके जीवन में सुख-समृद्धि आती है और साथ ही आध्यात्मिक रूप से भी आप विकास करते हैं।

मंगल करने जा रहे साल का पहला गोचर

ज्योतिष शास्त्र में मंगल को ग्रहों को सेनापति कहा गया है। वे कल्याणकारी ग्रह कहे जाते हैं और हर 45 दिन में अपना राशि परिवर्तन करते हैं। वे कई बार वक्री चाल भी चलते हैं। उन्हें सभी 12 राशियों का चक्र पूरा करने में लगभग 22 महीने का समय लग जाता है।

वे जब भी राशि परिवर्तन करते हैं तो उसका प्रभाव सभी राशियों पर पड़ता है। वे अब मकर संक्रांति के बाद यानी 21 जनवरी 2025 को इस साल का अपना पहला गोचर करने जा रहे हैं। वे वक्री चाल यानी उल्टी चाल चलते हुए मिथुन राशि में प्रवेश कर जाएंगे। इसके फलस्वरूप 3 राशियों के लिए अगले 45 दिन बेहद शानदार रहने वाले हैं। उनके घर में लग्जरी चीजों का आगमन हो सकता है और वे राजसी जिंदगी जिएंगे। आइए जानते हैं कि वे राशियां कौन सी रहेंगी।

मंगल गोचर 2025 से किन राशियों को फायदा

वृश्चिक राशि

इस राशि के जातकों पर मंगल की खूब कृपा बरसने वाली है। 21 जनवरी के बाद आपकी कुंडली में भाग्य योग बन रहा है, जिससे कहीं से आकस्मिक धनलाभ की संभावना बन रही है। आपको पैतृक संपत्ति मिल सकती है या किसी पुराने निवेश से एकमुश्त मोटी धनराशि मिल सकती है। नौकरीपेशा लोगों को कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारी मिल सकती है। समाज में आपका मान सम्मान बढ़ेगा और स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कन्या राशि

मंगल गोचर के बाद आपको आपको अप्रत्याशित भौतिक सुखों की प्राप्ति के योग बन रहे हैं। आपके घर नए वाहन का आगमन हो सकता है या फिर आप कोई नई संपत्ति खरीदने का मन बना सकते हैं। सामाजिक कार्यों की ओर आपका झुकाव बढ़ेगा। आप दान-पुण्य करेंगे और धार्मिक यात्राओं पर भी जा सकते हैं। जो जातक नया बिजनेस शुरू करने की सोच रहे हैं, उनके लिए यह समय सर्वोत्तम रहेगा।

मिथुन राशि

इस राशि के जातकों के लिए मंगल का गोचर करना काफी भाग्यशाली रहने वाला है। इस अवधि में आपके साहस और आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। आपके लंबे समय से अटके हुए काम पूरे हो सकते हैं। बच्चों की पढ़ाई की ओर से आप निश्चिंत रहेंगे। आपको मां-बाप का पूरा साथ मिलेगा। कारोबार बढ़ाने के लिए आप परिवार के साथ मिलकर बड़ा फैसला कर सकते हैं। सार्वजनिक क्षेत्र में आपको कोई सम्मान प्राप्त हो सकता है।

साल 2025 में इस दिन बन रहा शनि-राहु का दुर्लभ संयोग

इन राशियों की सोने की तरह चमकेगी किस्मत

29 मार्च 2025 को शनि मीन राशि में प्रवेश करेंगे। इस राशि में पहले से ही राहु विराजमान है, जिस वजह से यहां शनि राहु की युति बनेगी। 2025 में शनि-राहु का दुर्लभ संयोग कुछ राशियों के लिए बेहद शुभ साबित हो सकता है। शनि और राहु का यह संयोजन अपनी प्रकृति के अनुसार जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है, खासकर उन राशियों के लिए जो पहले से ही कड़ी मेहनत कर रहे हैं। तो आइए ज्योतिष चिराग दारूवाला से जानते हैं कि शनि राहु का यह संयोग किन राशियों को लाभ दिलाएगा।

वृषभ- वृषभ राशि के लिए 2025 का समय बहुत ही शुभ हो सकता है। वृषभ राशि के जातकों को धन, संपत्ति, और करियर में उन्नति के अवसर मिल सकते हैं। शनि और राहु का प्रभाव वृषभ राशि वालों को मेहनत का फल दे सकता है। इस समय में निवेश और नई शुरुआत के लिए यह अच्छा समय हो सकता है। करियर में उन्नति के नए अवसर मिलेंगे और लंबे समय से रुके हुए कामों में प्रगति हो सकती है। धन की स्थिति भी बेहतर हो सकती है, जिससे व्यक्तिगत जीवन में संतुलन रहेगा।

कन्या -कन्या राशि के लिए यह संयोग विशेष रूप से लाभकारी हो सकता है। शनि और राहु का संयोजन इनके जीवन में समृद्धि और सफलता ला सकता है। शनि और राहु का यह योग उनके लिए अच्छे स्वास्थ्य, नए अवसरों और आर्थिक लाभ की संभावना पैदा कर सकता है। व्यापार में भी अचानक से उन्नति हो सकती है, और यह संयोग उन्हें अपने पुराने प्रयासों का परिणाम मिलते हुए दिखेगा। इस समय उनका आत्मविश्वास भी ऊंचा रहेगा।

मीन- मीन राशि के जातकों के लिए यह संयोग शुभ संकेत दे रहा है। शनि और राहु का संयोग मीन राशि के लोगों को मानसिक शांति और आत्मविश्वास प्रदान करेगा। इस दौरान मीन राशि के जातक जीवन में नए अनुभव प्राप्त करेंगे और उनका पारिवारिक जीवन भी सुदृढ़ रहेगा। शनि का प्रभाव उन्हें मेहनत के अच्छे फल दिलाएगा, जबकि राहु का प्रभाव उन्हें मानसिक शांति और धैर्य प्रदान करेगा। करियर के लिहाज से भी यह समय काफी अनुकूल हो सकता है।

जनवरी में हुआ है आपका जन्म ?

इन 3 खूबियों से जीतेंगे आप दुनिया का दिल

जनवरी में जन्म लेने वाले लोगों में कई खूबियां देखने को मिलती हैं। ये लोग व्यवहारकुशल भी होते हैं और परिस्थितियों के हिसाब से ढलने वाले भी। साथ ही कुछ कमियां भी इनके व्यक्तित्व में होती हैं, जिन्हें अगर ये दूर कर लें तो दुनिया में अपना अलग मुकाम बना सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से जनवरी के माह में जन्म लेने वाले लोगों में क्या-क्या खूबियां और खामियां देखने को मिलती हैं, इसके बारे में आज हम आपको अपने इस लेख में जानकारी देंगे।

महत्वाकांक्षी

जनवरी में जन्म लेने वाले लोग जीवन में अक्सर ऊंचे लक्ष्य बनाते हैं और उन्हें पाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। ये अपने लक्ष्य के प्रति पूर्णरूप से समर्पित भी नजर आते हैं। जिम्मेदारियों को कैसे निभाना है इसका भी इनको अच्छी तरह से पता होता है। इनका यही गुण सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर इन्हें ख्याति दिलाता है।

व्यवस्थित

जीवन को जीने का सलीका भी जनवरी के माह में जन्मे लोगों को आता है। कैसे जीवन को सफल बनाना है इसके लिए ये सही व्यवस्था बनाते हैं। इनकी छोटी-छोटी योजनाएं भी इनको जीवन में बड़ी उपलब्धियां दिलाने में सक्षम होती हैं। इनका अनुशासन दूसरों को भी प्रेरित करने का काम करता है।

प्राकृतिक नेतृत्व की क्षमता

जनवरी महीने में जन्म लेने वाले लोगों में नेतृत्व करने की भी अच्छी क्षमता होती है। जब भी ये ऊंचे पदों पर पहंचते हैं तो इनका व्यक्तित्व और भी निखर जाता है। ये अपने अधीनस्थ लोगों को पूरा सम्मान भी प्रदान करते हैं, जिससे लोग इनको पसंद भी करते हैं। इनके कार्य करने की शैली भी बहुत उम्दा होती है जिससे लोग इनसे प्रेरणा भी लेते हैं। इनके नेतृत्व को हर व्यक्ति सहर्ष स्वीकार कर सकता है। नेतृत्व करना उनकी स्वाभाविक विशेषता होती है।

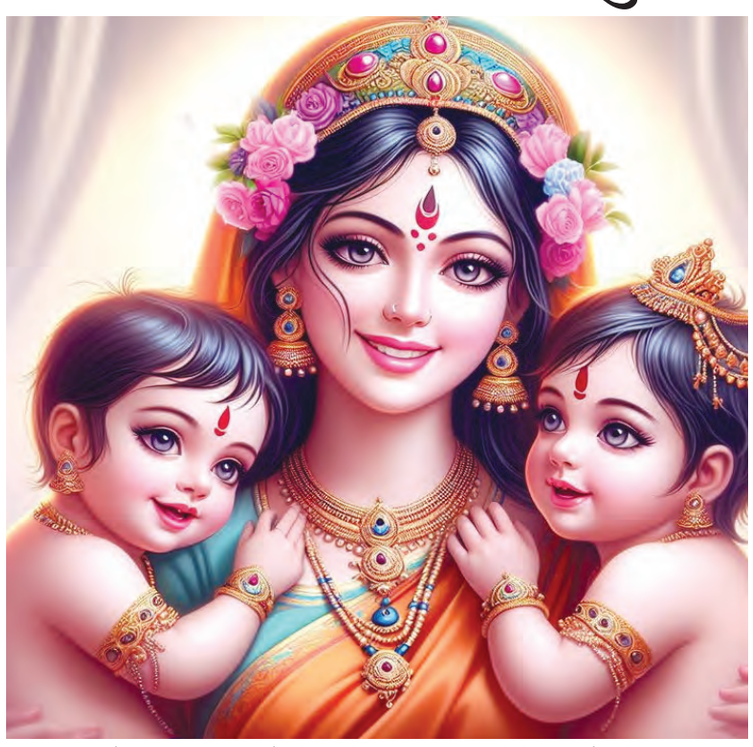

व्यावहारिक

इस माह में जन्म लेने वाले लोग अक्सर व्यावहारिक देखे गए हैं। ये काल्पनिक दुनिया में जीना पसंद नहीं करते। इनकी प्रगतिशील सोच इन्हें जीवन में नए मुकाम पर ले जाती है। अक्सर ये लोग उनसे दूर रहते हैं जो सीमित दायरों में जाना पसंद करते हैं।

आत्मविश्वासी और परिपक्वता

इस माह में जन्म लेने वाले लोगों को आत्मविश्वास भी खूब होता है। इनकी सोच प्रगतिशील होती है। साथ ही अपनी क्षमताओं को बढ़ाकर ये आत्मविश्वास को भी बढ़ाते हैं। साथ ही वक्त के साथ-साथ ये परिपक्व भी होते जाते हैं। हर कार्य को ये धैर्यपूर्वक करते हैं, इसलिए अक्सर इन्हें हर क्षेत्र में सफल होते भी आप देख सकते हैं।

परिवार और रिश्तों के प्रति वफादार

जनवरी में जन्म लेने वाले अपने परिवार के प्रति हमेशा वफादार रहते हैं। हालांकि, घर के लोगों के साथ भले ही ये बहुत अधिक वार्तालाप न करें लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि ये उनसे लगाव नहीं रखते। समय आने पर फरवरी में जन्म लेने वाले लोग घर वालों का हर हाल में साथ निभाते हैं।

धन को संचित करने वाले

जीवन को जीने के लिए पर्याप्त धन की बहुत आवश्यकता होती है और इस बात को जनवरी में जन्म लेने वाले लोग भी भलीभांति जानते हैं। इसलिए धन का सही तरीके से ये इस्तेमाल भी करते हैं और धन को संचित भी खूब करते हैं। इनके प्रबंधन की क्षमता इन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाती है।

जनवरी में जन्म लेने वालों की कमियां

कई बार ये लोगों को पहचानने में धोखा खा सकते हैं, इसलिए हानि जीवन में कई बार इनको उठानी पड़ती है। कई बार ये अति आत्मविश्वासी हो जाते हैं, और लोगों को सुने बिना ही विचार बना लेते हैं। साथ ही दूसरों के समय की कद्र न करना भी इनकी कमी है। इन कमियों को अगर जनवरी में जन्म लेने वाले दूर कर लें तो उन्हें जीवन में ऊंचाइयां प्राप्त हो सकती हैं।

पांच बातें अपनाएंगे तो मुश्किल कामों में भी मिल सकती है सफलता

नया साल 2025 शुरू हो गया है। पिछले साल मिली असफलताओं और अपनी गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ेंगे तो इस बार सफलता जरूर मिल सकती है। महाभारत के किस्सों से समझें लाइफ मैनेजमेंट की 5 टिप्स, जिन्हें फॉलो करने से आपकी प्रॉब्लम्स दूर हो जाएंगी और मुश्किल काम में भी सफलता मिलने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी...

एकता बनाए रखें, साथियों पर भरोसा करें

काम मुश्किल हो, बड़ा हो तो उसे टीम बनाकर करेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी। महाभारत में पांडवों और कौरवों के युद्ध से एकता का महत्व सीख सकते हैं।

कौरवों की सेना बहुत बड़ी थी, लेकिन उनमें एकता और आपसी विश्वास की कमी थी, जबकि दूसरी ओर पांडवों की सेना छोटी थी, लेकिन वे सभी एकजुट थे और एक-दूसरे पर पूरा भरोसा करते थे।

नतीजा ये हुआ कि छोटी सेना होने के बाद भी पांडव जीत गए।

अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से निभाएं

सफल होने के लिए सबसे जरूरी बातों में से एक है अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभाना। कौरव सेना में भीष्म, द्रोणाचार्य जैसे योद्धा अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा पा रहे थे। भीष्म धर्म-अधर्म के संशय में उलझे थे, कुटुम्ब, पांडवों से मोह और अपने वचन में फंसे हुए थे, इस वजह से वे पूरे मन से युद्ध नहीं कर पाए।

द्रोणाचार्य भी अपने पुत्र अश्वत्थामा के मोह में फंसे हुए थे, इस वजह से वे भी कौरवों की जीत नहीं दिला पाए। सफल होना चाहते हैं तो हमें हर हाल में अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभानी चाहिए।

लक्ष्य बनाएं और उसी पर पूरा ध्यान लगाएं

महाभारत के अर्जुन की चर्चित कहानी है। जब द्रोणाचार्य कौरव और पांडव राजकुमारों को धनुर्विद्या सीखा रहे थे। एक दिन उन्होंने एक पेड़ पर एक पक्षी का खिलौना रखा और सभी से उसकी आंख पर निशाना लगाने के लिए कहा।

उस समय सिर्फ अर्जुन ने अपना पूरा ध्यान पक्षी की आंख पर लगाया, बाकी सभी का ध्यान पक्षी के साथ-साथ आसपास की चीजों पर भी जा रहा था।

भविष्य में अर्जुन की इसी आदत ने उसे श्रेष्ठ धनुर्धर बना दिया। जब हम अपने लक्ष्य पर ध्यान लगाते हैं तो उसे पूरा जरूर करते हैं।

समय का सही उपयोग जरूर करें

समय का सही प्रबंधन आपको सफल बना सकता है। महाभारत में जब पांडवों का वनवास चल रहा था, उस समय ये तय हो गया था कि वनवास के बाद कौरवों से युद्ध हो सकता है।

ऐसे में अर्जुन ने वनवास के दिनों में समय का सही इस्तेमाल करते हुए भगवान शिव से दिव्यास्त्र पाने के लिए तप किया और भगवान शिव की कृपा भी प्राप्त की। महाभारत युद्ध में इन्हीं दिव्यास्त्रों की मदद से पांडवों की जीत हुई। हमें भी अपने समय की सही इस्तेमाल करना चाहिए, तभी हमें सफलता मिल सकती है।

विकल्पों का चयन सतर्कता से करें

महाभारत युद्ध शुरू होने वाला था, पांडव और कौरव दोनों ही श्रीकृष्ण को अपने पक्ष में करना चाहते थे। इसी इच्छा को पूरी करने के लिए अर्जुन और दुर्योधन श्रीकृष्ण के पास पहुंचे।

उस समय श्रीकृष्ण ने कहा था कि एक ओर मेरी पूरी अजय नारायणी सेना है और दूसरी ओर मैं अकेला रहूंगा और मैं युद्ध में शस्त्र भी नहीं उठाउंगा। ये बात सुनकर दुर्योधन ने नारायणी सेना चुन ली और श्रीकृष्ण अर्जुन के पक्ष में चले गए।

जब ये बात कर्ण, भीष्ण, द्रोणाचार्य, शकुनि आदि योद्धाओं को मालूम हुई तो सभी दुर्योधन के चयन पर दुखी हुए थे। यहीं से कौरव पक्ष के अधिकतर योद्धाओं को लगने लगा था कि जहां श्रीकृष्ण हैं, वही जीत होगी। बाद में नतीजा भी यही हुआ, श्रीकृष्ण की नीतियों की वजह से पांडव युद्ध जीत गए।

सफल होना चाहते हैं तो किसी भी विकल्प का चयन बहुत सोच-समझकर करना चाहिए, गलती होने पर सफलता हम से दूर हो जाती है।

वार्षिक राशिफल 2025

ज्योतिषी पं महेशचंद्र शर्मा

मकर

आर्थिक जीवन

यदि आपके लिए आर्थिक भविष्यवाणी की बात करें तो मकर 2025 राशिफल के अनुसार वर्ष की शुरुआत आपके लिए कुछ कमजोर रहने वाली है। एक तरफ शनि महाराज, शुक्र महाराज के साथ दूसरे भाव में बैठकर आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाएंगे और धन संचय करने में मदद करेंगे तो दूसरी ओर द्वादश भाव में बैठे सूर्य महाराज खर्च बढ़ाएंगे। एकादश भाव में बुध महाराज होंगे और पंचम भाव में बैठे बृहस्पति महाराज की दृष्टि भी आपके एकादश भाव पर होगी जिससे धन की प्राप्ति अधिक होगी और खर्च नियंत्रण में रहेंगे। यह सभी स्थितियां आपको आर्थिक तौर पर मजबूत और समृद्ध बनाने का अवसर प्रदान करेंगी लेकिन मई के महीने में देवगुरु बृहस्पति छठे भाव में आकर आपके द्वादश भाव को देखेंगे जिससे खर्चों में यकायक बढ़ोतरी हो जाएगी। इस अप्रत्याशित वृद्धि को रोक पाना आपके लिए आसानी से संभव नहीं होगा। इसके लिए आपको कठिन प्रयास करने होंगे। मार्च के अंत में शनि महाराज आपके तीसरे भाव में आ जाएंगे जो धीरे-धीरे प्रयासों से आपको आर्थिक लाभ दिलाएंगे लेकिन मई के महीने में राहु महाराज आपके दूसरे भाव में आकर धन संचय करने में परेशानी खड़ी कर सकते हैं इसलिए इस वर्ष सावधानी से आपको चलना होगा और अपने धन को संभालना होगा। उसका कहीं निवेश करना भी लाभदायक रहेगा।

स्वास्थ्य

मकर 2025 राशिफल के अनुसार यह वर्ष स्वास्थ्य की दृष्टिकोण से ठीक-ठाक रहने की संभावना व्यक्त की जा सकती है। वर्ष की शुरुआत में राशि स्वामी शनि महाराज दूसरे भाव में रहकर स्वास्थ्य को मजबूत बनाएंगे। बृहस्पति महाराज पंचम भाव से आपकी राशि पर दृष्टि डालेंगे और आपके स्वास्थ्य को उत्तम बनाने में मदद करेंगे लेकिन नीच राशि के मंगल वर्ष की शुरुआत में सप्तम भाव से आपकी राशि पर दृष्टि डालकर आपको सेहत से जुड़ी समस्याएं दे सकते हैं। अप्रैल तक का समय स्वास्थ्य के लिए कमजोर रह सकता है, उसके बाद धीरे-धीरे स्वास्थ्य में सुधार होने के योग बनेंगे। शनि महाराज मार्च के अंत में आपके तीसरे भाव में जाएंगे, जहां से आपको आलस को छोड़ना होगा, नहीं तो धीरे-धीरे आप बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। जितनी मेहनत करेंगे, उतना आपको स्वास्थ्य लाभ होगा। जितना शरीर को चलाएंगे, उतना ही स्वास्थ्य समस्याओं से दूर रहेंगे। राहु महाराज मई के महीने में दूसरे भाव में आकर खान-पान और मुंह से जुड़ी समस्याएं दे सकते हैं। उनसे सावधान रहें ताकि आप एक अच्छा जीवन जी पाएं।

करियर

मकर 2025 राशिफल के अनुसार यदि आपके करियर की बात करें तो नौकरी करने वाले जातकों के लिए वर्ष की शुरुआत अच्छी रहेगी। भले ही नीच राशि के मंगल महाराज की दृष्टि दशम भाव पर हो लेकिन दशम भाव के स्वामी शुक्र महाराज शनि महाराज के साथ दूसरे भाव में होकर नौकरी में अच्छी स्थितियों को जन्म देंगे। आपको धन लाभ भी होगा। एकादश भाव में बुध महाराज और बृहस्पति महाराज की एकादश पर दृष्टि तथा नवम भाव पर बृहस्पति महाराज की दृष्टि आपको नौकरी में सफलता प्रदान करेगी।

आपका मनचाहा ट्रांसफर भी हो सकता है और नौकरी में पदोन्नति मिलने के भी योग बनेंगे। वर्ष का उत्तरार्ध भी ठीक-ठाक रहने की संभावना है। जहां तक व्यापार करने वाले जातकों का सवाल है तो वर्ष की शुरुआत आपके लिए कमजोर रहने वाली है। आपको अपने व्यावसायिक साझेदार से भी अच्छे संबंध बनाए रखने पर जोर देना होगा क्योंकि आपके बीच कहासुनी हो सकती है। वर्ष का उत्तरार्ध व्यावसायिक साधनों के लिए ठीक-ठाक रहेगा लेकिन आपको अपने प्रयासों में निरंतर गति बनाए रखनी होगी, तभी आप सफलता प्राप्त कर पाएंगे।

शिक्षा

यदि मकर राशि के विद्यार्थी वर्ग की बात की जाए तो मकर 2025 राशिफल के अनुसार वर्ष की शुरुआत आपके लिए अनुकूल रहेगी। पंचम भाव में देवगुरु बृहस्पति होंगे और पंचम भाव के स्वामी शुक्र महाराज दूसरे भाव में होंगे जिससे आप अपनी शिक्षा में मन लगाकर मेहनत करेंगे और उसके आपको सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिलेंगे। आपको शिक्षा में अच्छे परिणाम आपके उत्साह को बढ़ाएंगे जिससे आप और अधिक मेहनत करने को तत्पर रहेंगे। मई के महीने से बृहस्पति महाराज छठे भाव में आ जाएंगे। आपको प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता पाने के लिए बहुत ज्यादा मेहनत करनी होगी, तब जाकर आपको सफलता प्राप्त करने की संभावना बन सकती है। उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों को मई तक प्रतीक्षा करनी होगी, मई के बाद स्थितियों में सुधार आएगा, तब आपको अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। विदेश जाकर पढ़ने वाले विद्यार्थियों को वर्ष के उत्तरार्ध में सफलता मिलने के प्रबल योग बन रहे हैं जिससे आपके मनपसंद विषयों को किसी विदेशी विश्वविद्यालय में पढ़ने का मौका मिल सकता है।

पारिवारिक जीवन

मकर 2025 राशिफल के अनुसार वर्ष आपके पारिवारिक जीवन के लिए ठीक-ठाक रहने की संभावना है। वर्ष की शुरुआत में दूसरे भाव में बैठकर शनि महाराज चतुर्थ भाव पर दृष्टि डालेंगे तथा मंगल महाराज की दृष्टि सप्तम भाव से दशम भाव पर होगी। इससे पारिवारिक जीवन में उतार-चढ़ाव के बावजूद आपसी सामंजस्य बना रहेगा। माता-पिता का आशीर्वाद आपको प्राप्त होगा। तीसरे भाव में राहु महाराज भाई बहनों को कुछ समस्याएं दे सकते हैं लेकिन उनसे आपकी बॉन्डिंग अच्छी रहेगी। उसके बाद में मार्च के महीने में शनि महाराज तीसरे भाव में आकर भाई बहनों से आपके संबंधों को और मजबूत करेंगे लेकिन उन्हें भी आपके साथ की बराबर दरकार होगी। राहु महाराज मई के महीने में दूसरे भाव में चले जाएंगे जिससे कुटुंब के मामलों में आपको बोलने से परहेज करना होगा, नहीं तो कोई बात का बतंगड़ बन सकता है जिससे कहा सुनी हो सकती है। बृहस्पति महाराज के छठे भाव में आ जाने से और वहां से दशम भाव पर तथा दूसरे भाव पर पूर्ण दृष्टि डालने के कारण पारिवारिक जीवन के कई विवादों को सुलझाने का मौका मिल सकता है, जिसमें परिवार के किसी वृद्ध व्यक्ति का सहयोग आपको मिलेगा।

वैवाहिक जीवन

मकर 2025 राशिफल के अनुसार यदि विवाहित जातकों की बात करें तो वर्ष की शुरुआत आपके लिए कमजोर रहेगी। सप्तम भाव में वर्ष की शुरुआत में मंगल महाराज अपनी नीच राशि कर्क में विराजमान होंगे और द्वादश भाव में सूर्य महाराज स्थित होंगे जिससे आप और आपके जीवनसाथी के मध्य है अहम का टकराव हो सकता है। आप दोनों के बीच क्रोध की अधिकता रिश्ते को और बिगाड़ सकती है। ऐसी स्थिति में परिवार वालों का हस्तक्षेप करना आवश्यक हो जाएगा और तभी आपका रिश्ता बच पाएगा। धीरे-धीरे आपके बीच की समस्याएं कम होंगी। जब मंगल महाराज जुलाई के महीने में आपके नवम भाव में प्रवेश करेंगे, तब जाकर आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी समस्याओं में कमी आएगी और तब आप समझ पाएंगे कि आप दोनों के बीच जो सब कुछ चल रहा था, वह ग्रहों की चाल का ही नतीजा था।

ऐसी स्थिति में आपको अपने जीवनसाथी को भरपूर समय, स्नेह और प्रेम देना चाहिए। उनकी बातों को सुनना और समझना चाहिए तथा आपस के सामंजस्य को बेहतर बनाने का प्रयास करना चाहिए, तभी आप एक उत्तम वैवाहिक जीवन का सुख प्राप्त कर पाएंगे।

उपाय

शुक्रवार के दिन सफेद रंग की गौ माता को चने की दाल खिलाएं।

छोटी कन्याओं के चरण छूकर आशीर्वाद लें और उन्हें सफेद रंग की कोई वस्तु भेंट करें।

शनि देव के बीज मंत्र का जाप करना आपके लिए सर्वाधिक उपयुक्त रहेगा।

कुंभ

आर्थिक जीवन

कुम्भ 2025 राशिफल आपकी आर्थिक स्थिति के लिए यह भविष्यवाणी करता है कि यह वर्ष आपके लिए आर्थिक तौर पर वर्ष की शुरुआत में उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। जहां 11वें भाव में सूर्य महाराज आर्थिक स्थिति को मजबूत करेंगे और आपकी आमदनी में बढ़ोतरी करेंगे तो वहीं दूसरे भाव में राहु और छठे भाव में बैठे मंगल महाराज आपकी आर्थिक स्थिति को कमजोर कर सकते हैं और आपके खर्चों में बढ़ोतरी करके आपके धन संचय करने में परेशानी उत्पन्न कर सकते हैं लेकिन मार्च के अंत में शनि महाराज आपके दूसरे भाव में आ जाएंगे जिससे विदेशी माध्यमों से भी धन की प्राप्ति होगी और दीर्घकालिक निवेश से भी आपको धन प्राप्त होने के योग बनेंगे। राहु महाराज आपकी ही राशि में मई के अंत में आ जाएंगे तो देवगुरु बृहस्पति भी मई के मध्य में आपके पंचम भाव में आकर एकादश भाव को पूर्ण दृष्टि से देखेंगे। इससे आपकी आर्थिक स्थिति में इजाफा होगा और धन प्राप्ति के सुंदर संयोग बनेंगे। व्यापार से धन लाभ के प्रबल योग बन सकते हैं। नौकरी करने वाले जातकों को कठोर प्रयासों के बाद आर्थिक लाभ होने की संभावना रहेगी। यदि आप शेयर बाजार में धन लगाना चाहते हैं तो उसके लिए बेहद सावधान होकर यह काम करना होगा।

स्वास्थ्य

कुम्भ 2025 राशिफल के अनुसार यह वर्ष स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से मिश्रित परिणाम लेकर आने वाला है। राशि स्वामी शनि महाराज वर्ष की शुरुआत में आपकी ही राशि में रहेंगे तो स्वास्थ्य को ठीक बनाए रखने में मदद करेंगे लेकिन अष्टम भाव में केतु और छठे भाव में मंगल महाराज तथा दूसरे भाव में राहु महाराज की उपस्थिति स्वास्थ्य समस्याओं को लगातार बनाए रखने की कोशिश करती रहेगी जिससे आप किसी न किसी समस्या की चपेट में बने रहेंगे। वर्ष के मध्य में स्थितियों में बदलाव आएगा क्योंकि तब तक शनि महाराज दूसरे भाव में, राहु महाराज आपकी राशि में आ चुके होंगे और बृहस्पति महाराज पंचम भाव में जा चुके होंगे। बृहस्पति महाराज की दृष्टि आपकी राशि पर होगी जिससे कुछ हद तक स्वास्थ्य समस्याओं में कमी आएगी लेकिन आपको निरंतर अपने सकारात्मक विचारों के साथ अपने स्वास्थ्य को समय देना होगा तभी आप चुस्त और तंदुरुस्त रह सकते हैं। आपको कुछ नई आदतों को अपनाना होगा और खान-पान की आदतों में भी सुधार लाने की आवश्यकता पड़ेगी।

करियर

कुम्भ 2025 राशिफल के अनुसार आपके करियर के लिए यह वर्ष बहुत हद तक अनुकूल रहने की संभावना है। नौकरी करने वाले जातकों को वर्ष की शुरुआत में अच्छे परिणाम मिलेंगे। आप अपनी मेहनत से अपने विरोधियों को परास्त कर देंगे, उन पर विजय हासिल करेंगे और आपके मंसूबे कामयाब होंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र में अपनी अच्छी साख बना पाने में कामयाब होंगे क्योंकि आप खूब मेहनत करेंगे और आपकी मेहनत से आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। वर्ष की शुरुआत में सूर्य महाराज की कृपा से आपके वरिष्ठ अधिकारी भी आपसे प्रसन्न रहेंगे। सरकारी क्षेत्र में काम कर रहे जातकों को विशेष लाभ मिल सकता है। व्यापार करने वाले जातकों के लिए वर्ष की शुरुआत अनुकूल रहेगी। व्यवसाय के माध्यम से अच्छा धन लाभ हो सकता है। व्यवसाय में उन्नति होगी। वर्ष की शुरुआत कुछ धीमी जरूर रहेगी लेकिन वर्ष के मध्य के बाद से व्यापार में तेजी आने के योग बनेंगे लेकिन व्यावसायिक साझेदार से आपको अपने संबंधों को सुधारना होगा, तब जाकर व्यावसायिक सफलता प्राप्त हो पाएगी। आपके लिए जुलाई से नवंबर तक का समय विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहेगा।

शिक्षा

कुंभ राशि के विद्यार्थी वर्ग के लिए यह वर्ष उतार-चढ़ाव से भरा रहने वाला है लेकिन वर्ष का उत्तरार्ध अपेक्षाकृत अनुकूल रहेगा। वर्ष की शुरुआत में तो आपकी एकाग्रता में कमी आएगी। आपको बार-बार पढ़ाई पर ध्यान देना होगा जिससे आपको समस्या भी होगी और आशा के अनुरूप परिणाम न मिलने से मन में निराशा भी हो सकती है लेकिन ज्योतिषी . पं महेशचन्द्र शर्मा के अनुसार जब मई के मध्य में बृहस्पति महाराज आपके पंचम भाव में आ जाएंगे और वहां से आपके नवम भाव को भी देखेंगे तो आपको शिक्षा में मनचाहे परिणामों की प्राप्ति होगी। आप अच्छा प्रदर्शन कर पाने में कामयाब रहेंगे जिससे शिक्षा में अच्छे परिणाम तो मिलेंगे ही, साथ-साथ उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों के लिए भी यह समय बहुत अनुकूल रहेगा और उनको मनचाहे विषय पढ़ने का मौका मिलेगा तथा मनचाहे विद्यालय में दाखिला भी मिल सकता है। प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे जातकों के लिए वर्ष का पूर्वार्ध ज्यादा अनुकूल रहेगा। उसी दौरान आपको सफलता मिलने के प्रबल योग बनेंगे। यदि आप विदेश जाकर पढ़ना चाहते हैं तो उसके लिए आपको अभी प्रतीक्षा करनी पड़ सकती है।

पारिवारिक जीवन

कुम्भ 2025 राशिफल के अनुसार वर्ष की शुरुआत आपके पारिवारिक जीवन के लिए अनुकूल रहेगी। चतुर्थ भाव में बृहस्पति महाराज और दशम भाव में बुध महाराज वर्ष की शुरुआत में उपस्थित रहकर पारिवारिक गतिविधियों को अनुकूल बनाएंगे। परिवार के लोगों में आपसी सामंजस्य देखने को मिलेगा। परिवार में बड़ों का आदर होगा, छोटों से प्रेम और स्नेह की बात होगी और उनका ध्यान रखा जाएगा जिससे परिवार का माहौल बहुत अच्छा रहेगा। दूसरे भाव में राहु महाराज की उपस्थिति वर्ष की शुरुआत में होने से कभी-कभी उतार-चढ़ाव की स्थिति आएगी लेकिन धीरे-धीरे आप संभाल लेंगे।

मार्च के महीने में शनि महाराज दूसरे भाव में आकर कुटुंब के मामलों में लड़ाई झगड़े का कारण बनेंगे क्योंकि तब तक राहु महाराज भी वहीं पर विराजमान रहेंगे। उसके बाद धीरे-धीरे राहु महाराज मई के महीने में आपकी ही राशि में आ जाएंगे और लगभग इसी दौरान मई के महीने में ही बृहस्पति महाराज पंचम भाव में आकर आपकी राशि को देखेंगे, तब आपको सही गलत का निर्णय लेने में थोड़ी सी आसानी होगी।

राहु महाराज बीच-बीच में मन भटकाएंगे लेकिन बृहस्पति महाराज आपको संभाल लेंगे जिससे परिवार का प्रेम आपके साथ बना रहेगा। भाई - बहनों से वर्ष की शुरुआत में मधुर संबंध बनाए रखने पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी।

वैवाहिक जीवन

कुम्भ 2025 राशिफल के अनुसार विवाहित जातकों की बात करें तो वर्ष की शुरुआत आपके लिए मध्यम रहेगी। शनि और शुक्र दोनों की दृष्टि आपके सप्तम भाव पर रहेगी जिससे एक तरफ तो आपके रिश्ते में कुछ उतार-चढ़ाव रहेंगे। आपसी सामंजस्य में कुछ कमी आ सकती है लेकिन शुक्र महाराज की कृपा से रिश्ते में प्रेम और रूमानियत बढ़ेगी। आप अपने जीवनसाथी से और निकटता महसूस करेंगे और उनके नजदीक रहना पसंद करेंगे। एक दूसरे का उजला पक्ष दिखाई देगा जिससे आपके रिश्ते में खूबसूरती आएगी। उसके बाद मई के महीने में जब केतु महाराज सप्तम भाव में प्रवेश करेंगे और आपकी राशि में राहु का प्रवेश होगा, तब स्थितियां बिगड़ सकती हैं क्योंकि आपस में सामंजस्य न बैठ पाने के कारण और एक दूसरे को अच्छे से समझ न पाने के कारण रिश्ते में समस्याएं बढ़ सकती हैं। ऐसी स्थिति में आपके परिवार के वरिष्ठ सदस्यों से सलाह मशविरा करना चाहिए और अपने जीवनसाथी के स्वास्थ्य के साथ-साथ उनकी सोच, समझ और अच्छे बुरे का ध्यान रखना चाहिए, तभी आप अपने रिश्ते को सुचारू रूप से चला पाएंगे। इस वर्ष उत्तरार्ध में आपकी संतान प्राप्ति का सपना पूरा हो सकता है।

उपाय

आपको शनिवार के दिन श्री शनि चालीसा का पाठ करना चाहिए।

इसके साथ ही प्रत्येक शनिवार को सरसों के तेल या तिल के तेल का दीपक जलाकर बजरंग बाण का पाठ करना चाहिए। शुक्ल पक्ष के शुक्रवार को अपनी अनामिका अंगुली में उत्तम गुणवत्ता वाला हीरा अथवा ओपल रत्न पहनना आपके लिए अनुकूल रहेगा।

मीन

आर्थिक जीवन

आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो मीन 2025 राशिफल आपके लिए यह भविष्यवाणी कर रहा है कि वर्ष की शुरुआत तो आपके लिए बेहद कमजोर रहेगी क्योंकि शनि और शुक्र जैसे ग्रह आपके द्वादश भाव में बैठकर खर्चों को बढ़ाएंगे और मंगल महाराज भी द्वादश भाव पर दृष्टि डालकर खर्चों में बढ़ोतरी का काम करेंगे लेकिन तीसरे भाव में बैठे देवगुरु बृहस्पति अपनी एकादश भाव पर दृष्टि से आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने में अपनी पूरी सहायता करेंगे और आपकी आमदनी में वृद्धि का संकेत देते रहेंगे। मार्च के महीने में शनि महाराज और उससे पहले ही शुक्र महाराज आपकी राशि में प्रवेश कर जाएंगे जिससे इन खर्चों पर कुछ हद तक नियंत्रण रहेगा लेकिन मई के महीने में राहु महाराज आपके द्वादश भाव में जाकर अनचाहे खर्चों को बढ़ाएंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है। इस वर्ष आपको अपने खर्चों को नियंत्रण में रखना ही होगा नहीं तो समस्या बड़ी हो जाएगी। व्यापार करने वाले जातकों को भी वर्ष के पूर्वार्द्ध में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा जिससे आर्थिक स्थिति डांवाडोल रहेगी। वर्ष का उत्तरार्ध कुछ हद तक सफलता ला सकता है और आर्थिक स्थिति को बेहतर बना सकता है।

स्वास्थ्य

मीन 2025 राशिफल के अनुसार यह वर्ष आपके स्वास्थ्य के लिए ज्यादा अनुकूल नहीं कहा जा सकता है क्योंकि वर्ष की शुरुआत में आपकी राशि में राहु महाराज, सप्तम भाव में केतु महाराज, द्वादश भाव में शनि और शुक्र महाराज तथा पंचम भाव में नीच राशि के होकर मंगल महाराज विराजमान रहेंगे। ये सभी ग्रह स्थितियां आपकी अच्छी सेहत की ओर इशारा नहीं कर रही हैं। आपको अपनी शारीरिक समस्याओं के प्रति आगाह रहना चाहिए और हर छोटी से छोटी समस्या को समय रहते चिकित्सक से संपर्क करके ठीक करने का प्रयास करना चाहिए क्योंकि यही छोटी-छोटी समस्याएं आगे बढ़कर किसी बड़ी बीमारी का रूप धारण कर सकती हैं इसलिए आपको सावधान रहना होगा। वर्ष के उत्तरार्ध में भी जब राहु महाराज द्वादश भाव में और केतु महाराज छठे भाव में आएंगे तो आपकी स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ाने का कार्य ही करेंगे इसलिए वर्ष पर्यंत आपको अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को नजरअंदाज करने से बचना होगा। आवश्यक होने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करने से ही आप अपनी बड़ी समस्याओं से बच पाएंगे और अपने स्वास्थ्य को बहुत हद तक ठीक रख पाने में कामयाब हो सकते हैं। इस वर्ष आपको आंखों से संबंधित समस्याएं, आंखों से पानी बहना, जलन, नींद से जुड़ी समस्याएं या पैरों में चोट, मोच, दर्द, आदि की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के संक्रमण की चपेट में आने से भी आपको बचना चाहिए।

करियर

मीन 2025 राशिफल के अनुसार यदि आपके करियर की बात करें तो वर्ष की शुरुआत नौकरी करने वाले जातकों के लिए अति उत्तम रहेगी। दशम भाव में सूर्य महाराज बैठकर आपको अपने कार्यक्षेत्र में मजबूत स्थिति के साथ-साथ बड़ा पद प्रदान कर सकते हैं। सरकारी क्षेत्र में काम करने वाले लोगों का रुतबा बढ़ेगा। बृहस्पति महाराज की कृपा से सहकर्मियों का सहयोग आपके साथ बना रहेगा जिससे अपने कार्यक्षेत्र में आप मनचाहे परिणाम प्राप्त कर पाएंगे और आपका प्रदर्शन भी काबिले तारीफ होगा। मार्च के अंत में जब शनि महाराज आपकी राशि में आ जाएंगे और वहां से दशम भाव पर दशम दृष्टि डालेंगे तो पूरे वर्ष आपको अपने कार्यक्षेत्र में मेहनत करनी होगी जिससे काम का दबाव आपके ऊपर हो सकता है। व्यापार करने वाले जातकों के लिए वर्ष की शुरुआत कमजोर रहेगी। सप्तम भाव में केतु महाराज की उपस्थिति आपके लिए ज्यादा अच्छी नहीं है लेकिन बृहस्पति महाराज की दृष्टि सप्तम भाव पर होने से व्यापार धीरे-धीरे चलता रहेगा। आपको समझदारी दिखानी होगी। वर्ष का उत्तरार्ध अपेक्षाकृत अनुकूल रहेगा, जब व्यापार में उन्नति के योग बनेंगे।

शिक्षा

मीन 2025 राशिफल के अनुसार विद्यार्थी वर्ग के लिए वर्ष की शुरुआत कमजोर है क्योंकि पंचम भाव में नीच राशि के होकर मंगल महाराज विराजमान रहेंगे जो आपको परेशान करेंगे। आप कुछ जिद्दी हो जाएंगे और पढ़ाई पर ध्यान कम जाएगा। आपके आसपास का माहौल भी आपको पीड़ित कर सकता है इसलिए आपको बार-बार अपनी एकाग्रता को बढ़ाने पर ध्यान देना होगा, नहीं तो शिक्षा में मनचाहे परिणाम मिलने में समस्या होगी। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों के लिए वर्ष की शुरुआत अनुकूल रहेगी और आपको मनचाहे परिणाम मिल सकते हैं और विभिन्न विषयों में सफलता मिलने के योग भी बन सकते हैं। यदि आप किसी प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो फरवरी के बाद का समय आपके लिए उपयुक्त हो सकता है। विशेष रूप से मार्च से लेकर अगस्त के बीच में आपको प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता मिल सकती है और आपका चयन किसी अच्छी नौकरी पर हो सकता है। यदि आप पढ़ाई के लिए विदेश जाने के इच्छुक हैं तो उसके लिए भी यही समय ज्यादा उपयुक्त हो सकता है और इस दौरान प्रयास करने से आपको सफलता मिलेगी।

पारिवारिक जीवन

मीन 2025 राशिफल के अनुसार वर्ष की शुरुआत पारिवारिक जीवन के लिए कुछ कमजोर रहेगी। दूसरे भाव के स्वामी मंगल महाराज पंचम भाव में नीच राशि में होंगे। आपकी राशि में राहु सप्तम भाव में केतु और दशम भाव में सूर्य महाराज होंगे जिससे परिवार का माहौल कुछ उग्र रहेगा। आपस में सामंजस्य की कमी होगी और लोग एक दूसरे का सम्मान करने की बजाय अपनी बात को ऊपर रखना पसंद करेंगे जिससे परिवार का माहौल कुछ खराब सा रहेगा लेकिन वर्ष के उत्तरार्ध में जब मई के महीने में बृहस्पति महाराज चतुर्थ भाव में आ जाएंगे, मंगल महाराज और सूर्य महाराज अपने भावों से निकल चुके होंगे, तब इन परिस्थितियों में काफी हद तक सुधार आ जाएगा।

आपको अपने भाई - बहनों का भी सानिध्य और प्रेम मिलेगा और आप उनके लिए बहुत कुछ करने की कोशिश करेंगे जिसमें आप कामयाब रहेंगे। इससे आपके उनसे मधुर संबंध रहेंगे। परिवार के बुजुर्ग सदस्यों की स्वास्थ्य समस्याएं आपको बार-बार परेशान कर सकती हैं इसलिए उनका ध्यान रखें।

वैवाहिक जीवन

मीन 2025 राशिफल के अनुसार विवाहित जातकों के लिए वर्ष की शुरुआत बहुत कमजोर रहेगी क्योंकि वर्ष की शुरुआत में राहु महाराज आपकी राशि में और केतु महाराज सप्तम भाव में रहकर वैवाहिक जीवन को बिगाड़ने की पूरी कोशिश करेंगे। आपस में सामंजस्य नहीं रहेगा, गलतफहमियां बढ़ेंगी और एक दूसरे को समझ नहीं पाएंगे जिससे रिश्ते में तल्खियां बढ़ सकती हैं। द्वादश भाव में वर्ष की शुरुआत में शनि और शुक्र भी होंगे जो आपसी संबंधों को और बिगाड़ सकते हैं लेकिन देवगुरु बृहस्पति की दृष्टि सप्तम भाव पर होने से रिश्ता चलता रहेगा और आप कोशिश करेंगे कि अपने रिश्ते को संभाल पाएं, फिर समय करवट लेगा और वर्ष का उत्तरार्ध आपके रिश्ते के लिए अच्छा रहेगा, जब केतु मई के महीने में छठे भाव में चले जाएंगे और सप्तम भाव उनसे मुक्त हो जाएगा, तब धीरे-धीरे आपके रिश्ते में प्रेम और समर्पण की भावना बढ़ेगी।

आप एक दूसरे को समझेंगे, एक दूसरे की गलतियों को नजरअंदाज करेंगे और अपने रिश्ते को संभालने का प्रयास करेंगे, तब जाकर आपका वैवाहिक जीवन ठीक-ठाक होने की कगार पर पहुंच जाएगा और आप वर्ष के अंत में अच्छा वैवाहिक जीवन महसूस करेंगे।

उपाय

बृहस्पतिवार के दिन उत्तम गुणवत्ता का पीला पुखराज अथवा सुनहला रत्न तर्जनी अंगुली में सोने की मुद्रिका में धारण करना उत्तम रहेगा।

आपको श्री हनुमान चालीसा का प्रतिदिन पाठ करना चाहिए।

श्रीगणेश जी को दुर्वांकुर अर्पित करने से केतु जनित समस्याओं में कमी आएगी।

राष्ट्रपति बनने से पहले दोनों हाथों से चंदा बटोर रहे हैं डोनाल्ड ट्रंप, आखिर क्या है माजरा?

नई दिल्ली,4 जनवरी (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। उनके शपथ ग्रहण समारोह के वास्ते चंदा देने के लिए कंपनियों और अमीर लोगों में होड़ लगी है। इस लिस्ट में अब दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी ऐपल के सीईओ टिम कुक भी शामिल हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कुक ने ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह के लिए 10 लाख डॉलर का चंदा देने की घोषणा की है। अब तक कई कंपनियां इस समारोह के लिए चंदा देने की घोषणा कर चुकी हैं। इनमें ऐमजॉन, ओपन एआई, टोयोटा मोटर ऑफ नॉर्थ अमेरिका और क्रिप्टोकरेंसीज से जुड़ीं कंपनियां क्रैकन, रिपल और ओन्डो शामिल हैं। कुक का मानना है कि शपथ ग्रहण समारोह एक महान अमेरिकी परंपरा है और वह एकता की भावना के लिए चंदा दे रहे हैं। हालांकि अमेरिका में सबसे ज्यादा टैक्स देने वाली उनकी कंपनी ऐपल के चंदा देने की उम्मीद नहीं है। ऐपल को हाल में एक मामले के निपटारे के लिए 9.5 करोड़ डॉलर का भुगतान करना पड़ा है। कंपनी पर आरोप लगाया गया था कि उसने वर्चुअल असिस्टेंट सिरी की मदद से आईफोन और अन्य डिवाइस का उपयोग करने वाले लोगों की बातचीत सुनी थी। हालांकि कंपनी ने अपने समझौते में किसी भी गलत काम करने की बात स्वीकार नहीं की है।

किस-किस ने दिया दान

टोयोटा मोटर नॉर्थ अमेरिका ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह के लिए 10 लाख डॉलर का दान कर रही है। फोर्ड मोटर और जनरल मोटर्स ने इतना ही चंदा दिया है। अमेरिकी की ऑटो कंपनियां इस आयोजन के लिए गाड़ियां दे रही हैं। रिटेल ट्रेड प्लेटफॉर्म रॉबिनहुड मार्केट्स ने भी $20 लाख का दान दिया है। उबर टेक्नोलॉजीज और इसके सीईओ दारा खोसरोशाही ने 10-10 लाख डॉलर का दान दिया है। ऐमजॉन ने भी 10 लाख डॉलर का दान दिया है। साथ ही कंपनी अपने ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर इस आयोजन का लाइवस्ट्रीम करेगी।

फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स ने भी इस इवेंट के लिए 10 लाख डॉलर का दान दिया है। सिटाडेल एलएलसी हेज फंड के फाउंडर केन ग्रिफिन ने भी $10 लाख का दान देने की योजना बनाई है। ग्रिफिन ने चुनाव से पहले ट्रंप के राष्ट्रपति अभियान में दान नहीं दिया था। ट्रंप ने अपने शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों के लिए एक खास पैनल बनाया है। इसे ट्रम्प-वैंस उद्घाटन समिति इंक. नाम दिया गया है। यह एक नॉन-प्रॉफिट संस्था है और इसे असीमित चंदा स्वीकार करने का अधिकार दिया गया है।

एचडीएफसी बैंक से जुड़ी बड़ी खबर! इस बैंक में खरीदेगा हिस्सेदारी, सोमवार को शेयरों पर दिख सकता है असर

नई दिल्ली,4 जनवरी (एजेंसियां)। एचडीएफसी बैंक और उसकी समूह कंपनियों से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल, एचडीएफसी और उसके समूह के बैंकों को एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में 9.5% हिस्सेदारी खरीदने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मंजूरी मिल गई है। यह मंजूरी 3 जनवरी 2025 को आरबीआई द्वारा दी गई है। आपको बता दें, एचडीएफसी बैंक के पास इस हिस्सेदारी को खरीदने के लिए एक साल का समय है। अगर एक साल के अंदर ये डील पूरी नहीं होती है, तो मंजूरी अपने आप रद्द हो जाएगी।आरबीआई ने एचडीएफसी बैंक और उसकी सहायक कंपनियों, जैसे- एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस, एचडीएफसी पेंशन मैनेजमेंट, एचडीएफसी ईआरजाओ जनरल इंश्योरेंस और एचडीएफसी सिक्योरिटीज को यह हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी दी है। यह हिस्सेदारी एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के कुल पेड-अप शेयर कैपिटल या वोटिंग अधिकारों का 9.5 फीसदी तक हो सकती है।यह डील पूरी तरह से नियामकीय शर्तों और प्रावधानों के अधीन होगी। इस डील में बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट, विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (एफईएमए) 1999 और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई) के नियमों का पालन जरूरी है। आरबीआई के दिशानिर्देशों और अन्य कानूनी आवश्यकताओं का भी पालन करना जरूरी है। एचडीएफसी बैंक के लिए यह कदम स्मॉल फाइनेंस बैंकिंग सेक्टर में अपनी पहुंच बढ़ाने का एक अहम मौका है। इससे एचडीएफसी बैंक को नए ग्राहकों तक पहुंचने और अपने प्रोडक्ट्स को विस्तार देने का बढ़िया अवसर मिलेगा।इसके अलावा इस डील से एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक को भी फायदा होगा। दरअसल,एचडीएफसी बैंक और उसकी सहायक कंपनियां पहले से ही वित्तीय क्षेत्र में मजबूत पकड़ रखती हैं।

इस साल क्रिप्टोकरेंसी बनाएगी रेकॉर्ड

दो करोड तक पहुंच सकती है एक बिटकॉइन की कीमत, किसने कर दी भविष्यवाणी?

नई दिल्ली,4 जनवरी (एजेंसियां)। अगर आप इस साल बेहतर रिटर्न के लिए निवेश के विकल्प तलाश रहे हैं तो क्रिप्टोकरेंसी उनमें से एक हो सकती है। जानकारों के मुताबिक साल 2025 में क्रिप्टोकरेंसी बेहतर रिटर्न दे सकती है। बात अगर सबसे महंगी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की करें तो यह रिटर्न का नया रेकॉर्ड बना सकती है। जानकारों के मुताबिक इस साल इसकी कीमत दो लाख डॉलर पार कर सकती है।अमेरिका के प्रमुख इन्वेस्टमेंट बैंक वेनराइट ने बिटकॉइन को लेकर भविष्यवाणी की है। वेनराइट ने कहा है कि बिटकॉइन इस साल 225000 डॉलर (करीब दो करोड़ रुपये) पर पहुंच सकती है। साल 2024 में यह एक लाख डॉलर का आंकड़ा पार कर चुकी है। हालांकि अभी इसकी कीमत 98 हजार डॉलर से कुछ ज्यादा (करीब 84.24 लाख रुपये) है। एचसी वेनराइट के मुताबिक इस साल इसमें दोगुने से ज्यादा रिटर्न मिल सकता है।अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस महीने अपना पद संभालने जा रहे हैं। ट्रंप क्रिप्टोकरेंसी के काफी बड़े समर्थक माने जाते हैं। उन्होंने अपनी टीम में एलन मस्क समेत ऐसे कई लोगों को शामिल किया है जो क्रिप्टोकरेंसी के इस्तेमाल पर जोर देते रहे हैं। वेनराइट का कहना है कि ट्रंप क्रिप्टोकरेंसी के चलन के लिए अनुकूल माहौल पैदा कर सकते हैं। माना जा रहा है ट्रंप प्रशासन कुछ मामलों में बिटकॉइन और दूसरी कुछ क्रिप्टोकरेंसी में ट्रांजेक्शन की अनुमति दे सकता है। यही वजह है कि बिटकॉइन समेत दूसरी क्रिप्टोकरेंसी भी इस साल रॉकेट बन सकती हैं।वेनराइट को उम्मीद है कि साल 2025 के अंत तक एक बिटकॉइन 225000 डॉलर तक पहुंच जाएगा। इससे पहले 'द फ्लाई' ने साल 2025 के लिए एक बिटकॉइन का पूर्वानुमान 145000 डॉलर लगाया था। 'द फ्लाई' अमेरिका का डिजिटल पब्लिशर है जो फाइनेंस की खबरें प्रकाशित करता है। वेनराइट की यह भविष्यवाणी 'द फ्लाई' के पूर्वानुमान से काफी अधिक है।

साल 2024 में सोने को छोड़ दिया पीछे

पिछले साल रिटर्न के मामले में बिटकॉइन ने सोने को पीछे छोड़ दिया है।साल 2024 में सोने ने करीब 21 फीसदी का रिटर्न दिया। वहीं बिटकॉइन का रिटर्न 100 फीसदी से ज्यादा रहा।शनिवार शाम 5:30 बजे एक बिटकॉइन की कीमत करीब 98 हजार डॉलर (करीब 84 लाख रुपये) थी। एक साल पहले इसकी कीमत करीब 37 लाख रुपये थी। ऐसे में बिटकॉइन ने इस एक साल में 129 फीसदी का रिटर्न दिया है।

केतन पारेख की पत्नी के फोन से सेबी ने बड़े गोरखधंधे का किया खुलासा

कैसे चल रहा था पूरा खेल?

नई दिल्ली,4 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार से जुड़ा एक और घोटाला सामने आया है। इस घोटाले का खुलासा खुद बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति व विनिमय बोर्ड यानी सेबी ने किया है। इस घोटाले में जिन लोगों का नाम सामने आ रहा है वे पहले भी निवेशकों को करोड़ों रुपये का चूना लगाने के आरोप में जेल जा चुके हैं। सेबी ने जिस ने घोटाले का खुलासा किया है वह क्या है? स्कैम के जरिए कितने रुपये की गड़बड़ी की गई? स्कैम में कौन लोग शामिल हैं? उन्होंने कैसे घोटाले का अंजाम दिया? उनपर पहले से क्या आरोप हैं? आइए जानते हैं सबकुछ।

शेयर बाजार में 2000-2001 के दौरान हुई गिरावट में अपनी भूमिका के लिए बदनाम केतन पारेख का नाम एक बार फिर एक बड़े वित्तीय घोटाले के केंद्र में है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक फ्रंट-रनिंग स्कैम का पर्दाफाश किया है। सेबी के अनुसार पारेख ने गैर-सार्वजनिक सूचना (एनपीआई) का इस्तेमाल करके शेयर बाजार में अवैध सौदे किए। सेबी की जांच से पता चला है कि पारेख ने अपने सहयोगी रोहित सालगांवकर के साथ मिलकर अंदरूनी जानकारी से लाभ उठाने के लिए मोबाइल फोन के एक नेटवर्क का इस्तेमाल किया, जिसके जरिए 65.77 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की गई। दोनों आरोपी 2000-2001 में हुए एक घोटाले में जेल भी जा चुके हैं।

कैसे चल रहा था फंड रनिंग स्कैम का पूरा खेल?

बाजार नियामक सेबी ने जानकारी दी है कि एक फंड हाउस में सलगांवकर के करीबी संबंध थे। फंड हाउस किसी ट्रेडर्स डील को अंजाम देने से पहले रोहित सलगांवकर को सूचनाएं मुहैया करवा रहा था। पहली नजर में मिली जानकारी के मुताबिक, सलगांवकर इस सूचना को केतन पारेख के साथ साझा कर दोनों अवैध कमाई कर रहे थे। केतन पारेख सूचना हासिल कर अलग-अलग अकाउंट से ट्रेड को अंजाम देता था। सेबी जांच में इस बात की जानकारी मिली कि पारेख ट्रेड की फ्रंट रनिंग के लिए कोलकाता की इकाइयों के अपने पुराने नेटवर्क का इस्तेमाल करता था और नियामकीय दायरे से खुद को बचा लेता था। सेबी की जांच से पता चला कि सलगांवकर के पास एक बड़े अमेरिकी फंड की ओर से किए गए ट्रेडों के बारे में गोपनीय जानकारी तक पहुंचती थी, जिसे बिग क्लाइंट कहा जाता है। सेबी ने पाया कि पारेख इस जानकारी को फ्रंट रनर को मुहैया करता था, जो फिर बड़े क्लाइंट के लेनदेन से पहले सौदे करते थे। इससे उन्हें कीमतों को ऊपर-नीचे करने में मदद मिलती थी। सेबी को दिए गए अपने बयान में, सलगांवकर ने बताया कि उन्होंने बड़े क्लाइंट से मिली जानकारी का इस्तेमाल ट्रेड के लिए काउंटरपार्टी खोजने के लिए किया, जिसमें पारेख भी शामिल थे। उन्होंने कहा, बड़े क्लाइंट का डीलर मुझे उस स्टॉक का नाम देता था जिसमें वे रुचि रखते थे। मैं विदेशी फंड, भारतीय फंड, शेयरों के अन्य धारकों और अंत में केतन पारेख के साथ इसे साझा करता था। सलगांवकर ने यह भी स्वीकार किया कि पारेख ने बड़े क्लाइंट की टिप के आधार पर लगभग 90% सौदे किए।सेबी की जांच एक महत्वपूर्ण सुराग से शुरू हुई- यह सुराग पारेख की पत्नी ममता पारेख के नाम से पंजीकृत एक मोबाइल नंबर था। यह नंबर, ममता के आधार कार्ड से जुड़ा था। यह नंबर पारेख और उनके सहयोगियों की ओर से इस्तेमाल किए जाने वाले मोबाइल नंबरों के व्यापक नेटवर्क का हिस्सा था।

सेबी के विश्लेषकों की जांच में पता चला कि पारेख ने विभिन्न नामों से कम से कम 10 अलग-अलग मोबाइल नंबर पंजीकृत किए थे। ये सभी पारेख के मुंबई स्थित आवास पर एक साथ मौजूद थे। ये नंबर पारेख के साथ अलग-अलग स्थानों पर पर उसकी यात्रा के दौरान भी मौजूद थे। इन नवंबरों से जांचकर्ताओं को जिससे महत्वपूर्ण आंकड़े मिले जिससे पूरे स्कैम को उजागर करने में मदद मिली। 15 मार्च, 2023 को सेबी के दफ्तर पहुंचकर दौरान पारेख ने अपना आधार कार्ड पेश किया, जिसमें उसका फोन नंबर XXX0308243 था। सेबी जांचकर्ताओं ने पाया कि यह नंबर भी उनकी पत्नी के आधार कार्ड से जुड़ा हुआ था।

जेवर एयरपोर्ट के प्रभावित 40 हजार किसानों को मिलेगा 10 हजार करोड़ का गिफ्ट

नई दिल्ली,4 जनवरी (एजेंसियां)। जेवर में बन रहा दुनिया का चौथा सबसे बड़ा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रोजेक्ट ने किसानों को मालामाल करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। अब इससे जुड़ी एक और खबर सामने आई है। इस एयरपोर्ट को जमीन देने वाले हजारों को 10 हजार करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। इसके लिए किसानों की लिस्ट तैयार हो चुकी है। साथ ही भूमि अधिग्रहण के लिए एक दर्जन से ज्यादा गांवों को चिह्नित भी कर लिया गया है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर सरकार की ओर से किसानों को मुआवजा देने और लैंड एक्विजिशन को लेकर किस तरह की प्लानिंग तैयार की है।

40 हजार किसानों का लगा जैकपॉट

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए जो किसान अपनी जमीन देने जा रहे हैं। उन्हें सरकार ने मोटा मुआवजा देने की प्लानिंग कर रही है। इसके लिए सरकार 10 हजार करोड़ रुपए का इंतजाम किया है। जानकारी के अनुसार तीसरे और चौथे फेज के लिए लैंड एक्विजिशन के लिए किसानों की लिस्ट तैयार की गई है। जानकारी के अनुसार 40 हजार किसानों की लैंड एक्वायर की जाएगी। 14 गांवों को लैंड के लिए चिह्नित किया गया है। इन किसानों को मुआवजे के लिए 10 हजार करोड़ देने की योजना बनाई जा रही है।

कितना मिलेगा मुआवजा?

जानकारी के अनुसार जेवर एयरपोर्ट के लिए 4 फेज में लैंड एक्वायर की जानी है। पहले फेज के लिए लैंड एक्वायर हो चुकी है और किसानों को 1800 रुपए प्रति वर्ग मीटर के तौर पर मुआवजा दिया गया है। तीसरे और चौथे फेज के लिए अब मुआवजे को बढ़ाया गया है। जिसकी रकम 4,300 रुपए प्रति वर्ग तय की गई है। जानकारी के अनुसार इस फेज में दो नए रनवे और 300 हेक्टेयर जमीन को एमआरओ हब के लिए रिजर्व रखा गया है। खास बात तो ये है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनने के बाद दुनिया का चौथा सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा। जिसमें शिकागो के ओहारे एयरपोर्ट की तर्ज पर 8 रनवे बनाने का प्लान है। इस एयरपोर्ट को सिर्फ कमर्शियल यूज के लिए ही नहीं बल्कि कार्गो यूज के लिए भी तैयार किया जा सकेगा। इस एयरपोर्ट के निर्माण की शुरुआत साल 2021 में पीएम मोदी के शिलान्यास से हुई थी। खबर है कि मई 2025 तक इस एयरपोर्ट पर कमर्शियल उड़ान शुरू हो जाएगी।

वहीं दूसरी ओर बल्लभगढ़ से जेवर एयरपोर्ट के बीच 31 किलोमीटर का ग्रीन फील्ड कॉरिडोर भी तैयार किया जाएगा।

क्या गोलगप्पे बेचने वाले ने कमा लिए 40 लाख और जीएसटी नोटिस भी मिल गया? लोगों की हैरानी आसमान पर

नई दिल्ली,4 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के एक पानी पूरी विक्रेता (गोलगप्पे बेचने वाले) को वर्ष 2023-24 में 40 लाख रुपये का ऑनलाइन पेमेंट हासिल करने के लिए जीएसटी नोटिस मिला है। ऐसा दावा करने वाला एक नोटिस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गया है और इसने रेडिट पर भी बहस छेड़ दी है। 17 दिसंबर, 2024 को जारी एक समन का फोटो इस समय सोशल मीडिया पर तैर रहा है जिसे तमिलनाडु माल एवं सेवा कर अधिनियम और केंद्रीय जीएसटी अधिनियम की धारा 70 के प्रावधानों के तहत जारी किया गया था। इसमें गोलगप्पे बेचने वाले को निजी रूप से उपस्थित होने और डॉक्यूमेंट पेश करने के लिए कहा गया है।

दिखाए गए समन में पानी पूरी बेचने वाले को कहा गया है, रेजरपे और फोनपे से मिली रिपोर्टों के आधार पर, आपको गुड्स या सर्विसेज की बाहरी सप्लाई के लिए यूपीआई पेमेंट हासिल हुए हैं और साल 2021-22, 2022-23 और 2023-24 के लिए मिले पेमेंट नीचे दिए गए हैं। इसमें 2023-24 में आपको 40 लाख रुपये मिले हुए दिखाए गए हैं। इस जीएसटी नोटिस ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है और कमेंट के मुताबिक देखें तो कुछ लोग सोच रहे हैं कि क्या अब अपना करियर बदलने का समय आ गया है! नोटिस में यह भी कहा गया है कि लिमिट पार करने के बाद भी जीएसटी रजिस्ट्रेशन हासिल किए बिना सामान/सेवाओं की सप्लाई करना अपराध है। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने नोटिस पर अलग-अलग तरह के रिएक्शन दिए हैं। हालांकि एबीपी न्यूज वायरल नोटिस की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं कर सकता है और ना ही लाइव मिंट ने ऐसा किया है। एक एक्स यूजर ने कहा। 40 लाख रुपये की रकम उसे हासिल हुई है और यह उसकी इनकम हो भी सकती है और नहीं भी।आपको रॉ मैटिरियल कॉस्ट, मैन पावर की कॉस्ट औक फिक्स्ड चार्जेज आदि को घटाना होगा। हो सकता है कि वह बस इतना ही कमा रहा हो, जिससे उसका गुजारा हो सके,एक दूसरे रेडिट यूजर ने कहा कि। उससे बेहतर होगा कि वह जीएसटी के तहत खुद को रजिस्टर्ड करवा ले। एक रेडिट यूजर ने इसे एक अच्छा कदम बताया और कहा, यह उन सभी बिजनेस मालिकों के लिए किया जाना चाहिए जो टैक्स नहीं देते हैं और बहुत ज्यादा कमाते हैं। हम टैक्सपेयर्स को उनकी वजह से ज्यादा टैक्स देना पड़ता है। हालांकि, कुछ यूजर ने नोटिस पर शक भी जताया और एक यूजर ने कहा, हां, पानीपुरी बेचकर इतनी कमाई करना मुमकिन है, लेकिन यह वास्तव में नकली लगता है, जिसे आसानी से फोटोशॉप किया जा सकता है।

पहली बार दिल्ली आ रही है देश की सबसे तेज ट्रेन, सवारी करनी है तो जान लीजिए किराया

नई दिल्ली,4 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली वालों को नए साल पर देश की सबसे तेज ट्रेन का तोहफा मिलने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार यानी 5 जनवरी, 2025 को साहिबाबाद और न्यू अशोक नगर के बीच दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के 13 किलोमीटर लंबे सेक्शन का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही नमो भारत ट्रेन अब दिल्ली पहुंचेंगी। अभी साहिबाबाद और मेरठ दक्षिण के बीच इस कॉरिडोर का 42 किलोमीटर लंबा हिस्सा चालू है जिसमें 9 स्टेशन हैं। साहिबबाद-न्यू अशोक नगर सेक्शन के खुलने के साथ ही नमो भारत कॉरिडोर का ऑपरेशनल सेक्शन 55 किलोमीटर तक बढ़ जाएगा। इसमें कुल 11 स्टेशन होंगे। रविवार शाम 5 बजे से आम लोग भी नमो भारत में दिल्ली से सफर कर सकेंगे। यह ट्रेन 15 मिनट की फ्रीक्वेंसी पर जनता के लिए उपलब्ध होंगी। न्यू अशोक नगर स्टेशन से मेरठ साउथ तक का किराया स्टैंडर्ड कोच के लिए 150 रुपये और प्रीमियम कोच के लिए 225 रुपये है। इस सेक्शन पर परिचालन शुरू होने से मेरठ शहर अब नमो भारत के जरिए दिल्ली से सीधे जुड़ जाएगा। इससे यात्रा का समय एक तिहाई कम हो जाएगा। यात्री न्यू अशोक नगर से मेरठ साउथ तक सिर्फ 40 मिनट में यात्रा कर सकेंगे। इस कॉरिडोर के 17 किमी लंबे प्राथमिक खंड (साहिबाबाद-दुहाई डिपो) का उद्घाटन 23 अक्तूबर 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। तबसे 50 लाख से ज्यादा लोग नमो भारत ट्रेनों में सफर कर चुके हैं।न्यू अशोक नगर से सराय काले खां और मेरठ साउथ से मोदीपुरम सेक्शन पर भी निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। साहिबाबाद-न्यू अशोक नगर सेक्शन पर 13 किलोमीटर में से 6 किलोमीटर हिस्सा अंडरग्राउंड है। इसमें कॉरिडोर का एक प्रमुख स्टेशन आनंद विहार भी शामिल है। यह पहली मौका है जब नमो भारत ट्रेनें अंडरग्राउंड सेक्शन में चलेंगी। न्यू अशोक नगर एलिवेटेड स्टेशन है। ये दोनों स्टेशन दिल्ली में स्थित हैं। 82 किलोमीटर की दूरी तय करने वाला दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर नई दिल्ली के सराय काले खां से शुरू होकर मेरठ के मोदीपुरम में समाप्त होता है। इसमें 16 नमो भारत स्टेशन और मेरठ मेट्रो के लिए 9 अतिरिक्त स्टेशन हैं। नमो भारत ट्रेन 180 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से चलने में सक्षम है। हालांकि अभी इसे 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलाया जा रहा है। यह भारत की सबसे तेज गति से चलने वाली ट्रेन है। वंदे भारत एक्सप्रेस भी 180 किमी की रफ्तार से दौड़ने में सक्षम है लेकिन इसकी औसत रफ्तार 95 किमी प्रति घंटे है। हाल में वंदे भारत के स्लीपर वर्जन ने ट्रायल के दौरान 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार हासिल की।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु	मे	धनु----	05-21 बजे
चंद्र-	कुंभ	मे	मकर...	07-27 बजे
मंगल	कर्क	मे	कुंभ -	09-18 बजे
बुध-	वृश्चिक	मे	मीन-	10-56 बजे
गुरु-	वृष	मे	मेष---	12-32 बजे
शुक्र-	कुंभ	मे	वृष---	14-17 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मिथुन	16-18 बजे
राहु-	मीन	मे	कर्क...	18-30 बजे
केतु-	कन्या	मे	सिंह---	20-42 बजे
			कन्या---	22-49 बजे
			तुला----	00-54 बजे
			वृश्चिक...	03-04 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य - उत्तरायणे - ऋतु - शिशिर
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-51 सूर्यास्त. - 17-51
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी . 20-15 तक उपरान्त सप्तमी
मास - पौष शुक्ल , रविवार 05 January
नक्षत्र - पूर्वभाद्रपद 20-17 तक उपरान्त उ.भाद्रपद
योग - व्यतिपात 07-31 तक उप वरियान
करण- कौलव 09-09 तक उप तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:31 से 17:54 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	06:51 - 08:12 अशुभ	शुभ.	17:51 - 19:31 शुभ
चंचल	08:12 - 09:35 शुभ	अमृत	19:31 - 21:08 शुभ
लाभ	09:35 - 10:58 शुभ	चंचल	21:08 - 22:45 शुभ
अमृत.	10:58 - 12:22 शुभ	रोग	22:45 - 00:22 अशुभ
काल. .	12:22 - 13:45 अशुभ	काल	00:22 - 01:59 अशुभ
शुभ	13:45 - 15:08 शुभ	लाभ	01:59 - 03:35 शुभ
रोग	15:08 - 16:31 अशुभ	उत्पात.	03:35 - 05:12 अशुभ
उत्पात	16:31 - 17:51 अशुभ	शुभ	05:12 - 06:51 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आपका दिमाग आज बहुत सक्रिय है ,आप उर्जा और प्रेरणा से भरे हैं । आपके दिमाग में नयी योजनायें आती रहेंगी जिन्हें आप आसानी से कार्यान्वित भी कर पायेंगे । आपकी समस्या आज यही रहेगी की आपके दिमाग में आज लगातार नए विचारों की बाढ़ सी आती रहेगी । आप अपने आसपास के सभी लोगों को भी अधिक प्रेरित कर पायेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आपने किसी परियोजना में अपना काफी समय और प्रयास लगाये हैं और आपको अब इसका फल मिलना शुरू हो जाएगा । दूरदृष्टि के साथ साथ आपके दृढ़ संकल्प और प्रयास भी रंग लाये हैं । आप कुछ नए बदलाव करना चाह रहे हैं ,लेकिन वित्तीय बाधाएं हैं । आज आप सीमित साधनों से ही इन कामों को पूरा करने के सृजनात्मक तरीके खोज लेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आप आज ऊर्जा से भरे हैं,आपके आकर्षण और कुशलता से आज घर-ऑफिस में सब प्रभावित होंगे । अपने दोस्तों या किसी ख़ास के साथ बाहर घुमने जाकर मजे करें । दिन शांत और तनावरहित रहेगा । आज अच्छा वित्तीय लाभ होने की सम्भावना तो बनी हुई है,लेकिन अपने खरीदारी के खर्चों पर भी नजर रखें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी । अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते । इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ । इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है ,लेकिन कई बार आपको ना चाहते हुए भी यह करना पड़ता है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा ,या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं । इसी समय आप अपने घर का नवीकरण ,नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । हालाँकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे,फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आज आप बहुत साहसिक अनुभव कर रहे हैं और अपना रास्ता खुद बनाने के लिए तैयार हैं । आप अपनी इच्छाशक्ति से सब मुश्किलों पर विजय प्राप्त कर लेंगे । आज आपकी तरक्की को कोई नही रोक सकता । इसीलिए अपने सभी मुश्किल काम आज करने की योजना बनाएं,सफलता आपके कदम चूमेगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आप आज उल्लास और कुछ कर गुजरने के मूड में हैं । आपके सामने आज भुत से अवसर आयेंगे और आप उनका पूरा लाभ उठाने के लिए बहुत उत्साह में हैं । आज अगर आप अपने दिल की सुनेंगे तो वित्तीय,निजी जीवन तथा संबंधों में भी बहुत सफलता मिलेगी । आज दिन घटनाओं भरा रहेगा और आप इसका हरपल आनंद उठाएंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आपकी एकाग्रता और विचारशक्ति इस समय अपने चरम पर है और इसीलिए आप अपने आसपास के लोगों की स्थिति के बारे में और भी संवेदनशील हैं । इससे आपको पिछले कुछ मतभेद सुलझाने में मदद मिलेगी । आप किसी ऐसे व्यक्ति के सम्पर्क में आ सकते हैं जिससे आप काफी पहले अलग हो गए थे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज आप खुद को उलझन में फंसा हुआ महसूस करेंगे । अपना भला चाहने वाले लोगों से उन चीजों के बारे में भी खुलकर बात करें,जो आपको परेशान कर रही हैं । अनिश्चितता के बादल एक सप्ताह में छंट जायेंगे । किसी परिजन या अन्तरंग दोस्त का साथ मिलेगा । बोलते हुए सावधान रहें । किसी की आपके शब्दों से ग़लतफ़हमी हो सकती है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आपके मुख्य शब्द आराम और राहत रहेंगे । आप पिछले कुछ दिनों से बहुत मेहनत कर रहे हैं और अब इस मेहनत का आनंद लेने की बारी है ,बहुत बड़ी पार्टी ना रखें । छुट्टी का दिन शांति से बिताएं । अपने किसी विशेष प्रियजन से बात कर लेने से आपको बहुत संतुष्टि मिलेगी।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं और आज आपको इसके लिए कई अच्छी संस्थाओं से प्रस्ताव भी मिलेंगे । छात्रवृति भी मिल सकती है । कोई आपका फायदा उठाने की ताक में है, प्रारम्भिक व्यवस्था करते हुए और सूचनाएं एकत्र करने में सावधान रहें । आपको आज गिरकर छोटी-मोटी चोट लग सकती है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आपकी निजी और व्यवसायिक जिन्दगी के बीच एक असंतुलन है । इसे दूर करने का एक ही तरीका है कि आप अपने प्रतिदिन के काम की योजना बनाएं,जो हर दिन की जरुरत के हिसाब से अलग हो । चिंता ना करें,आपके परिजन हाल-फिलहाल आपके उनके प्रति कम ध्यान के बावजूद आपके समर्पण को पहचान पाएंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

चचेरे भाई ने ही रची थी मुकेश के हत्या की साजिश !

छत्तीसगढ़ में युवा पत्रकार के मर्डर को लेकर बड़ा खुलासा

बस्तर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर में पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के बाद पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमें एक नया मोड़ आया है। बताया जा रहा है कि मुकेश चंद्राकर की हत्या के मुख्य आरोपी की पहचान उसके अपने चचेरे भाई के रूप में हुई है।

पुलिस ने जिन तीन आरोपियों को पकड़ा है उसमें मुकेश का चचेरा भाई रितेश चंद्राकर भी शामिल है।

दरअसल, 28 साल के युवा पत्रकार ने हाल ही में 120 करोड़ रुपए की सड़क परियोजना में कथित भ्रष्टाचार का खुलासा किया था। इसका काम ठेकेदार सुरेश चंद्राकर के पास था। खुलासे के बाद राज्य सरकार ने जांच शुरू की थी, जिससे ठेकेदारी लॉबी में हलचल मच गई थी। 1 जनवरी की रात को सुरेश के भाई रितेश ने मुकेश के साथ ठेकेदार की मीटिंग तय की थी। मुकेश मीटिंग करने पहुंचा और जब निकला तभी से उसका मोबाइल ऑफ हो गया। उधर मुकेश का भाई उसे ढूंढ रहा था। नहीं मिलने पर उसने थाने में मुकेश के गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा दी। पुलिस ने मोबाइल के लास्ट लोकेशन के आधार पर जब जांच शुरू की तो सुरेश की एक प्रॉपर्टी पर स्थित एक सेप्टिक टैंक में मुकेश की लाश मिली।

सेप्टिक टैंक में मिला था पत्रकार का शव, 'एडिटर्स गिल्ड' ने जताई चिंता, पत्रकारों को लेकर सरकार से की बड़ी मांग

मामला उजागर हुआ तो रिश्ते में आ गई कड़वाहट

पुलिस ने रितेश और परिवार के एक अन्य सदस्य दिनेश चंद्राकर के साथ तीन संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि सुरेश अभी भी फरार है। पुलिस के अनुसार मुकेश और रितेश अच्छे दोस्त थे। वे अक्सर उस जगह पर मिलते थे जहां पर मुकेश का शव मिला है।

सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले मुकेश के काम से दोनों के रिश्ते में कड़वाहट आ गई। हालांकि मुकेश के परिवार को कोई सीधी धमकी नहीं दी गई थी।

खाते सीज, गिरफ्तारी के लिए चार टीमें

गृहमंत्री ने बताया सुरेश चंद्राकर के खिलाफ कौन-कौन से एक्शन हुए, अवैध कब्जों पर चला बुलडोजर

बीजापुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में पत्रकार मुकेश चंद्राकर का अंतिम संस्कार कर दिया गया है। मुकेश के अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। दूसरी तरफ प्रशासन हरकत में आ गया है। सुरेश चंद्राकर के ठिकानों पर पुलिस और प्रशासन ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई की है। प्रशासनिक टीम ने ठेकेदार के सभी अवैध ठिकानों की पहचान कर बुलडोजर चलाया है। आरोपी ठेकेदार के उस फार्म हाउस में भी बुलडोजर चलाया गया है जहां पत्रकार मुकेश चंद्राकर का शव बरामद हुआ है।

वहीं, मामले की जानकारी देते हुए गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा- यह घटना लाल आतंक के खिलाफ हो रही कार्रवाई को कमजोर किया जाने का प्रयास है। मुकेश की हत्या में कांग्रेस नेता सुरेश चंद्राकर शामिल है। उन्होंने कहा कि आईपीएस मयंक गुर्जर के नेतृत्व में एसआईटी का गठन कर दिया गया है। आरोपियों के बैंक खाते को सील किया जा रहा है। तीन खातों को होल्ड कर दिया गया है। उसके कई अवैध निर्माणों पर कार्रवाई भी शुरू हो गई है। कांग्रेस नेता सुरेश चंद्राकर की गिरफ्तारी के लिए 4 टीमें भेजी गई हैं। गिरफ्तारी के उपरांत 3 से 4 हफ्तों में चालान पेश कर दिया जाएगा। प्रशासन ने घटना स्थल चट्टानपारा में बने अवैध परिसर को ध्वस्त कर दिया है। पुलिस ने मामले में सुरेश चंद्राकर के भाई समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। मुकेश चंद्राकर 1 जनवरी को लापता हो गया था। उसके बाद उसके परिजनों ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले में खोजबीन शुरू की थी। मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस सुरेश चंद्राकर के फॉर्म हाउस तक पहुंची थी। यहां सैप्टिक टैंक में मुकेश चंद्राकर का शव बरामद हुआ था। मुकेश चंद्राकर के शरीर में चोट के कई निशान मिले थे। पोस्टमार्टम के बाद शनिवार को मुकेश चंद्राकर का अंतिम संस्कार किया गया।

फिलहाल पुलिस इस मामले में मुख्य आरोपी की तलाश कर रही है। दावा किया जा रहा है कि सुरेश चंद्राकर की गिरफ्तारी हो गई है।

हाईकोर्ट बोला-माता-पिता से अलग रहने की जिद पति पर क्रूरता

बार-बार मायके चली जाती थी पत्नी तलाक मंजूर, 5 लाख देना होगा गुजारा भत्ता

बिलासपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। दरअसल, मुंगेली जिले के नवागांव निवासी महिला की शादी 2 मई 2017 को बेमेतरा निवासी युवक से हुई थी। उनकी शादी हिंदू रीति-रिवाज के साथ हुई थी। शादी के 6 महीने तक सब ठीक रहा, लेकिन अचानक उसकी पत्नी का व्यवहार बदल गया। बार-बार मायके जाने की जिद करने लगी। इसके बाद अपने पति को उसके माता-पिता से अलग रहने के लिए दबाव बनाने लगी। पति ने आरोप लगाया कि, पत्नी का व्यवहार धीरे-धीरे बदल गया। छोटी-छोटी बातों पर झगड़ा करने लगी, लेकिन युवक अपने माता-पिता से अलग नहीं रहना चाहता था।

इस दौरान महिला ने अपने पति और सास-ससुर को परेशान करने के लिए घरेलू हिंसा का झूठा केस दर्ज करा दिया। आपराधिक केस दर्ज कराने के बाद पति ने तलाक के लिए फैमिली कोर्ट में परिवाद पेश किया, जिसमें उसने प्रमाण के साथ बताया कि उसकी पत्नी उसे मानसिक रूप से परेशान करती है। फैमिली कोर्ट को पति ने बताया कि, उसकी पत्नी हर 15-20 दिन में मायके चली जाती थी, जिसके बाद वापस आने पर उसका व्यवहार क्रूर हो जाता था। पति ने यह भी बताया कि, 15 अप्रैल 2019 से उसकी पत्नी अपने पिता के घर में ही रह रही है। पति जब उसे लेने गया तो उसने साथ आने से इनकार कर दिया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद फैमिली कोर्ट ने 23 नवंबर 2019 को पति के पक्ष में तलाक का आदेश जारी किया। साथ ही पत्नी को हर महीने 5 हजार रुपए भरण पोषण देने का आदेश दिया। फैमिली कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए पत्नी ने हाईकोर्ट में अपील की।

मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने माना कि, पति ने मानसिक क्रूरता का आरोप साबित किया है।

हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी के व्यवहार के कारण फैमिली कोर्ट से जारी तलाक का आदेश न्यायोचित है। कोर्ट ने पत्नी की अपील को खारिज करते हुए उसे भरण-पोषण के लिए एकमुश्त 5 लाख रुपए स्थायी गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया है।

25 फीट गहरी खाई में गिरी कार, 2 कर्मचारियों की मौत

कोरबा, 4 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर 25 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 2 एसईसीएल कर्मचारियों मौत हो गई, जबकि 2 लोगों की हालत गंभीर है। वहीं, हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए हैं। घटना बागो थाना क्षेत्र के मोरगा चौकी की है। जानकारी के मुताबिक, मरने वालों की पहचान गणेश प्रजापति (35) और रुद्रेश्वर गोड (35) के रूप में हुई है। हादसे के दौरान कार के नीचे दब गए थे। गणेश कुसमुंडा एसईसीएल में सीपीएल विभाग में काम करता था। वहीं रुद्रेश्वर केबल विभाग में पदस्थ था। बताया जा रहा है कि, यह दोनों बिहारी प्रजापति और श्यामलाल प्रजापति के साथ कार पर सवार होकर शनिवार सुबह कुसमुंडा से सूरजपुर श्री नगर कोटपटना जा रहे थे। इस दौरान मदनपुर घाटी के पास कार बेकाबू होकर खाई में जा गिरी।

हादसा इतना भीषण था कि, कार कई बार पलटी खा गई, जिससे एक हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। राहगीरों की मदद से घायलों को बाहर निकला गया। तत्काल 108 के जरिए अस्पताल ले जाया गया। जहां दोनों घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं, मोरगा पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और कार में फंसे शव को बाहर निकाला। पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है। फिलहाल, मामले की जांच जारी है।

जेएसएससी सीजीएल पेपर लीक, सीआईडी ने दर्ज किया केस

सीआईडी डीआईजी के नेतृत्व में बनी एसआईटी आमलोगों और परीक्षार्थियों से मांगे सबूत

रांची, 4 जनवरी (एजेंसियां)। जेएसएससी सीजीएल पेपर लीक मामले में पुलिस की ओर से बड़ा कदम उठाया गया है। इस मामले में सीआईडी ने पहले एक केस टेकओवर कर चुकी है। अब सीआईडी ने नई केस दर्ज की है। यह केस जेएसएससी की ओर से दर्ज शिकायत के बाद की गई है। जेएसएससी की ओर से सीआईडी में दर्ज कराई गई एफआईआर में बताया गया है कि 21 और 22 सितंबर को परीक्षा आयोजित हुई थी। परीक्षा पूरी तरह कदाचार व पेपर लीक से मुक्त थी, लेकिन परीक्षा के बाद कुछ लोगों ने फर्जी वीडियो और तस्वीरें वायरल कर परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए गए हैं।

पेपर लीक माले में एक शिकायत रातू थाने में दर्ज कराई गई है। यह मामला राजेश कुमार के बयान पर 18 दिसंबर को दर्ज हुआ था। केस के आईओ अमर पांडेय बनाए गए थे। इस केस को भी सीआईडी ने टेकओवर किया है। इस केस और जेएसएससी की शिकायत पर की गई केस की संयुक्त जांच एसआईटी करेगी। इसके लिए सीआईडी डीआईजी के नेतृत्व में टीम बनी है।

जेएसएससी सीजीएल पेपर लीक मामले में झारखंड हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव व जस्टिस दीपक रोशन की खंडपीठ ने सुनवाई करते हुए तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा सीजीएल परीक्षा-2023 का परिणाम अगले आदेश तक घोषित नहीं करने की भी बात कही। प्रतिवादी राज्य सरकार, मुख्य सचिव, गृह विभाग के प्रधान सचिव व सदर थाना प्रभारी को प्रार्थियों द्वारा की गयी शिकायत पर तत्काल एफआईआर दर्ज करने, आरोपों की जांच करने और अगली सुनवाई की तारीख तक जांच का स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है।

झारखंड पुलिस सीआईडी जांच और एसआईटी के साथ-साथ आमलोगों और परीक्षार्थियों से भी मदद मांगी है। पुलिस ने उनसे सबूत देने की अपील की है। डीजीपी अनुराग गुप्ता के मुताबिक राज्य में विज्ञापन के जरिए आमलोगों तक सूचना पहुंचाई गई है कि किसी भी व्यक्ति के पास पेपर लीक से जुड़ा कोई साक्ष्य हो तो इसे सीआईडी को उपलब्ध कराएं। इन साक्ष्यों को भी जांच में शामिल किया जाएगा।

युवक की गोली मारकर हत्या

किसी का फोन आने पर निकला था घर से बाहर, पीठ में मारी गोली

साहिबगंज, 4 जनवरी (एजेंसियां)। साहिबगंज में शनिवार को दिनदहाड़े एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। युवक किसी के फोन आने पर पैदल ही घर से बाहर निकला था।

युवक को पीछे से पीठ पर गोली मारी गई, जो शरीर को छेदते हुए बाहर निकल गई। घटना जीरवा बड़ी थाना क्षेत्र के पशुपालन कार्यालय के मुख्य सड़क के नजदीक हुई।

मृतक की पहचान फूल डेकोरेशन का काम करने वाले दिलीप तांती के पुत्र नवल कुमार उर्फ बड़कू के रूप में की गई। वो गुल्ली भट्टा के पांच मोड़वा के पास रहता था। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस युवक को अस्पताल ले गई। यहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वहीं, नगर थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक अमित कुमार गुप्ता और जीरवा बाड़ी थाना प्रभारी पंकज कुमार दुबे पहुंचे और मामले की छानबीन में जुट गए हैं। घटना के कारण का अभी खुलासा नहीं हुआ है। इधर, मृतक के बड़े भाई गौतम कुमार ने बताया कि मेरे भाई के मोबाइल पर एक व्यक्ति का 10:30 बजे फोन आया। नवल बोला- मैं थोड़ी देर में आ रहा हूं। उसके बाद यह घटना हुई है। परिजनों ने फिलहाल किसी पर शक जाहिर नहीं किया है।

लखमा बोले- घोटाला हुआ ये मैं कबूल नहीं रहा

कहा- मैंने भी ईडी अफसरों से सवाल पूछा- शराब कंपनियों पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही

रायपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा से शुक्रवार को ईडी ने करीब 8 घंटे पूछताछ की। ईडी दफ्तर से निकलने के बाद लखमा ने कहा कि अफसरों ने चाय-नाश्ता पूछा तो चाय नहीं पीता हूं कर इनकार कर दिया। दफ्तर में ढेबर और त्रिपाठी के रोल से जुड़े सवाल भी किए गए।

लखमा ने कहा कि मैं ईडी के अधिकारी से छोटा सा सवाल पूछा हूं। घोटाला हुआ ये तो मुझे पता नहीं। मैं घोटाला हुआ कबूल कर नहीं रहा हूं, लेकिन ईडी जांच कर रही है, कुछ अधिकारी अंदर हैं। दो नंबर की शराब बिकी बोल रहे हैं, तो क्या अधिकारी के घर में शराब बनती थी। लखमा ने कहा कि शराब बनाने वाली 3 कंपनियां थीं, उनके ऊपर कार्रवाई क्यों नहीं हुई। दारू बनाने वालों के खिलाफ जांच करिए। साथ ही बताया कि ईडी के अफसरों ने रुपए के लेन-देन, संपत्ति, शराब खरीदी को लेकर होने वाली विभागीय मीटिंग के बारे में भी सवाल किए।

इस पर लखमा ने कहा कि कोई बदतमीजी नहीं हुई। अंदर कोई परेशानी नहीं हुई। लखमा ने आगे बताया कि, मुझसे कुछ कागज मांगे गए थे। मैंने दे दिए हैं। संपत्ति के बारे में मुझसे पूछा गया। पत्नी-बेटी की प्रॉपर्टी के डॉक्यूमेंट बाद में दे दूंगा। 2 से 4 दिन का समय मांगा है। कवासी लखमा ने कहा कि, अंदर जो बात हुई सार्वजनिक करना अच्छा नहीं है। कानून को मानता हूं। मैं कानून को मानने वाली कांग्रेस पार्टी में मेंबर हूं, तो वह सब बोलना ठीक नहीं है, लेकिन जानबूझकर बीजेपी ने मुझे परेशान किया है।

लखमा ने कहा कि मैंने विधानसभा में बस्तर के गरीब लोगों की आवाज एनएमडीसी, बैलाडीला का मुद्दा और सालवा जुडुम की वजह से विस्थापितों का मुद्दा उठाया। इस वजह से यह सब हुआ। मैं गरीब व्यक्ति हूं। आदिवासी आदमी हूं तो आदिवासी गरीब लोगों के लिए बात करना मेरी संवैधानिक जिम्मेदारी भी है।

विधानसभा में रोड के बारे में पुल-पुलिया के बारे में मैंने बात की। उसी से नाराज होकर बीजेपी परेशान कर रही, लेकिन मैं गरीब आदमी हूं। गरीबों की लड़ाई अंतिम तक लड़ूंगा और जब तक जिंदा रहूंगा बस्तर के लिए लड़ूंगा।

कवासी लखमा के बेटे हरीश कवासी को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया था। बाहर आकर हरीश कवासी मीडिया के सवालों से बचते दिखे। अंदर की बातचीत के बारे में कुछ नहीं बताया। पिता को लेकर सिर्फ इतना ही कहा कि, एक ही तो आदमी है कवासी लखमा, जो बस्तर की बात करता है, इसलिए राजनीति की वजह से यह सब किया जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक, कवासी लखमा ने कांग्रेस सरकार के समय चलाए गए शराब के सिस्टम को लेकर ईडी को जानकारी दी है। लखमा पर अफसरों ने एक्शन का दबाव भी बातचीत में बनाया। लखमा इस पूछताछ में कई बार खुद के अनपढ़ होने, दस्तावेज में क्या लिखा था, समझ नहीं आने की बात ईडी के अफसरों को कन्फ्यूज भी कर रहे थे। हालांकि ईडी ने आधिकारिक तौर पर इस पूछताछ को लेकर कुछ नहीं कहा है। लखमा के घर पर छापे के बाद निदेशालय ने पूर्व मंत्री के कमीशन लेने की बात कही थी। अब इस केस में जल्द ही ईडी कुछ नई गिरफ्तारियां करने की तैयारी में है।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले मामले में ईडी जांच कर रही है। ईडी ने एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई है। दर्ज एफआईआर में दो हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के अवैध सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था।

चंदा जुटाकर 16 करोड़ के लगवाए इंजेक्शन, नहीं हुआ फायदा

पुरानी स्थिति में लौट रहा रायगढ़ का छयंग, एसएमए से पीड़ित है 4 साल का बच्चा

रायगढ़, 4 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में 4 साल का छयंग नायक एसएमए टाइप 1 (स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी) की बीमारी से पीड़ित है। किसान माता-पिता ने छयंग को चंदा और लकी ड्रा की मदद से 16 करोड़ रुपए के इंजेक्शन लगवाए, लेकिन कुछ ज्यादा फायदा नहीं हुआ। वह फिर से पहले जैसी स्थिति में लौट रहा है।

छयंग नायक के हाथ-पैर काम करना बंद कर दिए हैं। वह बोल भी नहीं सकता, फिर से कमजोर होने लगा है। छयंग के मां-बाप फिर से परेशान होने लगे हैं। उनका कहना है कि बच्चे की जिंदगी ऊपर वाले के हाथ में है। सरकार से भी मदद नहीं मिल रही है। मां कहती हैं कि बेटे को देखकर बहुत दुख होता है।

छयंग पुसौर ब्लॉक के पुरंगा गांव का है। पैदा होने के 6 महीने बाद उसके हाथ-पैर और कमर काम करना बंद कर दिए। माता-पिता किसान हैं। इलाज के लिए कई अस्पतालों में ले गए, लेकिन वहां ठीक नहीं हुआ।बीमारी के बारे में पता चलते ही परिवार चिंता में आ गया, क्योंकि एक इंजेक्शन 16 करोड़ का था। परेशान माता-पिता ने क्राउड फंडिंग के जरिए उसका इलाज कराने की कोशिश की, लेकिन सिर्फ 3 लाख 39 हजार 304 रुपए ही जुटा पाए। इसी बीच एक दवा कंपनी के लकी ड्रा में छयंग का नाम निकला। 17 फरवरी 2022 को 14 महीने की उम्र में उसे मुंबई के एक अस्पताल में जोलगेनेस्मा इंजेक्शन लगाया गया। इलाज के बाद परिवार समेत छयंग अपने घर आ गया। धीरे-धीरे उसके शरीर पर सुधार आने लगा। पहले की अपेक्षा हाथ अधिक मूवमेंट होने लगा। थोड़ी बहुत बोलने भी लगा। बैठना भी शुरू कर दिया। परिवार को लगा कि अब उनका बेटा अपने पैरों पर खड़ा हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इंजेक्शन लगने के दो साल बाद भी छयंग के पैरों में ताकत नहीं आई है। छयंग के माता-पिता उसे गोद में उठाकर एक जगह से दूसरी जगह ले जाते हैं।

छयंग की दो बड़ी बहनें हैं। एक 9 साल की और दूसरी 7 साल की। वे अपने भाई के साथ खेलती हैं, लेकिन जब बच्चे घर के बाहर खेलते हैं, तो छयंग दूर से बैठकर उन्हें देखता है।

पैरों में ताकत न होने के कारण वह न तो खुद खड़ा हो पाता है और न ही कहीं जा पाता है। इंजेक्शन लगने के बाद भी छयंग को हर 6 महीने में मुंबई इलाज के फीडबैक के लिए जाना पड़ता है। वहां डॉक्टर उसकी कंडीशन को देखते हैं। अब तक उसे 4-5 बार ले जाया जा चुका है, लेकिन आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं होने से छयंग के परिजन भी अब परेशान होने लगे हैं। हांलाकि फिजियोथेरेपी के लिए गांव से रायगढ़ अक्सर आते हैं। उसे दवा के रूप में विटामिन, कैल्शियम और प्रोटीन दिया जाता है। छयंग के पिता नरेन्द्र कुमार नायक का कहना है कि, एसएमए बीमारी से पीड़ित बच्चों के लिए बिहार शासन हर महीने 3 हजार रुपए पालन पोषण के लिए देती है। हमने भी 3 महीने पहले छत्तीसगढ़ सरकार को आर्थिक मदद के लिए पत्र लिखा था, लेकिन सहायता के लिए अब तक कोई मदद नहीं मिल सकी है।

छयंग की मां पद्मनी नायक ने बताया कि, छयंग अब भी बहुत संघर्ष कर रहा है। उसे इस तरह संघर्ष करते देखकर बहुत दुख होता है। उसके उम्र के बच्चे स्कूल जा रहे हैं, लेकिन वो अपने जीवन से संघर्ष कर रहा है।

स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) एक आनुवंशिक बीमारी है, जो खासतौर से ब्रेन की नर्व सेल्स और रीढ़ की हड्डी (मोटर न्यूरॉन्स) को नुकसान पहुंचाती है। मोटर न्यूरॉन्स हाथ, पैर, छाती, गले, चेहरे और जीभ के साथ-साथ मांसपेशियों की गतिविधियों जैसे- चलना, बोलना, निगलना और सांस लेना आदि कंट्रोल करने का काम करते हैं।

13वें महाधिवेशन की तैयारी में जुटा जेएमएम

रांची, 4 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड मुक्ति मोर्चा जल्द ही अपना 13वां महाधिवेशन करने जा रहा है। यह महाधिवेशन इस बाहर महत्वपूर्ण होने जा रहा है। इस अधिवेशन में बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी हिस्सा लेगी या नहीं इस पर चर्चा की जाएगी। हालांकि पार्टी सूत्रों के मुताबिक बिहार के 12 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ने की तैयारी पार्टी कर रही है। जेएमएम बिहार विधानसभा चुनाव पहले भी लड़ चुकी है। पिछले चुनाव में भी उम्मीदवार उतारे थे पर सफलता हाथ नहीं लगी। बिहार विधानसभा चुनाव को मद्देनजर रखते हुए आयोजित किए जा रहे इस महाधिवेशन में 6 राज्यों के 3 हजार प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं। ये प्रतिनिधि बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, असम और तमिलनाडु समेत देश भर से होंगे। झारखंड से सटे बिहार के बॉर्डर इलाके में जेएमएम समर्थकों की बड़ी संख्या है। यही स्थिति बंगाल और ओडिशा राज्यों में भी है। ऐसे में पार्टी को उम्मीद है कि बड़ी संख्या में समर्थकों का जुटान होगा। जानकारी के मुताबिक अभी तारीख और स्थल तय नहीं किया गया है। जल्द ही इसकी घोषणा होगी। महाधिवेशन के दौरान ही केंद्रीय समिति का पुनर्गठन होगा। वहीं, जिला अध्यक्ष से लेकर अन्य पदों पर नियुक्ति का फैसला भी महाधिवेशन में ही होगा। इसी साल बिहार में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में जेएमएम 12 सीटों पर उम्मीदवार उतारे जाने को लेकर राजद-कांग्रेस गठबंधन से दावेदारी करेगी। इसके लिए पार्टी बहुत जल्द कांग्रेस और राजद से बातचीत करेगी। जेएमएम जिन सीटों को लेकर अपनी दावेदारी करेगी उनमें तारापुर, कटोरिया, मनिहारी, झाझा, बांका, जमालपुर, पीरपैंती और चकाई है।

मां ने डेढ़ वर्षीय बेटी को मार डाला

गुमला, 4 जनवरी (एजेंसियां)। गुमला जिला के घाघरा थाना क्षेत्र के बड़ाअजियातु गांव में फूलमानी देवी ने अपनी डेढ़ वर्षीय बेटी नीतू कुमारी की हत्या कर दी। मां ने सब्जी काटने वाले हथियार से गला रेत दी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पहुंची। शव को कब्जे में कर पोस्टमॉर्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया। आरोपी मां फूलमानी देवी को पुलिस हिरासत में लेकर ली। घटना के संबंध में महिला के पति कैलाश गोप ने बताया कि शुक्रवार की देर रात वह घर में खाना बना रहा था। इसी क्रम में अपनी पत्नी फूलमानी देवी को बच्ची को गरम कपड़ा पहनाने की बात कही। जिस पर उसकी पत्नी अचानक से बच्ची को लेकर गई और घर में रखी सब्जी काटने वाले औजार से गर्दन रेत दी। हल्की आवाज होने के बाद जब वह घर में देखा कि उसकी पत्नी ने बच्ची की गला रेतकर हत्या कर दी है। इसके बाद आसपास के लोगों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पहुंचा। आरोपी फूलमानी देवी को हिरासत में लेकर थाना आया। कैलाश गोप ने यह भी बताया कि उसकी पत्नी की मानसिक स्थिति खराब है।

एनआईए की 8 सदस्यीय टीम ने मारी रेड

बोकारो, 4 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में शनिवार को एनआईए की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। बोकारो जिले के गोमिया में एनआईए की 8 सदस्यीय टीम पहुंची और नक्सली समर्थकों की जानकारी खंगालने में जुट गई। एक साथ कई घरों में टीम पहुंची और लोगों से पूछताछ कर जरूरी जानकारी जुटाई। सूत्रों के अनुसार, इस दौरान टीम ने कई लोगों के मोबाइल भी जब्त किए। बोकारो के एसपी मनोज स्वर्गीयारी ने जिले में एनआईए की ओर से की गई छापेमारी की पुष्टि की है। यह छापेमारी गोमिया के चतरोचट्टी में की गई है। बोकारो पुलिस भी एनआईए की टीम के साथ है। वहीं, एनआईए की टीम हजारीबाग के विष्णुगढ़ स्थित नवादा गांव पहुंची। यहां भी एक घर में छापेमारी कर लोगों से पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार, एनआईए की टीम ने गोमिया के झुमरा पहाड़ के क्षेत्रों में छापेमारी की है। झुमरा पहाड़ और उसके आसपास के गांव नक्सल प्रभावित क्षेत्र हैं। यहां कई बार पुलिस और नक्सलियों में मुठभेड़ भी हो चुकी है। पिछले सप्ताह शुक्रवार को एनआईए की टीम गिरिडीह पहुंची थी। यहां नक्सली कृष्णा हांसदा से जुड़े मामले को लेकर कई घरों में छापेमारी की गई थी। जिन घरों में टीम ने छापेमारी की है, वे घर नक्सलियों के लिए काम करने वाले संदिग्ध और ओवर ग्राउंड वर्करों के हैं। लगभग पूरे दिन चली कार्रवाई में टीम ने न केवल घरों की तलाशी ली बल्कि उनसे जुड़े दूसरे परिसरों की भी जांच की।

जांच के दौरान कई मोबाइल फोन और सिम कार्ड आदि जब्त किए गए। अब टीम इन सबकी जांच कर रही है।

एनआईए की टीम ने नक्सल प्रभावित क्षेत्र पारसनाथ, मधुबन, पीरटांड समेत अन्य इलाकों में ताबड़तोड़ छापेमारी की है।

मस्क ने ब्रिटिश किंग से संसद भंग करने को कहा

बोले– पाकिस्तानी गैंग ने 1400 बच्चियों का शोषण किया, पीएम स्टार्मर रोकने में नाकाम रहे

लंदन, 4 जनवरी (एजेंसियां)। टेस्ला चीफ इलॉन मस्क ने शुक्रवार को ब्रिटिश किंग चार्ल्स से संसद को भंग करने की अपील की है। उन्होंने ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर पर आरोप लगाया कि 15 साल पहले जब वे पब्लिक प्रॉसिक्यूशन के डायरेक्टर थे तब वे रेप पीड़िताओं को सजा दिलाने में नाकाम रहे थे। ब्रिटेन में ऐतिहासिक गैंग रेप का मामला अभी सुर्खियों में है। खास तौर पर 1997 से 2013 के बीच 'रॉदरहैम स्कैंडल' ने लोगों का ज्यादा ध्यान खींचा है, जिसे 'ग्रूमिंग गैंग स्कैंडल' के नाम से जाना जाता है। हाल ही में कंजर्वेटिव पार्टी ने यौन शोषण कांड के जांच की मांग की थी, लेकिन लेबर पार्टी की सरकार ने इससे इनकार कर दिया था। साल 2022 में एक रिपोर्ट जारी हुई थी। इसमें बताया गया था कि इंग्लैंड के रॉदरहैम, कॉर्नवाल, डर्बीशायर, रोशडेल और ब्रिस्टल शहर में साल 1997

से 2013 के बीच कम से कम 1400 नाबालिग बच्चियां यौन शोषण की शिकार बनीं थीं। आरोपियों में सबसे ज्यादा पाकिस्तानी मूल के लोग थे। ज्यादातर लड़कियों को एक संगठित गैंग ने बहला-फुसलाकर शिकार बनाया और उनकी तस्करी कर दी गई थी। सबसे पहला मामला रॉदरहैम शहर का था। इसके बाद जांच करने पर उत्तरी इंग्लैंड के कई शहरों में इसी तरह के और भी मामले सामने आए।

मस्क ने आरोप लगाया कि पीड़ितों के बार-बार सामने आने के बाद भी कानून लागू करने वाली एजेंसियां और समाज सेवा करने वाले इस मामले में सही कार्रवाई और बच्चों की सुरक्षा करने में लगातार विफल रही। हालांकि ब्रिटेन की लेबर पार्टी मस्क के आरोपों को लेकर नाराजगी जताई। ब्रिटेन के स्वास्थ्य सचिव वेस स्ट्रीटिंग ने शुक्रवार को कहा

ब्रिटेन में ग्रूमिंग गैंग्स का मतलब उन लोगों के ग्रुप से है जो बच्चों का शारीरिक, मानसिक और यौन शोषण करते हैं। इनमें ज्यादातर कम उम्र की लड़कियां होती हैं। ये अपनी बातों में फंसाते हैं, उन्हें विश्वास दिलाते हैं कि वे उनके दोस्त हैं। जब बच्चे उन पर विश्वास करने लगते हैं तो उन पर दबाव बनाकर, डरा-धमका कर काबू में रखते हैं और उनका फायदा उठाते हैं।

इन लड़कियों को पार्टियों में ले जाया जाता है, शराब और ड्रग्स दिए जाते हैं। फिर इनसे कई लोगों के साथ संबंध बनाने के लिए मजबूर किया जाता।

दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला का निधन

टोक्यो, 4 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे बुजुर्ग इंसान तोमिको इतूका का 116 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उनकी मौत 29 दिसंबर को ह्योगो प्रांत के एक नर्सिंग होम में हुई। जापान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को उनकी मौत की पुष्टि की। इतूका का जन्म 23 मई, 1908 को पश्चिमी जापान के आशिया शहर में हुआ था। वह 3 भाई-बहनों में सबसे बड़ी थीं। इतूका की शादी 20 साल की उम्र में हुई थी। उनके 4 बच्चे और 5 पोते-पोतियां हैं। इतूका के पति का निधन साल 1979 में हुआ था। इतूका की मौत की वजह अत्यधिक उम्र का होना बताया गया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने सितंबर 2024 में इतूका को दुनिया की सबसे बुजुर्ग इंसान के रूप में मान्यता दी थी। s

भारत से डायलॉग शुरू करना चाहता है पाकिस्तान

कहा– टैंगो के लिए दो की जरूरत, भारत का जवाब– पाक के मामले में टी का मतलब टेररिज्म

इस्लामाबाद, 4 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने भारत से फिर से बातचीत शुरू करने की इच्छा जताई है। डार ने गुरुवार को दोनों देशों में संबंध सुधारने की अपील करते हुए कहा कि टैंगो (डायलॉग) के लिए दो की जरूरत होती है। उन्होंने दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों को बेहतर बनाने के लिए पॉजिटिव माहौल बनाने की बात कही।

बता दें कि टैंगो आपसी बातचीत का एक तरीका है। इसमें लोग बारी बारी अपनी बात कहते हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को इशाक डार के इस बयान पर जवाब देते हुए कहा कि पाकिस्तान के मामले में टी का मतलब टैंगो नहीं बल्कि टेररिज्म होता है। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिकी अखबार वॉशिंगटन पोस्ट की उन रिपोर्ट्स को भी सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें दावा किया गया था कि भारत, 2021 से पाक में करीब आधा

रणधीर जायसवाल

दर्जन आतंकियों की हत्या करा चुका है। रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान को अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन का बयान भी याद दिलाया। जायसवाल ने कहा कि क्लिंटन ने पाकिस्तान को लेकर कहा था कि आप बैकयार्ड (घर का पिछला हिस्सा) में यह सोचकर सांप नहीं पाल सकते कि यह सिर्फ आपके पड़ोसियों को ही काटेगा। कभी न कभी वे सांप उसी पर हमला करेंगे जिसके बैकयार्ड में वे होंगे।

दरअसल 2011 में हिलेरी क्लिंटन ने इस्लामाबाद में तत्कालीन पाकिस्तानी विदेश मंत्री हिना रब्बारी खान के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया था। तब क्लिंटन ने पाकिस्तान से कहा था कि उन्हें अपने देश के लोगों के हित में चरमपंथियों के लिए सुरक्षित पनाहगारों को खत्म कर देना चाहिए।

वॉशिंगटन पोस्ट में 31 दिसंबर को एक रिपोर्ट छपी थी। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने विदेशों में देश के दुश्मनों को मारने के लिए एक 'असेसिनेशन प्रोग्राम' शुरू किया है। आरएडब्ल्यू इसके तहत पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद के आतंकवादियों की हत्या करने में सफल भी हुआ है।

रिपोर्ट में यह कहा गया है कि भारत ने पाकिस्तान में जो हत्याएं कराई हैं, उनमें अफगानिस्तानी लोगों या फिर छोटे अपराधियों की मदद ली गई है। इसमें कभी भी कोई भारतीय नागरिक शामिल नहीं रहा। भारत ने 2019 में जम्मू कश्मीर से आर्टिकल 370 को खत्म कर दिया था। इसके बाद से भारत-पाक के बीच कोई व्यापारिक रिश्ते नहीं है। पाकिस्तान लगातार 370 खत्म करने के खिलाफ विरोध जाहिर करता रहा है।

साल 2022 की विनाशकारी बाढ़ के बाद से पाकिस्तान की इकोनॉमी गंभीर हालत में है। देश कमरतोड़ महंगाई का सामना कर रहा है।

राजनीतिक अस्थिरता की वजह से लोगों की परेशानियां बहुत ज्यादा बढ़ गई हैं। पाकिस्तान सरकार को देश चलाने के लिए लगातार आईएमएफ और सहयोगी देशों से कर्ज लेना पड़ रहा है। वहीं भारत से बिजनेस बंद होने की वजह से उसे भारतीय माल दूसरे देशों के रास्ते बुलाना पड़ रहा है।

टेस्ला ट्रक ब्लास्ट आतंकी घटना नहीं

पुलिस ने सुसाइड बताया, 6 दिन पहले ही पत्नी से ब्रेकअप हुआ था

वॉशिंगटन, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के लास वेगास में 1 जनवरी को ट्रम्प होटल के बाहर हुए ट्रक ब्लास्ट मामले को एफबीआई ने सुसाइड की घटना बताया है। इस ब्लास्ट की वजह से 7 लोग घायल हो गए थे। एफबीआई ने टेस्ला ट्रक के अंदर मृत पाए गए शख्स की पहचान कोलोराडो के एक अमेरिकी सैनिक मैथ्यू लिवेल्सबर्गर (37 साल) के रूप में की है।

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक मैथ्यू का कुछ दिन पहले पत्नी से झगड़ा हुआ था, जिसके बाद उसने उससे संबंध तोड़ लिया था। मैथ्यू की एक बेटी भी है। ऐसी आशंका जाहिर की गई है कि लिवेल्सबर्गर की पत्नी को उसके अफेयर के बारे में पता चल गया था। क्रिसमस के अगले दिन लिवेल्सबर्गर का पत्नी से इसी बात पर झगड़ा हुआ था। इसके बाद वह अपने घर कोलोराडो स्प्रिंग्स से चला गया था। मैथ्यू अमेरिकी सेना में 19 साल से काम कर रहा था। उसने ब्लास्ट से पहले अपने सिर में गोली मारी थी। ट्रक में आतिशबाजी का सामान भी रखा हुआ था। इसमें कैसे आग लगी अभी तक पता नहीं चला है। एफबीआई ने यह भी कहा कि उनके पास ऐसी कोई जानकारी नहीं है जो लिवेल्सबर्गर का किसी आतंकी संगठन से संबंध बताती हो। एफबीआई ने कहा कि इस घटना में शामिल मैथ्यू लिवेल्सबर्गर (37 साल) सेना से कुछ दिनों की छुट्टी लेकर आया था। लास वेगास आने से पहले उसने 28 दिसंबर को टेस्ला ट्रक भाड़े पर लिया था। एफबीआई ने बताया कि साइबर ट्रक में मिला शव इतना जल चुका था कि इसकी पहचान करना मुश्किल था। बाद में पहचान पत्र, पासपोर्ट और क्रेडिट कार्ड की जानकारी के आधार पर शव की पहचान मैथ्यू लिवेल्सबर्गर के तौर पर की गई। उसके सिर पर गोली लगी थी और पैरों के पास एक बंदूक पड़ी थी।

एफबीआई ने कहा कि उन्हें अभी तक नए साल के दिन न्यू ऑरलियंस ट्रक हमले और उसी दिन बाद में लास वेगास में हुए साइबरट्रक विस्फोट के बीच कोई कनेक्शन नहीं मिला है। न्यू ऑरलियंस हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई थी और करीब 30 लोग घायल हुए थे।

अमेरिका में हाल ही में हुए दोनों घटनाओं में आरोपी अमेरिकी सेना से जुड़ा कर्मचारी निकला है। जिनमें अफगानिस्तान, फोर्ट ब्रैग, नॉर्थ कैरोलिना में काम किया था। वहीं, दोनों ने एक टीम में रहकर काम किया था नहीं इस बारे में कोई स्पष्ट जानकारी अभी नहीं मिली है। साथ ही दोनों आरोपियों के एक दुसरे के बीच दोस्ती की भी कोई जानकारी नहीं मिली है।

अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक लिवेल्सबर्गर यूएम आर्मी के ग्रीन बैरेट में शामिल था और 10वें स्पेशल फोर्स ग्रुप के साथ मिलकर जर्मनी में ड्यूटी कर चुके हैं। मैथ्यू को अमेरिकी सेना की ओर से सम्मानित भी किया जा चुका था। उसे पहले पांच ब्रॉन्ज स्टार मिल चुका था। इसके अलावा वीरता पुरस्कार, सेना बैच और प्रशस्ति पदक भी मिला था।

कनाडा जाकर पढ़ने-जॉब करने वालों के प्रति सरकार सख्त

ओटावा, 4 जनवरी (एजेंसियां)। पढ़ाई करने और रोजगार की तलाश में भारत समेत दुनिया के कई हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग कनाडा जाते हैं। बढ़ते इमिग्रेशन को नियंत्रित करने के लिए कनाडाई सरकार आव्रजन पर अपना रुख बदल रही है। देश में आने वाले नए लोगों पर सख्त सीमाएं (कैप) लगाई जा सकती है और स्थायी और गैर-स्थायी निवासियों के लिए नए नियम आ सकते हैं। ये बदलाव तेजी से जनसंख्या वृद्धि के बाद होने जा रहे हैं। जनसंख्या में बृद्धि के लिए प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आव्रजन को जिम्मेदार ठहराया है जो कनाडा में कोविड-19 से उबरने के दौरान श्रम की कमी को दूर करने के लिए बढ़ा है। सीटीवी की एक आर्टिकल में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रूडो ने पिछले नवंबर में कहा था, "जब महामारी के बाद की तेजी धीमा पड़ गई और व्यवसायों को अब अतिरिक्त श्रम सहायता की जरूरत नहीं थी तो एक संघीय टीम के रूप में हम तेजी से काम कर सकते थे।" उन्होंने कहा था, "हमारे पास इसे नियंत्रित करने के लिए साधन हैं। इसलिए हम ऐसा कर रहे हैं।' आखिर किस तरह नियम बदल रहे हैं, आइये जानते हैं।

कनाडा को इस साल कोविड-19 लॉकडाउन के बाद पहली बार देश में कम नए आप्रवासियों के आने का अनुमान है। जो कि इमिग्रेशन, रिफ्यूजी एंड सिटीजनशिप कनाडा (आईआरसीसी) की एक योजना का हिस्सा है और अक्टूबर में जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, जिसका कहना है कि जिसका कहना है कि शॉर्ट टर्म (कम समय में) जनसंख्या वृद्धि को रोक देगा। आवास और सामाजिक सेवाओं पर दबाव को कम करने के प्रयास के रूप में प्रस्तावित इस बदलाव से कुछ ऐसे परिणाम सामने आएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, परमानेंट रेजिडेंट (पीआर) लक्ष्य 500,000 से घटाकर 395,000 कर दिया गया। 2026 के लिए पीआर लक्ष्य 380,000 और 2027 के लिए 365,000 है।

मोदी ने जिल बाइडेन को 17 लाख का हीरा दिया था

यह अमेरिकी राष्ट्रपति की पत्नी को 2023 का सबसे महंगा गिफ्ट, अपने पास नहीं रख पाएंगी

वॉशिंगटन, 4 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2023 में अमेरिकी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति बाइडेन की पत्नी यूएस फर्स्ट लेडी जिल बाइडेन को सबसे महंगा गिफ्ट दिया था। यह जानकारी अमेरिकी विदेश मंत्रालय की ओर से दी गई है। पीएम मोदी ने जिल बाइडेन को जो हीरा दिया उसका वजन 7.5 कैरेट है और इसकी कीमत 20 हजार डॉलर (17 लाख रुपए से ज्यादा) है। इसे कार-ए-कलमदानी नाम के फेमस कश्मीर के पेपर बॉक्स में पैक कर गिफ्ट किया गया था। यह इको फ्रेंडली हीरा है जिसे बनाने में सोलर और विंड एनर्जी का इस्तेमाल हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस हीरे से प्रति कैरेट सिर्फ 0.028 ग्राम कार्बन का उत्सर्जन होता है। हालांकि जिल बाइडेन इस गिफ्ट का यूज नहीं कर पाएंगी। इसे 'व्हाइट हाउस' के ईस्ट विंग में डिस्प्ले पर लगाया जाएगा।

अमेरिका में राष्ट्रपति और उनके परिवार को मिले गिफ्ट्स को आम तौर पर वो अपने साथ

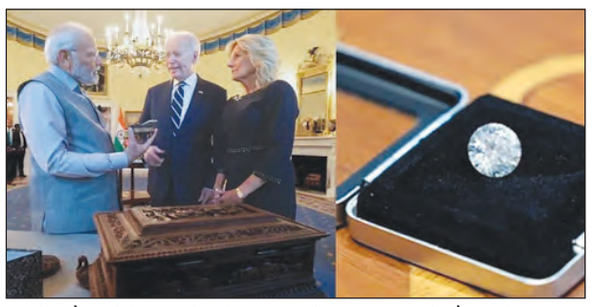

रखते हैं। लेकिन जो गिफ्ट्स काफी महंगे (480 डॉलर से ज्यादा) होते हैं, उन्हें अमेरिकी नेशनल आर्काइव्स में रखा जाता है, या फिर वॉइट हाउस में डिस्प्ले पर लगाया जाता है। हालांकि जिल बाइडेन यदि चाहें तो अमेरिकी सरकार को इसकी कीमत चुकाकर ये गिफ्ट्स अपने पास रख सकती हैं।

पीएम मोदी सितंबर 2023 में क्वाड समिट में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका के 3 दिन के दौरे पर गए थे। इस दौरान उन्होंने बाइडेन से मुलाकात की थी। मोदी ने इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति को भी स्पेशल गिफ्ट दिया था। यह चंदन की लकड़ी से बना एक बेहद बारीकी से तैयार किया गया बॉक्स था, जिस पर 'दास दानम' लिखा हुआ था। इसे बॉक्स को जयपुर के कारीगरों ने बनाया था। बॉक्स पर वनस्पतियों और जीवों के नक्काशीदार पैटर्न थे। बॉक्स के भीतर भगवान गणेश की चांदी की मूर्ति थी।

इस मूर्ति को कोलकाता के चांदी के कारीगरों के परिवार ने हाथ से बनाया है। इसके अलावा बाइडेन और उनके परिवार को यूक्रेन के राजदूत से एक ब्रोच मिला था जिसकी कीमत करीब 12 लाख रुपए है। वहीं, राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बाइडेन को 2 लाख रुपए से ज्यादा का कोलाज दिया था।

माइक जॉनसन बने यूएस हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव के स्पीकर

वॉशिंगटन, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में शुक्रवार को रिपब्लिकन सांसद माइक जॉनसन को फिर से स्पीकर चुन लिया गया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक स्पीकर बनने के लिए 218 जरूरी होते हैं। जॉनसन को इतने ही वोट मिले। सीएनएन के मुताबिक पिछले 100 साल में किसी भी स्पीकर को मिला यह सबसे कम बहुमत है। जॉनसन को नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का भी सपोर्ट हासिल था। हालांकि ट्रम्प के सपोर्ट के बाद भी उन्हें जीत के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। वोटिंग की शुरुआत में उनकी रिपब्लिकन पार्टी के ही 3 सांसदों ने उनका सपोर्ट करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद जॉनसन ने बहुमत हासिल करने के लिए 45 मिनट तक लॉबिंग की। तब जाकर उन्हें 2 रिपब्लिकन सांसदों का सपोर्ट मिला, जिससे वो बहुमत हासिल कर पाए। लुइसियाना से सांसद माइक जॉनसन को 2023 में भी इसी हाउस का स्पीकर चुना गया था। अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में रिपब्लिकन पार्टी 220 सीटों के साथ बहुमत में है। हालांकि शुक्रवार को जब स्पीकर पद के लिए वोटिंग शुरू हुई तो रिपब्लिकन्स का बहुमत 219 पर आ गया था, क्योंकि फ्लोरिडा के पूर्व रिपब्लिकन सांसद मैट गेट्ज ने कांग्रेस (अमेरिकी संसद) में न लौटने का फैसला किया। स्पीकर चुनाव में बहुमत हासिल करने के लिए किसी भी उम्मीदवार को 218 वोट हासिल करना जरूरी था। लेकिन 3 रिपब्लिकन सांसद थॉमस मैसी, राल्फ नॉर्मन और कीथ सेल्फ ने जॉनसन की जगह अन्य उम्मीदवार को वोट देना का ऐलान किया था।

हमलावर के घर से मिला विस्फोटक बनाने का सामान

छह हफ्तों से हमले की योजना बना रहा था जब्बार

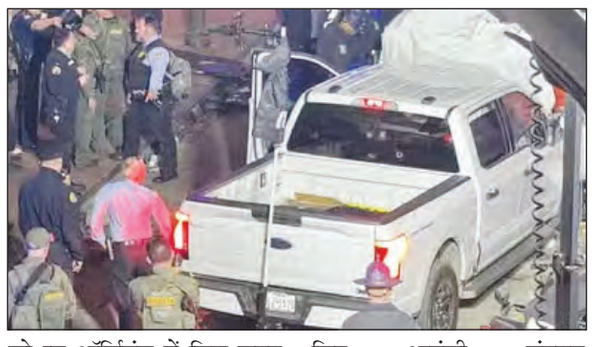

वॉशिंगटन, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यू ऑर्लियंस में हमले का आरोपी शम्सुद्दीन जब्बार बीते छह हफ्ते से हमले की योजना बना रहा था। जांच में पता चला है कि आरोपी ने हमले में जिस वाहन का इस्तेमाल किया, वो उसने छह हफ्ते पहले ही बुक कर लिया था। साथ ही जांच अधिकारियों को आरोपी के घर से बम बनाने का सामान भी बरामद हुआ है। इससे साफ है कि जब्बार ने हमला अचानक नहीं बल्कि पूरी रणनीति के साथ किया।

जब्बार अमेरिका के ह्यूस्टन का निवासी था और उसके घर की तलाशी में कई खतरनाक सामग्री मिली है। जिनमें विस्फोटक बनाने का सामान भी शामिल है। जांच अधिकारियों ने ये भी बताया कि जब्बार ने हमले से कुछ घंटे पहले ही टेक्सास के विडोर में एक कूलर खरीदा था और लुइसियाना के सल्फर से एक स्टोर से गन ऑयल खरीदा था। अधिकारियों को न्यू ऑर्लियंस में जिस जगह हमला हुआ, वहां आईईडी विस्फोटक भी मिले, जिन्हें कूलर में छोड़ा गया था। इससे साफ है कि हमलावर बड़े पैमाने पर नुकसान करने का इरादा रखता था। हमले से पहले जब्बार ने सोशल मीडिया पर कई भड़काऊ वीडियो भी पोस्ट किए, जिसमें आईएसआईएस का समर्थन किया गया था। जांच में साफ हो गया है कि जब्बार ने अकेले ही यह हमला किया और वह हमले के लिए आतंकी संगठन आईएसआईएस से प्रेरित था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शम्सुद्दीन जब्बार हमले से कुछ देर पहले ही न्यू ऑर्लियंस की सड़कों पर घूमते देखा गया था। कई सीसीटीवी कैमरों में उसकी तस्वीर कैद हुई है। एफबीआई का कहना है कि जब्बार ने पहले घटनास्थल पर विस्फोटक लगे कूलर रखे और फिर कपड़े बदलकर हमला किया। हालांकि कूलर में लगे विस्फोटक क्यों नहीं फटे ये अभी तक साफ नहीं हो पाया है। माना जा रहा है कि या तो जब्बार विस्फोट कर ही नहीं पाया या फिर विस्फोटक किसी तकनीकी गड़बड़ी की वजह से इनमें विस्फोट नहीं हो पाया।

जब्बार ने जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर इंफोर्मेशन सिस्टम में स्नातक डिग्री हासिल की थी। उसने बतौर आईटी विशेषज्ञ अमेरिकी सेना में भी कई साल काम किया और वह अफगानिस्तान में भी तैनात रहा। अमेरिकी सेना से रिटायरमेंट के बाद जब्बार ने अकाउंटेंसी कंपनी डेलॉयट में भी काम किया। जब्बार ने तीन बार शादी की थी और उसके दो बच्चे हैं। उसकी पहली शादी 2012 में खत्म हो गई थी और दूसरी 2013 से 2016 तक रही। साल 2017 में उसने तीसरी शादी की और 2022 में तीसरी पत्नी से भी उसका तलाक हो गया।

अमेरिका ने हूतियों के खिलाफ दागी टॉमहॉक क्रूज मिसाइल

खाड़ी युद्ध में हिल गया था इराक

सना, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी नेवी ने यमन में हूती चरमपंथियों के खिलाफ मंगलवार को किए गए हमले में टॉमहॉक लैंड अटैक मिसाइल (टीएलएएम) का इस्तेमाल किया था। मध्य पूर्व में तैनात अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने शनिवार को इस बारे में जानकारी दी है। अमेरिकी सेना ने इस हमले के लिए हैरी एस. ट्रूमैन कैरियर स्ट्राइक ग्रुप के गाइडेड मिसाइल विध्वंसक का इस्तेमाल किया, जो उस समय लाल सागर में काम कर रहा था। टॉमहॉक को अमेरिकी की सबसे खतरनाक मिसाइलों में माना जाता है। टॉमहॉक क्रूज मिसाइल को आधुनिक युद्ध का नक्शा बदलने वाला कहा जाता है। 1991 में खाड़ी युद्ध के दौरान पहली बार अपनी शुरुआत के बाद से ही इसने सटीक निशाना लगाने और लंबी दूरी तक मार करने की क्षमता साबित की है। मिसाइल का निर्माण आरटीएक्स कॉरपोरेशन ने किया है और इसका इस्तेमाल इराक, यूगोस्लाविया से लेकर आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक युद्धों में बड़े पैमाने पर किया गया है। 1600 किमी की रेंज तक दुश्मन को निशाना बनाने वाली टॉमहॉक मिसाइल अमेरिकी सेना में शामिल होने के बाद से ही इसका महत्वपूर्ण हथियार बनी हुई है। यह जमीनी सैनिकों को खतरे में डाले बिना निर्णायक कार्रवाई करने में सक्षम बनाती है। टॉमहॉक को पनडुब्बी और जहाज से दागा जा सकता है, जो सटीक हमला करती हैं। टॉमहॉक को पहली बार 1991 के खाड़ी युद्ध में ऑपरेशन डेजर्ट स्टॉर्म में इराक के खिलाफ अभियान के दौरान तैनात किया गया था। इससे इराकी सैन्य ठिकानों को बड़े पैमाने पर नष्ट करने, कमांड और कंट्रोल सेंटर को तबाह करने में अहम भूमिका निभाई थी।

तालिबान-टीटीपी के हाथों शर्मिंदगी का बदला भारत से लेने की तैयारी में पाकिस्तानी सेना

बनाया बांग्लादेश प्लान, पाक एक्सपर्ट का खुलासा

इस्लामाबाद, 4 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के जाते ही पाकिस्तानी नेता और वहां की सेना बहुत ज्यादा एक्टिव हो गई है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ दो बार बांग्लादेश के कार्यकारी प्रमुख मोहम्मद यूनुस से मुलाकात कर चुके हैं। पाकिस्तान के डेप्युटी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार अगले महीने बांग्लादेश की यात्रा पर जा रहे हैं। वहीं पाकिस्तानी सेना ने बांग्लादेश की सेना को ट्रेनिंग का बड़ा ऑफर दे डाला है। दरअसल, पाकिस्तान की सेना इन दिनों तालिबान और टीटीपी आतंकियों के हाथों खूनी हमले झेल रही है। पाकिस्तान का आरोप है कि भारत इन आतंकियों को मदद दे रहा है। पाकिस्तानी एक्सपर्ट्स के मुताबिक अब शेख हसीना के जाने के बाद पाकिस्तान बांग्लादेश के रास्ते भारत से बदला लेने की तैयारी कर रहा है।

पाकिस्तान के मशहूर पत्रकार और नवाज शरीफ के काफी करीबी नजम सेठी ने एक टीवी शो में खुलासा किया है कि पाकिस्तानी सेना टीटीपी और तालिबान का बदला अब भारत से लेने की तैयारी में है। पीसीबी के चेयरमैन रह चुके नजम सेठी ने बताया कि पाकिस्तानी सेना ने बांग्लादेश को सैन्य ट्रेनिंग देने का ऑफर दिया है। उन्होंने कहा कि पुराने जमाने में पाकिस्तानी सेना ही बांग्लादेश में मौजूद सैनिकों को ट्रेनिंग देती थी। सेठी ने कहा कि इस ट्रेनिंग से पाकिस्तानी सेना और बांग्लादेश की आर्मी के बीच दोस्ती बढ़ेगी, वचिारधारा का प्रसार होगा और संपर्क बढ़ेगा। इससे पाकिस्तान को दो फायदा होगा। नजम सेठी ने कहा कि पहला- इससे अब बांग्लादेश की सेना एंटी इंडिया होती जाएगी जो अभी पाकिस्तान विरोधी है। दूसरा- भारत बांग्लादेश की सेना की ट्रेनिंग से बहुत परेशान नहीं है। पाकिस्तानी पत्रकार ने कहा कि भारत को सबसे बड़ा डर पाकिस्तानी आतंकियों का है जो बांग्लादेश के रास्ते भारत में आसानी से प्रवेश कर सकते हैं। यह शेख हसीना के दौर में पिछले 15 साल से बंद था। नजम सेठी ने कहा कि पाकिस्तानी सेना इस समय बलूचिस्तान में विद्रोहियों के हमले से जूझ रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भारत टीटीपी को मदद दे रहा है जो पाकिस्तानी सेना की जान ले रहे हैं। अब पाकिस्तानी सेना को बांग्लादेश के रास्ते भारत से बदला लेने का मौका मिल गया है। पाकिस्तानी विश्लेषक ने कहा कि इशाक डार इसी भारत विरोधी एजेंडे को पुख्ता करने के लिए बांग्लादेश की यात्रा पर जा रहे हैं।

अमेरिका के नॉर्थ ईस्ट डीसी में गोलीबारी, चार लोग घायल

वॉशिंगटन, 4 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने घोषणा की है कि वे अगले महीने बांग्लादेश का दौरा करेंगे। यह 2012 के बाद किसी पाकिस्तानी मंत्री का बांग्लादेश का पहला दौरा होगा।

यह घोषणा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस की मुलाकात के कुछ सप्ताह बाद की गई, जो पिछले महीने काहिरा में डी-8 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी। मीडिया रिपोर्टों की माने तो डार का यह दौरा एक दशक में बांग्लादेश के लिए किसी भी पाकिस्तानी विदेश मंत्री का पहला दौरा होगा।

थाईलैंड की प्रधानमंत्री पाइटोंगटार्न की संपत्ति चालीस करोड डालर

बैंकाक, 4 जनवरी (एजेंसियां)। थाईलैंड की प्रधानमंत्री पाइटोंगटार्न शिनवात्रा की संपत्ति के बारे में जानकर हैरान रह जाएंगे। समाचार एजेंसी एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार उनके पास 40 करोड़ डॉलर (करीब 34,31,13,40,000 डॉलर) की संपत्ति खुलासा हुआ है। यह जानकारी तब सामने आई जब पाइटोंगटार्न ने अपनी संपत्ति और देनदारियों के बारे में घोषणा की। थाईलैंड के नियम के अनुसार देश के प्रधानमंत्री को राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोधक आयोग के समक्ष अपनी संपत्ति और बकाये के बारे में घोषणा करनी होती है। थाई प्रधानमंत्री ने आयोग को दी गई जानकारी में बताया कि उनके पास 400 मिलियन डॉलर से अधिक की संपत्ति घोषित की, जिसमें लगभग 50 लाख डॉलर की घड़ियां और 20 लाख डॉलर से अधिक कीमत के लग्जरी हैंडबैग शामिल हैं। थाईलैंड के स्थानीय मीडिया आउटलेट्स ने एनएसीसी का एक दस्तावेज पोस्ट किया था, जिसमें खुलासा किया गया है कि शिनावात्रा के पास 40 करोड़ डॉलर से अधिक की संपत्ति है और लगभग 5 अरब थाई बहत का बकाया है। इससे उनकी कुल संपत्ति 8.9 अरब बहत (25.8 करोड़ डॉलर) हो गई है। 13.8 अरब थाई बहत की संपत्ति में उनके पास कथित तौर पर 7.6 करोड़ बहत (20 लाख डॉलर) के डिजाइनर हैंडबैग और लगभग 16.2 करोड़ बहत (50 लाख डॉलर) मूल्य की 75 लग्जरी घड़ियां हैं। समाचार एजेंसी एएफपी ने फ्यू थाई पार्टी के अधिकारी के हवाले से इन आंकड़ों की पुष्टि की है। थाई प्रधानमंत्री पाइटोंगटार्न अरबपति व्यवसायी और पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा की सबसे छोटी बेटी हैं। उन्होंने बीते साल सितम्बर में प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। वह थाईलैंड के प्रधानमंत्री पद पर बैठने वाली अपने परिवार को चौथी सदस्य हैं। पाइटोंगटार्न के पिता और पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन मशहूर फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर सिटी के मालिक हुआ करते थे।

इंग्लिश मीडियम स्कूलों पर गरमाई सियासत

मदन दिलावर का कांग्रेस पर तीखा पलटवार

जयपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम सरकारी स्कूलों की समीक्षा के लिए समिति गठित होते ही सियासत गरमा गई है। एक तरफ कांग्रेस आरोप लगा रही है कि भजनलाल सरकार गहलोत राज में शुरु किए गए महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों को बंद करने की साजिश रच रही है। वहीं, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने आरोप लगाया कि इंग्लिश मीडियम स्कूल खोलकर कांग्रेस ने छात्रों और अभिभावकों के साथ छलावा किया।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा की अध्यक्षता में गठित समिति महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों को मजबूत बनाने पर काम करेगी। लेकिन, खुद के राजनीतिक फायदे के लिए भ्रामक बयान देना कांग्रेस की पुरानी आदत है।

उन्होंने कहा कि गहलोत राज में अंग्रेजी शिक्षा के नाम पर सिर्फ बोर्ड लगाने का काम किया और स्टूंड्स के साथ छलावा किया। कांग्रेस राज में इन स्कूलों के लिए ना तो अंग्रेजी शिक्षकों की भर्ती की और ना ही इसके लिए बजट दिया। सिर्फ सरकारी स्कूलों को अंग्रेजी माध्यम में बदलकर कांग्रेस ने इन स्कूलों को बंद करने का षडयंत्र किया है।

कांग्रेस का पलटवार...निजी स्कूलों के दवाब में सरकार, करेंगे आंदोलन

अंग्रेजी मीडियम स्कूलों की समीक्षा के लिए राज्य सरकार के कमेटी गठित करते ही कांग्रेस नेता पलटवार किया है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि सरकार ने सरकारी स्कूली शिक्षा को बर्बाद करने का संकल्प कर लिया है। निजी अंग्रेजी मीडियम स्कूलों के भारी दबाव में है ऐसा फैसला लेना पड़ा है, क्योंकि इन स्कूलों में निशुल्क अथवा बेहद कम फीस में ही बच्चे अच्छी शिक्षा पा रहे हैं।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि भाजपा नेताओं को इस बात की तकलीफ है कि कमजोर, शोषित और पीड़ितों के बच्चे अंग्रेजी शिक्षा हासिल करके कहीं इनकी बराबरी न कर लें। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि भाजपा सरकार नहीं चाहती कि गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चे अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त करें, जबकि भाजपा नेताओं के बच्चे महंगे स्कूलों और विदेशों में पढ़ते हैं। यह दोहरा मापदंड भाजपा सरकार की असली मंशा को उजागर करता है।

समिति में ये मंत्री शामिल

बता दें कि भजनलाल सरकार नए संभाग और जिलों की समीक्षा के बाद अब पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा खोले गए करीब 3700 महात्मा गांधी अंग्रेजी मीडियम स्कूलों की समीक्षा के लिए समिति गठित की है।

उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा की अध्यक्षता में बनी कैबिनेट सब कमेटी में चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर और खाद्य मंत्री सुमित गोदारा को सदस्य बनाया गया है।

विधानसभा सत्र से पहले स्पीकर देवनानी ने अफसरों की ली क्लास

बोले- ब्यूरोक्रेसी विधायकों को भी दे महत्व

जयपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। विधानसभा में विधायकों के लगाए सवालों, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव और विशेष उल्लेख प्रस्तावों का समय पर जवाब नहीं देने को लेकर अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित कई विभागों के एसीएस, प्रमुख सचिव और सचिवों की क्लास ली। बार-बार हिदायत देने के बावजूद सवालों के जवाब नहीं देने वाले अधिकारियों को स्पष्ट किया कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

सभी तय कर लें कि विधायकों के सवालों के जवाब विधानसभा में तय समय पर पहुंचे। अब तक हुए दो सत्रों के बचे हुए प्रश्नों के जवाब 20 जनवरी तक हर हाल में देने के लिए कहा। आदेश नहीं मानने वाले विभाग प्रमुखों को विधानसभा में फिर तलब किया जाएगा।

विधानसभा में आयोजित बैठक में देवनानी ने कहा कि विधानसभा में 200 विधायक बैठते हैं। ब्यूरोक्रेसी उनको महत्व न दे, यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। देवनानी ने ऊर्जा, स्वास्थ्य, स्वायत्त शासन, खेल एवं युवा मामले, ऊर्जा, शिक्षा, राजस्व, गृह विभागों के एसीएस, प्रमुख सचिव और सचिवों से सवाल किए और खिंचाई भी की। देवनानी ने कहा कि आठ विभाग हैं, जिनमें सबसे ज्यादा सवालों के जवाब लंबित हैं।

कुछ अधिकारियों ने सवाल का जवाब दो-तीन विभागों से संबंधित होने की वजह को देरी का कारण बताया, इस पर देवनानी ने कहा कि यह पहले से क्यों नहीं बताया जाता। इसका समाधान करें। बैठक में यह बात क्यों उठ रही हैं।

सीएस जिम्मेदार, बार-बार पत्र क्यों लिखने पड़ रहे

अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि मुख्य सचिव विधानसभा के प्रति जिम्मेदार है। ऐसे में यदि बार-बार विधानसभा की ओर से मुख्य सचिव को पत्र लिखना पड़े, यह कितना उचित है? इस पर मुख्य सचिव सुधांश पंत को आश्वासन देना पड़ा कि सभी प्रश्नों के जवाब समय पर दिलाए जाएंगे। पहले के मुकाबले व्यवस्था में सुधार भी हुआ है।

प्रश्नकाल में पूरे समय मौजूद रहें अधिकारी

देवनानी ने सीएस सुधांश पंत और आईएएस अधिकारियों से कहा कि सदन चलने के दौरान जिस विभाग का प्रश्न पूरा हो जाता है, आईएएस अधिकारी इसके बाद बीच में ही उठकर चले जाते हैं। प्रश्नकाल चलता रहता है। आगे से ऐसा ना हो। प्रश्नकाल के दौरान कोई भी अधिकारी उठ कर बाहर नहीं जाए। उन्होंने शून्यकाल के दौरान भी वरिष्ठ अधिकारियों को अधिकारी दीर्घा में मौजूद रहने के लिए कहा।

भाजपा संगठन के चुनाव से पहले बड़ा बदलाव

मंडल अध्यक्ष अंडर-45 और 60 से कम उम्र के होंगे जिलाध्यक्ष

बीकानेर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा संगठन चुनाव में इस बार पार्टी ने मंडल और जिलाध्यक्ष के पैनल में आयु सीमा की बाध्यता सख्ती से लागू कर दी है। नए बनने वाले मंडल अध्यक्ष की आयु 45 वर्ष से कम होने पर ही उसे पैनल में शामिल कर विचार किया जा रहा है।

जबकि जिलाध्यक्ष के लिए अधिकतम आयु 60 वर्ष तय कर दी है। इससे बीकानेर जिले में भी कई मंडलों में अध्यक्ष पद के लिए दो से तीन नाम के बने पैनल को फिर से बनाया गया है।

इसी तरह प्रदेश में कई जिलाध्यक्षों के नाम के पैनल में 60 साल से अधिक होने पर उनकी जगह नया नाम शामिल करने के निर्देश मिले हैं।

आयु सीमा की बाध्यता की सख्ती से पालना

भाजपा संगठन चुनाव में मंडल अध्यक्षों के लिए संगठन चुनाव प्रभारियों ने बैठक कर दो से तीन नामों के पैनल बनाकर प्रदेश कमेटी को भेज दिए हैं। कुछ मंडलों में पैनल को पुनः बनाया गया है। इसकी वजह आयु सीमा की बाध्यता की सख्ती से पालना है।

पुराने नेताओं की मंशा पर फिर गया पानी

इसी तरह जिलाध्यक्ष के लिए भाग-दौड़ कर रहे कई पुराने नेताओं की मंशा पर भी पानी फिर गया है। इस बार जिलाध्यक्ष के लिए दो प्रमुख शर्तें संगठन ने तय कर रखी हैं। एक तो संगठन में काम करने का अनुभव होना जरूरी है।

जिलाध्यक्ष के पैनल के लिए मांगे नाम

दूसरी आयु भी 60 साल से कम होनी चाहिए। आयु सीमा की बाध्यता से कई पुराने नेता दौड़ से बाहर हो गए हैं। हालांकि अभी जिलाध्यक्ष के पैनल बनाने के लिए विधायकों, सांसद, पुराने नेताओं और संगठन पदाधिकारियों से नाम मांगे गए हैं।

पैनल तैयार करने से पहले होगी मीटिंग!

जिला स्तर पर पैनल तैयार करने से पहले बैठकें भी की जा सकती हैं। बीकानेर में शहर और देहात जिलाध्यक्ष के दो पद हैं। देहात में मंडल अध्यक्ष के 27 और शहर में 10 पद हैं।

बीमा कंपनियों के जेब भरने की योजना रह गई पीएमएफबीवाइ : गहलोत

नागौर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। फसल खराब होने के बावजूद क्लेम देने में आनाकानी करने वाली बीमा कम्पनियों की मनमानी को उजागर करते हुए राजस्थान पत्रिका में प्रकाशित समाचार के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने योजना पर सवाल उठाए हैं।

गहलोत ने गुरुवार को सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर राजस्थान पत्रिका की खबर को ट्वीट करते हुए लिखा कि 'ऐसा लगता है प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना केवल बीमा कंपनियों के जेब भरने की योजना बनकर रह गई है। किसान लगातार शिकायत करते हैं कि 2-3 साल पुराने फसल खराबे के क्लेम नहीं मिल रहे हैं।' गहलोत ने लिखा कि उन्होंने कुछ दिन पूर्व ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर इसके संबंध में निवेदन किया था। सरकार को ऐसी मनमानी करने वाली बीमा कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई कर किसानों को उनका क्लेम दिलवाना चाहिए।

गौरतलब है कि राजस्थान पत्रिका ने 2 जनवरी को 'किसानों के लिए जी का जंजाल बनी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' शीर्षक से समाचार प्रकाशित कर किसानों की पीड़ा को उजागर किया था। खबर के माध्यम से बताया कि करोड़ों रुपए का प्रीमियम वसूलने वाली बीमा कम्पनियां फसल खराबा होने के बावजूद किसानों को क्लेम देने में आनाकानी करती है। पत्रिका की खबर को गहलोत सहित कई जागरूक लोगों ने सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए योजना की खामियों पर सवाल खड़े किए।

कंपनियों को मनमानी करने के अनेक अवसर

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की मार्गदर्शिका सरल नहीं है। इसमें पारदर्शिता नहीं है एवं बीमा कंपनियों को उत्तरदायी बनाने का प्रावधान नहीं है। योजना में कंपनियों को मनमानी करने का मौक दिया है। जिस फसल को बीमित किया गया है, उसके स्थान पर दूसरी फसल का उल्लेख होने से बीमा क्लेम से किसानों को वंचित करना सरल हो जाता है। किसानों से प्रीमियम वसूली किसान की सहमति लिए बिना ही करने का प्रावधान है, लेकिन क्लेम देने के लिए ठोस प्रावधानों का अभाव है। जबकि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मार्गदर्शिका के अनुसार किसी भी खाता धारक की सहमति के बिना खाते से छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। यह योजना प्रीमियम आधारित नहीं है, क्षेत्र विशेष के आधार पर तैयार की गई है। इस कारण योजना किसानों के लिए जी का जंजाल बनी हुई है।

नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने पत्रिका की खबर सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में किसानों से प्रीमियम लेने के बावजूद फसल खराब होने पर क्लेम देने में बीमा कम्पनियों द्वारा आनाकानी की जाती है। आपत्तियों के नाम पर क्लेम को लंबित कर दिया जाता है। राज्य सरकार की ओर से अधिसूचना जारी होने के बावजूद तहसील स्तर पर इस संबंध में गठित मॉनिटरिंग कमेटियों की बैठकों को आहुत करने में महज औपचारिकता की जा रही है। फसल बीमा करवाने वाले किसानों, क्लेम के लिए दावा करने वाले किसानों और क्लेम प्राप्त कर चुके किसानों के आकंड़ों पर जब प्रकाश डालेंगे तो बीमा कम्पनियों की ओर से की जाने वाली मनमानी और किसानों के साथ हो रही धोखाधड़ी सामने आएगी। सांसद बेनीवाल ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार को तत्काल प्रभाव से बीमा कम्पनियों की मनमर्जी पर लगाम लगाने के लिए ठोस नीति बनाते हुए अविलंब किसानों को लंबित क्लेम का भुगतान दिलाने की आवश्यकता है।

जांच रिपोर्ट जयपुर भिजवाई है

खरीफ 2023 के 431 बीमा क्लेम संबंधी प्रकरणों पर बीमा कम्पनी की ओर से लगाई गई आपत्तियों की समीक्षा व जांच करके रिपोर्ट जयपुर भिजवाई है। जयपुर में 8 जनवरी को राज्य स्तरीय शिकायत निवारण कमेटी की बैठक इन प्रकरणों पर चर्चा के बाद निर्णय लिया जाएगा।

कोचिंग सेंटर में बड़े ट्रांजेक्शन खंगाल रही इनकम टैक्स की टीमें

जोधपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के जयपुर में आयकर विभाग की नामी कोचिंग संस्थान पर लगातार दूसरे दिन भी कार्रवाई जारी रही। विभाग की नजर जोधपुर पर ही टिकी हुई थी। दूसरे दिन अधिकारियों ने बड़े ट्रांजेक्शन के लिए दस्तावेज और कम्प्यूटर की फाइलें खंगाली।

कुछ मामलों में कोचिंग संस्थान के कार्मिकों से भी पूछताछ की गई। संस्थान के विभिन्न कार्यालयों, निवास स्थान और उससे जुड़े वैंडर्स पर शनिवार को भी कार्रवाई जारी रहने की संभावना है।

आयकर विभाग ने गुरुवार को कोचिंग संस्थान के जोधपुर, जयपुर, प्रयागराज और इंदौर में एक साथ 17 ठिकानों पर छापा मारा था।

जोधपुर में दो दर्जन से अधिक ठिकानों पर कार्रवाई की गई है। जयपुर, प्रयागराज और इंदौर में टीमें जोधपुर की टीमों के निर्देशों के अनुसार कार्रवाई कर रही है।

सूत्रों के अनुसार कोचिंग संस्थान की हाल ही एक एड टेक कंपनी के साथ हुई डील ही आयकर विभाग के प्रमुख निशाने पर है। अभी तक की जांच इस डील के इर्द-गिर्द ही चल रही है।

सीकर बंद के दौरान मारपीट, प्रदर्शन

संभाग खत्म करने के विरोध में बाजार बंद

नीमकाथाना में युवक ने आत्मदाह की चेतावनी दी

सीकर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। सीकर संभाग और नीमकाथाना जिले को खत्म करने के विरोध में शनिवार को बाजार बंद रहे। सीकर में बंद समर्थक और रेस्टोरेंट मालिक भिड़ गया। वहीं नीमकाथाना में जिला खत्म करने के विरोध में रैली निकाली गई। यहां पिछले पांच दिनों से जिला बचाओ संघर्ष समिति की ओर से भूख हड़ताल जारी है। यहां धरने पर बैठे एक युवक ने 11 जनवरी को भाजपा प्रदेश कार्यालय के बाहर आत्मदाह करने की चेतावनी दी है।

सुबह से ही बाजार बंद, जाट बाजार में हुई सभा

सीकर में जाट बाजार, तापड़िया बगीची, तबेला बाजार, घंटाघर, रेलवे स्टेशन और बजाज रोड सहित आस-पास के क्षेत्र में दुकानें बंद रही।

वहीं अस्पताल, मेडिकल शॉप, पेट्रोल पंप, गैस एजेंसी को बाजार बंद से अलग रखा गया। गुरुवार को प्रधानजी का जाव में आयोजित इंडिया गठबंधन की सभा में 4 जनवरी को सीकर में बाजार बंद का आह्वान किया गया था। शनिवार को बंद समर्थक जाट बाजार पहुंचे, यहां सभा हुई। इसके बाद सभी अलग-अलग टोली बनाकर बाजारों की तरफ निकले और दुकानें बंद करवाई। बंद के दौरान कल्याण सर्किल और जाट बाजार में विरोध-प्रदर्शन किया। सुरक्षा को देखते हुए बाजार में पुलिस तैनात की गई। टैक्सी यूनियन (सीटू) ने भी सीकर बंद को समर्थन दिया। संघर्ष समिति के सदस्य भागीरथ मल जाखड़ ने कहा- जब तक सीकर को फिर से संभाग और नीमकाथाना को जिले का दर्जा नहीं मिलता तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

आज का यह बाजार बंद सरकार को चेताने के लिए है। आने वाले दिनों में यह आंदोलन उग्र रूप लेगा। सड़कें जाम की जाएगी और सीएम के पुतले फूंककर विरोध जाया जाएगा।

छात्रों के सुसाइड रोकने के लिए राजस्थान में नया कानून बनेगा

सरकार विधानसभा में लाएगी विधेयक

जयपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। कोचिंग स्टूडेंट्स की सुसाइड को रोकने के लिए राज्य सरकार कानून बनाने जा रही है। इसके लिए सरकार विधानसभा में आत्महत्या रोकने के संबंध में विधेयक लेकर आएगी। यह जानकारी सरकार की ओर से हाईकोर्ट में दी गई।

प्रदेश में कोचिंग स्टूडेंट्स में बढ़ती खुदकुशी की घटनाओं के बीच हाईकोर्ट ने स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेकर याचिका दर्ज की थी। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने सरकार से हाल पूछा था कि वह कोचिंग स्टूडेंट्स में आत्महत्याओं की घटनाओं को रोकने के लिए क्या प्रयास कर रही है।

इसके जवाब में सरकार ने बताया कि इस संबंध में वह नया कानून लाने जा रही है। हालांकि, हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा है कि कानून बनने तक कोचिंग सेंटर्स के पंजीयन से संबंधित केंद्र सरकार की गाइडलाइन को लागू करवाई जा सकती है क्या? इसे लेकर कोर्ट ने राज्य सरकार से तीन सप्ताह में जवाब मांगा है।

कोचिंग संस्थान की ओर से वरिष्ठ वकील आरएन माथुर ने कहा कि केंद्र सरकार की गाइडलाइन के बजाय कानून ही लागू किया जाए। हालांकि, उन्हें कोचिंग सेंटर्स के पंजीयन पर कोई आपत्ति नहीं है। इस पर हाईकोर्ट ने सरकार से कहा कि केंद्र सरकार की गाइडलाइन में सजा और जुर्माने का प्रावधान है। लेकिन प्रदेश में कानून बनने पर ही इस तरह के प्रावधान लागू हो सकते हैं तो कानून बनने तक इन्हें क्यों न लागू करवा दिया जाए?

कुएं से बाहर निकलते ही जरख ने ग्रामीण पर किया हमला

लोगों ने पकड़ने का प्रयास किया, छूटकर भागा

दौसा, 4 जनवरी (एजेंसियां)। दौसा जिले के महवा के लोटवाड़ा गांव में जरख़ ने एक व्यक्ति पर हमला कर दिया। व्यक्ति को बचाने के लिए ग्रामीणों जरख को काबू करने का प्रयास किया। यह जरख कुएं में गिरा हुआ था, जिसे बाहर निकाला जा रहा था। कुएं से बाहर आते ही उसने व्यक्ति पर हमला कर दिया।

दरअसल, गांव में टाइगर जैसा दिखने वाले जानवर हो लेकर पहले से ही अफवाह फैली हुई थी। इस बीच, वन विभाग को सूचना मिली कि एक जरख़ कुएं में गिरा हुआ है। टीम मौके पर पहुंची और जरख़ को रेस्क्यू करने के लिए जेसीबी मशीन का सहारा लिया। जैसे ही जरख़ को बाहर निकाला गया, उसने एक ग्रामीण पर हमला कर दिया। हमले के बाद अन्य ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए जरख़ को पकड़ लिया। जिसके बाद वन विभाग और स्थानीय लोगों ने मिलकर जरख़ को काबू करने का प्रयास किया।

बता दें कि जरख़ दूर से टाइगर जैसी नजर आती है, जिससे गांव में पहले ही दहशत का माहौल था। अंधेरे में ग्रामीणों ने इसे देखकर कर्फ्यू जैसा माहौल बना लिया था। जब जरख़ ने हमला किया, तो ग्रामीणों ने उसे रोकने के लिए डंडों का इस्तेमाल किया। हालांकि, जरख़ खुद को छुड़ाकर भाग निकला। वन विभाग ने ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की है।

जायरीनों के मोबाइल चुराने वाली गैंग के पांच बदमाश गिरफ्तार

अजमेर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अजमेर में ख्वाजा गरीब नवाज के 811वें सालाना उर्स के मौके पर पुलिस और प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। इस बार पुलिस ने मोबाइल चोरों को पकड़ने के लिए खास इंतजाम किए हैं। मेला क्षेत्र में सादी वर्दी में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। 24 घंटे सीसीटीवी कैमरों से भी नजर रखी जा रही है। इधर, दरगाह थाना पुलिस ने बीते शुक्रवार को उर्स मेले में जायरीनों का मोबाइल चोरी करने वाली गैंग के 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 6.30 लाख रुपए कीमत के 21 मोबाइल बरामद किए हैं। आरोपियों ने भीड़ का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिया।

दरगाह थानाधिकारी नरेंद्र जाखड़ ने बताया कि उर्स को देखते हुए अजमेर एसपी वंदिता राणा की ओर से एक टीम का गठन किया था। साथ ही उर्स में सक्रिय होने वाली गैंग पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। टीम ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक किए और मुखबिरों के जरिए होटल संचालकों से संपर्क कर संदिग्ध व्यक्तियों से गहनता से पूछताछ की। कार्रवाई के दौरान अजमेर निवासी इमरान अली उर्फ पटेल, सलमान पुत्र मोहम्मद जहांगीर, शाहिद पुत्र मोहम्मद शरीफ, मोहम्मद आमिर पुत्र मोहम्मद सलीम और मोहम्मद शफीक पुत्र मोहम्मद हसन को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से 21 कीमती मोबाइल बरामद हुए हैं, जिनकी कीमत करीब 6 लाख रुपए है।

फेस मैच ऐप का इस्तेमाल किया जा रहा

उर्स मेले में जेबतराशी और मोबाइल चोरी रोकने के लिए पुलिस ने इस बार हाईटेक इंतजाम किए हैं। पुराने जेबतराशों और मोबाइल चोरों पर नजर रखने के लिए फेस मैच ऐप का इस्तेमाल किया जा रहा है। यदि कोई शातिर अपराधी मेला क्षेत्र में दिखता है, तो पुलिस तुरंत हरकत में आएगी।

सीसीटीवी कैमरों से नजर

मेला क्षेत्र में 24 घंटे सीसीटीवी कैमरों से नजर रखी जा रही है। चार वॉच टावर और दरगाह क्षेत्र की छतों पर पुलिस तैनात है। दरगाह के भीतर 57 और बाहरी हिस्सों में 16 सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है।

सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम

सालाना उर्स के लिए प्रदेश के अलग-अलग जिलों से पुलिस का जाब्ता बुलाया गया है। करीब 5000 से अधिक पुलिसकर्मी, आरपीएससी और आईपीएस अधिकारी मेले में ड्यूटी दे रहे हैं। सीआईडी, आईबी और अन्य सुरक्षा एजेंसियां भी मेले पर नजर बनाए हुए हैं।

रोड़ी से भरा ट्रक पलटा, 1 की मौत

लोगों ने रोड को किया जाम

जयपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर से दर्दनाक खबर सामने आ रही है। यहां दिल्ली नेशनल हाइवे पर एक ट्रक पलट गया। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई है। गुस्साए लोगों ने आमेर में दिल्ली रोड को जाम कर दिया है। पुलिस और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गई।

वहीं सूचना मिलने पर आमेर थाना पुलिस सहित अन्य प्रशासन मौके पर पहुंच गया है। दरअसल यह ट्रक रोड़ी से भरा हुआ था, जो कि जयपुर के आमेर के पास अनियंत्रित होकर पलट गया। रोड़ी में दबने के चलते पटेला की ढाणी पीली तलाई निवासी बाबूलाल सैनी की मौत हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने रोड़ी के नीचे और भी लोगों के दबने की आशंका जताई।

हादसे की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। हादसे से गुस्साए लोगों ने रोड को जाम कर दिया है। दोनों तरफ जाम की स्थिति बन चुकी थी। पुलिस ने मौके पर क्रेन बुलाई। इसके बाद ट्रक को सीधा किया गया। वहीं परिजनों और लोगों से समझाइश का प्रयास चल रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र से ट्रक और डंपर काफी तेज रफ्तार में निकलते हैं। इससे कई बार हादसे भी हो चुके हैं, लेकिन पुलिस और प्रशासन इनकी रफ्तार को कम नहीं कर पाया है।

तेलुगु भाषा की रक्षा करनी होगी : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने आज कहा कि तेलुगु भाषा की रक्षा करना सभी की जिम्मेदारी है और कहा कि इसे बचाने के लिए आंदोलन लोगों के घरों से शुरू होना चाहिए। वह शनिवार को एचआईसीसी में आयोजित विश्व तेलुगु महासंघ के 12वें द्विवार्षिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वह विश्व तेलुगु महासंघ के 12वें द्विवार्षिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत खुश हैं। विश्व तेलुगु महासंघ के वरिष्ठों का विशेष धन्यवाद, जो हैदराबाद में तीन दिनों तक इन सम्मेलनों का आयोजन कर रहे हैं, विशेष रूप से इंदिरा दत्त और उनकी टीम के सदस्यों का। यह वास्तव में सराहनीय है कि इस विश्व तेलुगु महासंघ ने पिछले 32 वर्षों से कलाकारों को बढ़ावा देने और तेलुगु भाषा, तेलुगु भाषा परंपराओं और कलाओं को संरक्षित करके अपनी सेवाएं दी हैं। मुझे खुशी है कि दुनिया भर के तेलुगु लोग जो 'मां तेलुगु तल्ली कि मल्ले पूदंडा' गाते हैं, एक ही मंच पर एक साथ आ रहे हैं और तेलुगु भाषा, तेलुगु साहित्य, तेलुगु कला और तेलुगु परंपराओं के लिए काम कर रहे हैं। तेलुगु भारत की सबसे पुरानी भाषाओं में से एक है। तेलुगु के अलावा तमिल, कन्नड़, मलयालम, ओडिया और संस्कृत केंद्र सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त सबसे प्राचीन भाषाएं हैं। उन्होंने कहा कि तेलुगु भाषा दुनिया की सबसे खूबसूरत भाषा है और कहा कि जिन्होंने तेलुगु शब्दों और धुनों को सुना, ऐसा लगता है कि उन्होंने संगीत सुना है। वर्तमान में, कई लोग तेलुगु की उपेक्षा कर रहे हैं। हालांकि तेलुगु उनकी मातृभाषा है, लेकिन वे तेलुगु में लिख नहीं पाते हैं। लेकिन सोशल मीडिया पर, तेलुगु शब्द अंग्रेजी में भी लिखे गए हैं। यह बहुत दर्दनाक है। यहां तक कि घर पर भी, हम तेलुगु में केवल 30 प्रतिशत भाषा बोलते हैं। बाकी अंग्रेजी में बोली जाती है, इसलिए अब से हम तेलुगु में बात करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि निजाम के समय में तेलुगु भाषा का दमन जारी रहा और कहा कि उर्दू माध्यम के स्कूल थे, जबकि तेलुगु लोगों को उर्दू माध्यम के स्कूलों में पढ़ना पड़ता था। इतने प्रतिबंध में भी, पुस्तकालय आंदोलन और 'आंध्र महासभा' के नाम पर तेलुगु भाषा को संरक्षित करने के लिए कई संघर्ष हुए। यक्षगान, भागवतम और नाटक कुछ ऐसे कला रूप हैं जो तेलुगु भाषा के लिए अद्वितीय हैं। दुनिया में तेलुगु और संस्कृत को छोड़कर किसी अन्य भाषा में ध्यान नहीं मिलता है। चीन, दक्षिण कोरिया, जापान, जर्मनी, इटली, स्पेन और ताइवान जैसे देशों में मातृभाषा में शिक्षा जारी है। क्या वे देश कई क्षेत्रों में विकसित नहीं हुए हैं? वे अंतरिक्ष में जाने के लिए भी अपनी मातृभाषा का उपयोग कर रहे हैं। लेकिन हम प्राथमिक शिक्षा के लिए भी अपनी मातृभाषा का उपयोग नहीं कर रहे हैं। एक तेलुगु भाषा प्रेमी के रूप में, यह बहुत दर्दनाक है। यदि आप अंग्रेजी सीखते हैं, तो आपको नौकरी और विकास मिलेगा। यह अतीत के औपनिवेशिक शासकों द्वारा छोड़ी गई एक काली विरासत है। हमें इसे पीछे छोड़ देना चाहिए। उन राष्ट्रीयताओं द्वारा बोली जाने वाली भाषाएं किसी राष्ट्र के इतिहास और संस्कृति के विकास को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसीलिए मोदी सरकार द्वारा लाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा को बड़ी प्राथमिकता दी गई है। मोदी सरकार भारतीय भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें लाने के लिए काम कर रही है। मातृभाषा में मानव बुद्धि का विकास होता है। यह विकास तब शुरू होता है जब बच्चा मां के गर्भ में बड़ा होता है। विदेशी भाषा में चाहे जितना अध्ययन किया जाए, चाहे जितना कौशल हासिल किया जाए, उस स्तर पर बुद्धि हासिल नहीं होगी।

बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम में मची भगदड़

महिलाओं की हालत बिगड़ी

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के भिवंडी में बागेश्वर धाम के महाराज धीरेंद्र शास्त्री की सभा में भगदड़ मच गई। वे मानकोली नाके के पास इंडियन ऑयल कंपनी के सत्संग कार्यक्रम में पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि वे खुद सभी लोगों को विभूति बांटेंगे। इसके बाद भीड़ बेकाबू हो गई। भगदड़ में फंसी कुछ महिलाओं की हालत बिगड़ गई। हालांकि, किसी को गंभीर चोट नहीं आई। भगदड़ मचते ही धीरेंद्र शास्त्री मंच छोड़कर चले गए थे।

नागार्जुन सागर बांध का केंद्रीय टीम ने किया दौरा

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय जल आयोग और राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण के अधिकारियों की एक टीम ने शनिवार को नागार्जुन सागर बांध का दौरा किया। यह दौरा नियमित सुरक्षा निरीक्षण अभ्यास का हिस्सा है। अधिकारियों ने बताया कि बांध की संरचनात्मक अखंडता और परिचालन दक्षता सुनिश्चित करने के लिए नियमित जांच आम बात है, खास तौर पर आगामी कार्य सत्र के दौरान किए जाने वाले कार्यों के संबंध में।

सरकार नियमित आधार पर रिक्त पदों पर भर्ती करेगी : श्रीधर बाबू

मंत्री ने अग्निशमन चालक परिचालकों की पासिंग आउट परेड को संबोधित किया

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने दोहराया है कि राज्य सरकार नियमित आधार पर सभी रिक्त पदों पर भर्ती करने के लिए प्रतिबद्ध है। वह शनिवार को रंगारेड्डी जिले के वट्टिनागुला पल्ली में तेलंगाना राज्य अग्निशमन सेवा एवं नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान में 196 अग्निशमन चालक परिचालकों की पासिंग आउट परेड को संबोधित कर रहे थे, जहां वे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। मंत्री ने कहा, पिछले एक दशक से रुकी हुई भर्ती प्रक्रिया को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में पुनर्जीवित किया गया है।

उन्होंने कहा, हमारी सरकार भर्ती प्रक्रिया में कानूनी एवं प्रक्रियागत चुनौतियों का व्यवस्थित तरीके से समाधान कर रही है और नियुक्ति पत्र जारी कर रही है। हम इस संबंध में पूरी ईमानदारी से काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री ने गृह विभाग में रिक्त पदों को भरने पर भी विशेष जोर दिया है। श्रीधर बाबू ने अग्निशमन विभाग के कर्मियों की सराहनीय सेवाओं की प्रशंसा की, विशेष रूप से खम्मम में बाढ़ के दौरान उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की।

उन्होंने कहा, जब भी कोई संकट आता है, तो वे जीवन की रक्षा के लिए दृढ़ संकल्प के साथ आगे आते हैं। उनका काम अनुकरणीय है, जो सेवा और भाईचारे की भावना को दर्शाता है। अग्निशमन विभाग को मजबूत करने पर राज्य सरकार के फोकस पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने खुलासा किया कि पिछले साल विभाग के भीतर विभिन्न डिवीजनों में 878 कर्मियों की भर्ती की गई थी। श्रीधर बाबू ने इसकी परिचालन क्षमता और बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए और प्रयास करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, आग विभाग पर जान और संपत्ति की रक्षा के लिए आपदा स्थितियों में तुरंत और प्रभावी ढंग से कार्य करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। नव नियुक्त चालक परिचालकों को संबोधित करते हुए, जिन्होंने अपने चार महीने के कठोर प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया, मंत्री ने उन्हें उनकी उपलब्धि पर बधाई दी।

श्रीधर बाबू ने सलाह दी, अपनी भूमिका में आने के साथ ही मैं आपसे ईमानदारी, दक्षता और व्यावसायिकता बनाए रखने का आग्रह करता हूं। जनता के साथ सम्मान से पेश आएं और अपने कर्तव्यों को समर्पण के साथ पूरा करें। इस कार्यक्रम में राजेंद्रनगर विधायक प्रकाश गौड़, एमएलसी दयानंद, गृह विभाग के विशेष मुख्य सचिव रवि गुप्ता और अग्निशमन सेवा महानिदेशक नागिरेड्डी सहित कई प्रमुख गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

कुमावत प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का फाईनल आज

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। समस्त कुमावत समाज हैदराबाद सिकंदराबाद (तेलंगाना) समाज बन्धुओं के तत्वावधान में कुमावत समाज प्रीमियर लीग-9 क्रिकेट प्रतियोगिता का फाईनल मैच 5 जनवरी प्रात: 10.15 बजे से शिवरामपल्ली स्थित विजय आनन्द क्रिकेट ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा। प्रेस विज्ञप्ति में ओमकार कुमावत ने बताया कि हर वर्ष की भांति कुमावत समाज प्रीमियर लीग-9 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन भव्य रूप से किया जा रहा है। 5 जनवरी प्रात: 10.15 बजे से फाईनल मैच का आयोजन कुमावत चैम्पियन स्टार व कुमावत यंगस्टर्स के मध्य प्रात: 10.15 बजे ठाकुरजी की तस्वीर पर माल्यार्पणकर खेला जाएगा। कार्यक्रम में बत्तौर मुख्यअतिथि श्री तेजगिरीजी महाराज, विधायक टी. राजासिंह, सीईओ केसाराम कुमावत उपस्थित रहेंगे। फाईनल मैच के पश्चात समापन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें पधारे मुख्यअतिथियों व कार्यक्रम के लाभार्थीयों का सम्मान किया जाएगा।

कार्यक्रम स्थल पर पधारे समाज बन्धुओं व खिलाड़ियों के लिए भोजन की व्यवस्था रहेगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में वासुदेव, ओमकार, प्रकाश, पारस, राजुराम, नेमीचन्द कुमावत, समाज बन्धुओं व कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहेगा। मंच का संचालन नाथुराम लारना करेंगे। समाज बन्धुओं से निवेदन है उपरोक्त कार्यक्रम में समय पर पधारकर समाज के खिलाड़ियों का हौसला बढाते हुए कार्यक्रम को सफल बनावे।

पीएआई योजना के तहत स्वयं का बीमा कराएं : जे. हुसैन नायक

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (राअजजा) सदस्य जे. हुसैन नायक ने एसबीआई बीबी नगर शाखा का दौरा किया। जिसमें उन्होंने सभी एसएचजी सदस्यों से पीएआई योजना के तहत स्वयं का बीमा कराने व विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं संबध्द ग्रामीणों के बीच जागरूकता फैलाने की अपील की।

इस संदर्भ में, स्टेट बैंक आफ इण्डिया के आधिकारिक सूत्रों ने विस्तार से बताया कि, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति (राअजजा) आयोग सदस्य जे. हुसैन नायक द्वारा एसबीआई बीबी नगर शाखा को भेंट देने के दौरान उपस्थित बैंक प्रमुख अधिकारियों में एनडब्ल्यू-1 महाप्रबंधक रवि कुमार वर्मा और बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। इस दौरान राअजजा आयोग सदस्य नायक ने बीबीनगर शाखा के कर्मचारियों से वार्तालाप किया।

जिसमें एसबीआई बैंक एनडब्ल्यू-1 महाप्रबंधक रवि कुमार वर्मा ने ग्राहक सेवा के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता का आश्वासन देने के उपरांत इस संबंध में बैंक द्वारा की गई विभिन्न पहलों जैसे संपर्क केंद्र, व्हाट्सएप बैंकिंग, साइबर धोखाधड़ी जागरूकता कार्यक्रम आदि की रूपरेखा प्रस्तुत की। साथ ही रविकुमार वर्मा ने राअजजा आयोग सदस्य नायक को इस तथ्य से भी अवगत किया कि, किस तरह एसबीआई कर्मचारियों ने हाल ही में जालसाजों द्वारा किए गए डिजिटल गिरफ्तारी के प्रयास से निर्दोष ग्राहकों को बचाया है।

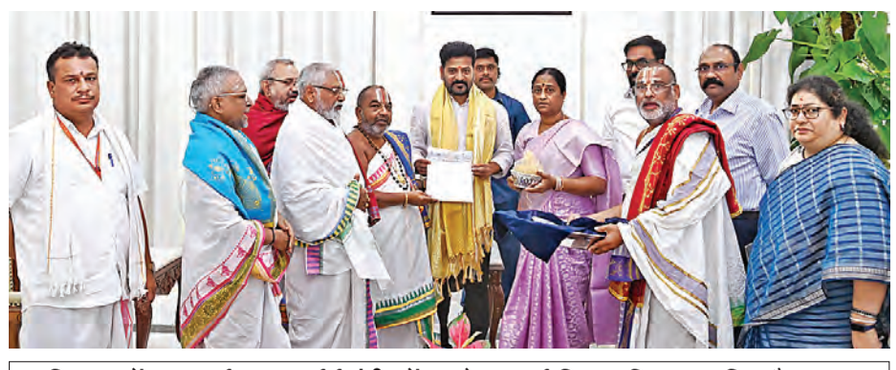

सचिवालय में वन, पर्यावरण, धर्मार्थ मंत्री कोंडा सुरेखा, धर्म विभाग की मुख्य सचिव शैलजा राम अय्यर, यादगिरिगुट्टा मंदिर, पुजारियों के साथ श्रीश्री सुदर्शन लक्ष्मीनरसिम्हा दिव्यस्वर्ण विमान गोपुरमहा कुंभाभिषेक महोत्सव में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को आमंत्रित किया गया। श्रीश्री सुदर्शन दिव्यविमानस्वर्ण गोपुरा महाकुंभाभिषेक कार्यक्रम 19 से 23 फरवरी तक यादगिरिगुट्टा में होगा।

फैक्ट्री में विस्फोट से एक व्यक्ति की मौत, सात घायल

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दाकंदुकुरु के यादगिरिगुट्टा मंडल में एक उद्योग में विस्फोट हुआ। विस्फोट प्रीमियर एक्सक्लूसिव फैक्ट्री में हुआ। घटना में जनगांव जिले के बचन्नापेटा के मजदूर कनकय्या की मौत हो गई। सात अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें यादगिरिगुट्टा मंडल के रामजीपेटा गांव के मोगिलिपका प्रकाश की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें भुवनगिरी क्षेत्र के अस्पताल ले जाया गया और बुनियादी उपचार दिया गया। बाद में उन्हें एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। तेज आवाज के साथ विस्फोट होते ही फैक्ट्री के मजदूर बाहर निकल आए। प्रबंधन ने मजदूरों को सचेत करने के लिए आपातकालीन सायरन बजाया। कई घायलों को हैदराबाद के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इस बीच, सरकारी सचेतक बीरला आइलैया ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और स्थानीय पुलिस से घटना की जानकारी ली। उन्होंने मृतकों के परिजनों से मुलाकात की। बाद में उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं के बावजूद फैक्ट्री प्रबंधन ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सालों में इसी फैक्ट्री में पांच श्रमिकों की मौत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि कंपनियां श्रमिकों की जान की कीमत पर पैसा कमा रही हैं और कहा कि 1,000 कर्मचारियों वाली कंपनी में एक एम्बुलेंस तक नहीं है। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं की रोकथाम के बारे में वे प्रबंधन से चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा, हम इस मामले को राज्य सरकार के समक्ष भी उठाएंगे।

अखिल भारतीय सिरवी महासभा पंजीकृत

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय सीरवी महासभा तेलंगाना का रजिस्ट्रेशन हो गया है। इसमें पदाधिकारी सहित दो सलाहकार के नाम शामिल है। इसके साथ ही महासभा अब समाज के विकास के लिए फंड इक्कट्ठा करेगा। मेंबरशिप बनवाकर संस्था को सुदृढ बनाया जाएगा। इसके लिए तेलंगाना के सभी बडेर अध्यक्षों और सचिवों से मिलकर शीघ्र ही एक मीटिंग रखी जाएगी। यह सूचना अध्यक्ष अखिल भारतीय सीरवी महासभा तेलंगाना हरजीराम काग़ के द्वारा दी गई।

तेलंगाना के जिलों में शीतलहर का प्रकोप जारी

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और तेलंगाना के जिलों में प्रचंड शीतलहर जारी है और शुक्रवार रात से शनिवार सुबह तक कई स्थानों पर औसत न्यूनतम तापमान एक अंक में दर्ज किया गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), हैदराबाद के पूर्वानुमान के आधार पर, तेलंगाना राज्य में वर्तमान शीत लहर की स्थिति अगले 48 घंटों तक सक्रिय रहने की उम्मीद है।

हैदराबाद विश्वविद्यालय परिसर, गच्चीबोवली, बीएचईएल और मौला अली सहित कई स्थानों पर एकल अंक का तापमान दर्ज किया गया। जिलों में, संगारेड्डी, कोमाराम भीम आसिफाबाद और आदिलाबाद के कुछ हिस्सों में शनिवार को सबसे कम न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

भेल फैक्ट्री (रामचंद्रपुरम) : 8.2 डिग्री सेल्सियस, हैदराबाद विश्वविद्यालय परिसर : 9.1 डिग्री सेल्सियस, राजेंद्रनगर : 9.1 डिग्री सेल्सियस, मौला अली : 9.5 डिग्री सेल्सियस, पश्चिम मरेड़पल्ली : 11.8 डिग्री सेल्सियस, कुतुबुल्लापुर : 11.8 डिग्री सेल्सियस।

कोहिर (संगारेड्डी) : 6.0 डिग्री सेल्सियस, सिरपुर (कोमरामभीम आसिफाबाद) : 6.1 डिग्री सेल्सियस, तिरयानी (कोमरामभीम आसिफाबाद) : 6.2 डिग्री सेल्सियस, भीमपुर (आदिलाबाद) : 6.2 डिग्री सेल्सियस, न्यालकल (संगारेड्डी) : 6.3 डिग्री सेल्सियस, डोंगली (कामारेड्डी) : 6.8 डिग्री सेल्सियस।

तेलंगाना में एचएमपीवी वायरस का कोई मामला दर्ज नहीं

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चीन में एचएमपीवी वायरस के प्रसार के मद्देनजर तेलंगाना सरकार सतर्क हो गई है। स्वास्थ्य विभाग ने फ्लू जैसे लक्षण वाले लोगों को मास्क पहनने की सलाह दी है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि राज्य में अभी तक एचएमपीवी वायरस का कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। इसने सर्दी और खांसी के लक्षणों वाले लोगों को समूहों से दूर रहने की सलाह दी है। चिकित्सा विशेषज्ञों ने खुलासा किया है कि एचएमपीवी वायरस के लक्षण फ्लू और अन्य श्वसन संक्रमणों के समान हैं। लक्षणों में खांसी, बुखार, नाक बहना और सांस लेने में कठिनाई शामिल है। अधिक गंभीर मामलों में, वायरस ब्रोंकाइटिस और निमोनिया का कारण बन सकता है। लक्षण दिखने में तीन से छह दिन लगते हैं।

साइबराबाद पुलिस ने भविष्य की योजना पर बैठक की

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने आज मुख्य सम्मेलन कक्ष में एक व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित की, जिसकी अध्यक्षता साइबराबाद सीपी अविनाश मोहंती ने की। बैठक में सभी डीसीपी और कानून व्यवस्था कर्मचारियों ने भाग लिया, जिसमें 2024 की उपलब्धियों पर चर्चा की गई और 2025 के लिए भविष्य के लक्ष्य निर्धारित किए गए। साइबराबाद सीपी अविनाश मोहंती ने साइबराबाद पुलिस को खुशहाल और समृद्ध नव वर्ष 2025 की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने साइबराबाद को रहने के लिए एक सुरक्षित स्थान बनाने में उनके निरंतर प्रयासों के लिए पुलिस बल के प्रत्येक सदस्य का आभार व्यक्त किया।

सीपी ने कहा, 2024 के शानदार वर्ष को बड़ी संतुष्टि के साथ देखते हुए, हम आने वाले वर्ष में और भी अधिक लक्ष्य हासिल करने के लिए नए उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ते हैं। उन्होंने माधापुर, शमशाबाद, बालानगर, राजेंद्रनगर और मेडचल के जोनल अधिकारियों के साथ-साथ एसओटी, महिला एवं बाल सुरक्षा विंग, अपराध नियंत्रण दल, साइबर अपराध इकाई, सीसीआरबी, एसबी, पासपोर्ट सेल, सीआई सेल, पीडी सेल, आईटी सेल, कैट, सुरक्षा विंग, सीएआर मुख्यालय, फिंगरप्रिंट्स एवं सुराग टीम, कानूनी सलाहकार, सीपीओ स्टाफ और मंत्रालयिक स्टाफ को उनके असाधारण कार्य के लिए सराहना की। सीपी ने कर्मचारियों से उत्साह, प्रतिबद्धता, समर्पण और दृढ़ संकल्प के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने का आग्रह किया, इस बात पर जोर दिया कि साइबराबाद के सभी विभागों और विंगों को अपनी पूरी क्षमता से काम करना चाहिए। उन्होंने पेशेवर ज्ञान को लगातार बढ़ाने और उद्देश्य के साथ काम करने के महत्व पर प्रकाश डाला। आज की दुनिया में, जहां आईटी प्रौद्योगिकियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, विभाग में प्रत्येक व्यक्ति को ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

कार्यक्रम में साइबराबाद, संयुक्त सीपी ट्रैफिक डी. जोएल डेविस, माधापुर डीसीपी डॉ. विनीत, डीसीपी अपराध के. नरसिम्हा, मेडचल डीसीपी एन. कोटि रेड्डी, बालानगर डीसीपी के. सुरेश कुमार, राजेंद्रनगर डीसीपी चौ. श्रीनिवास, शमशाबाद डीसीपी बी. राजेश, महिला एवं बाल सुरक्षा विंग (डब्ल्यू एंड सीएसडब्ल्यू) डीसीपी सृजना कर्णम, ईओडब्ल्यू डीसीपी के प्रसाद, साइबर अपराध डीसीपी बी. श्रीबाला, डीसीपी विशेष शाखा, सड़क सुरक्षा विंग डीसीपी एलसी नाइक, मेडचल एसओटी डीसीपी श्रीनिवास, माधापुर एसओटी डीसीपी शोभन कुमार, साइबराबाद ने भाग लिया।

डीसीपी उत्तरी जोन पुलिस का असामाजिक तत्वों के खिलाफ विशेष अभियान

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बेगमपेट पुलिस द्वारा डीसीपी उत्तरी जोन रश्मि पेरुमल के नेतृत्व में बालमराय, अन्ना नगर, रसूलपुरा, श्रीलंका बस्ती और पतिगड्डा क्षेत्रों में असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया। उत्तरी जोन के चार इंस्पेक्टर, आठ सब-इंस्पेक्टर और 80 अन्य पुलिसकर्मियों के साथ-साथ बेगमपेट के एसीपी और एसएचओ की विशेष टीमें बनाई गईं। तीन जनवरी को रात 8 बजे से रात 11 बजे तक चला यह अभियान सार्वजनिक रूप से शराब पीने, गांजा पीने और अन्य असामाजिक गतिविधियों से निपटने पर केंद्रित था। अंधेरे स्थानों, पार्क किए गए वाहनों, चाय की दुकानों, छोटे होटलों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर व्यापक जांच की गई। अभियान के परिणामस्वरूप, 25 व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया, जिनमें 20 व्यक्ति सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीते पाए गए तथा 5 अन्य लोग गांजा पीते हुए पकड़े गए। उनके विरूद्ध सुसंगत मामले दर्ज किए गए हैं, तथा उन्हें न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस ने कहा कि उत्तरी क्षेत्र, हैदराबाद की जनता को सलाह दी जाती है कि वे ऐसी किसी भी घटना की सूचना पुलिस को देने के लिए डायल 100 का उपयोग करें तथा अपराध की रोकथाम और पता लगाने में कानून प्रवर्तन अधिकारियों के साथ सहयोग करें।

डीजीपी ने तेलंगाना पुलिस निशानेबाजों की सराहना की

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक, डॉ. जितेन्द्र ने 67वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप 2024 में तेलंगाना पुलिस निशानेबाजी टीम को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए बधाई दी। डीजीपी ने इनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। डी. नारायण दासु, एसी, 13वीं बटालियन टीजीएसपी, जिन्होंने 25 मीटर रैपिड पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया। वी. सुवर्णा, डब्ल्यूएएसआई, पीएस सुबेदारी वारंगल, जिन्होंने मास्टर्स व्यक्तिगत राइफल प्रोन स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। सम्मान समारोह के दौरान, डीजीपी डॉ. जितेन्द्र ने तेलंगाना पुलिस को गौरव दिलाने में उनके समर्पण और योगदान के लिए टीम की सराहना की। कार्यक्रम में कानून और व्यवस्था के अतिरिक्त डीजीपी, महेश एम. भागवत, खेल आईजीपी, एम. रमेश और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

उत्तरी क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त ने सैन्य अस्पताल के कमांडिंग ऑफिसर ब्रिगेडियर निकाहत जहान के साथ मिलकर आज उत्तरी क्षेत्र की पुलिस टीम और सैन्य अस्पताल के कर्मचारियों के बीच मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच का आयोजन किया।

नौकरी कैलेंडर में नौकरियां नहीं : राकेश रेड्डी

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के नेता एनुगुला राकेश रेड्डी ने आज आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने यह मानकर बेरोजगार कैलेंडर जारी किया है कि यह नौकरी का कैलेंडर है। उन्होंने आरोप लगाया, पिछले बेरोजगार कैलेंडर में त्योहारों और पंचांगों को छोड़कर किसी भी तरह की नौकरी नहीं थी। राकेश रेड्डी ने मज़ाक उड़ाते हुए कहा, कांग्रेस द्वारा दिए गए नौकरी कैलेंडर में कोई नौकरी नहीं है। कांग्रेस सरकार द्वारा दिया गया नौकरी कैलेंडर पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि 2024 के कैलेंडर के अनुसार जनवरी में संक्रांति, फरवरी में महाशिवरात्रि, मार्च में होली, अप्रैल में उगादि, जुलाई में मुहर्रम, अगस्त में राखी, सितंबर में गणेश चतुर्थी, अक्टूबर में दशहरा, नवंबर में दिवाली और दिसंबर में क्रिसमस है, लेकिन राज्य के युवाओं को नौकरी नहीं मिली।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सिडनी टेस्ट में भारत 145 रन से आगे

पंत ने 184 के स्ट्राइक रेट से फिफ्टी बनाई

जडेजा-सुंदर नाबाद; दूसरी पारी में स्कोर 141/6

सिडनी, 4 जनवरी (एजेंसियां)। भारत बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के 5वें टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया से 145 रन आगे है। शनिवार को टीम ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 6 विकेट खोकर 141 रन बनाए। रवींद्र जडेजा 8 और वॉशिंगटन सुंदर 6 रन पर नाबाद लौटे।

सिडनी में भारतीय टीम से ऋषभ पंत ने 33 बॉल पर 61 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल ने 22 रन का योगदान दिया। केएल राहुल और शुभमन गिल 13-13 रन बना सके। विराट कोहली ने 6 रन बनाए। स्कॉट बोलैंड ने 4 विकेट झटके।

टी-ब्रेक से पहले ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 181 रन पर ऑलआउट हुई। यहां इंडिया को पहली पारी में 4 रन की बढ़त मिली थी। भारत ने पहली पारी में 185 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया से डेब्यू मैच खेल रहे ब्यू वेबस्टर ने

सबसे ज्यादा 57 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 33 और सैम कोंस्टास ने 23 रन बनाए। प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज ने 3-3 विकेट झटके। जसप्रीत बुमराह और नीतीश रेड्डी को 2-2 विकेट मिले।

भारत-ऑस्ट्रेलिया 5वें टेस्ट का स्कोरबोर्ड

सिडनी टेस्ट के लिए दोनों टीमें दिन का आखिरी सेशन ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा है। 32 ओवर के इस सेशन में भारत ने 141 रन बनाने में 6 विकेट गंवा दिए।

रवींद्र जडेजा को जीवनदान, स्मिथ-ख्वाजा से कैच छूटा

31वें ओवर में भारतीय बैटर रवींद्र जडेजा को जीवनदान मिला। ब्यू वेबस्टर के ओवर की तीसरी बॉल पर स्मिथ-ख्वाजा से कैच ड्रॉप हुआ।

दरअसल, बॉल पहले स्लिप पर खड़े उस्मान ख्वाजा के पास जा रही थी, लेकिन दूसरे स्लिप से स्टीव स्मिथ ने डाइव लगा दी। बॉल उनके हाथ से लगकर डिफलेक्ट हो गई और कैच ड्रॉप हो गया।

54 मिनट पहले

जसप्रीत बुमराह स्टेडियम में वापस लौट गए हैं। उन्हें स्कैन कराने के लिए ले जाया गया था।

28वें ओवर में भारतीय टीम ने छठा विकेट गंवाया। यहां नीतीश रेड्डी 4 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें स्कॉट बोलैंड ने पैट कमिंस के हाथों कैच कराया। उन्होंने विराट कोहली (6 रन), यशस्वी जायसवाल (22 रन) और केएल राहुल (13 रन) को पवेलियन भेजा।

रोहित बोले-2 बच्चों का पिता, जानता हूं क्या करना है

रिटायरमेंट नहीं लिया, खुद ड्रॉप हुआ; टीम के भले के लिए ऐसा किया

सिडनी, 4 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सिडनी में खेले जा रहे पांचवें टेस्ट में रोहित शर्मा नहीं खेल रहे हैं। रोहित के प्लेइंग इलेवन में न होने पर कई सवाल उठे। रोहित ने शनिवार को ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा, मैंने रिटायरमेंट नहीं लिया है।

रोहित ने कहा, सिडनी टेस्ट में खराब फॉर्म के चलते खुद को ड्रॉप किया। यह फैसला लेना मुश्किल था, लेकिन टीम के हित में फैसला लिया। टीम में किसे रहना है या नहीं, यह फैसला हमारा है। दूसरा कोई नहीं तय कर सकता।

सिडनी टेस्ट में भारत की कप्तानी जसप्रीत बुमराह कर रहे हैं। कप्तान रोहित शर्मा ने खुद को इस मैच से ड्रॉप कर दिया, वह पांचवां टेस्ट नहीं खेल रहे। उनकी जगह शुभमन गिल को मौका मिला है।

रोहित शर्मा ने कहा, ₹चार-पांच महीने पहले मेरी कैप्टेंसी और मेरे आइडियाज खूब काम आए। अचानक से ये चीजें खराब कही जाने लगीं। आज रन नहीं बन रहे हैं, लेकिन इसकी कोई गारंटी नहीं है कि आप भविष्य में रन नहीं बना पाएंगे। माइक, पेन या लैपटॉप वाले लोग के बोलने से जीवन नहीं बदलेगा। वे यह तय नहीं कर सकते कि मुझे कब संन्यास लेना चाहिए, कब बाहर बैठना चाहिए, कब कप्तानी करनी चाहिए। मैं एक समझदार आदमी हूं, दो बच्चों का पिता हूं। इसलिए मुझे पता है कि कब क्या करना है।

कोच और सिलेक्टर के साथ मेरी बातचीत बहुत सिंपल थी। मुझसे रन नहीं बन रहे थे, फॉर्म में नहीं हूं और यह एक महत्वपूर्ण मैच है इसलिए हमें फॉर्म में रहने वाले खिलाड़ियों की जरूरत है। यह सरल पहलू मेरे दिमाग में चल रहा था। इसलिए मुझे लगा कि मुझे कोच और सिलेक्टर को यह बताना चाहिए कि मैं इस तरह से सोच रहा हूं। उन्होंने मेरे फैसले का समर्थन किया।

आप इतने सालों से खेल रहे हैं, आप जानते हैं कि क्या करना है और क्या नहीं करना है। मेरे लिए यह एक कठिन फैसला था, लेकिन यह एक समझदारी भरा निर्णय भी था। मैं बहुत आगे के बारे में नहीं सोचना चाहता था। अभी इस समय केवल यही सोचना था कि टीम को क्या चाहिए। सिडनी टेस्ट से बाहर रहने का फैसला मैंने यहां पहुंचने के बाद ही ले लिया था। क्योंकि मेलबर्न टेस्ट के बाद टाइम कम (तीन दिन का गैप) था। उसमें भी एक दिन नया साल था। मैं नए साल पर कोच और सिलेक्टर को इस फैसले के बारे में नहीं बताना चाहता था। लेकिन मेरे दिमाग में यह चल रहा था कि मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं लेकिन परफॉर्म नहीं हो रहा।

हमने क्रिकेट में यह बहुत बार देखा है कि हर मिनट, हर सेकंड, हर रोज जिंदगी बदलती है। इसलिए मुझे खुद पर विश्वास है कि चीजें बदलेंगी।

मैं इतनी दूर से आया हूं। क्या मैं बाहर बैठने आया हूँ? मैं अपनी टीम के लिए खेलना और मैच जीतना चाहता हूं। 2007 में जब मैं पहली बार ड्रेसिंग रूम में आया था, तब से यही चल रहा है, मुझे अपनी टीम के लिए मैच जीतना है। कभी-कभी आपको यह समझने की जरूरत होती है कि टीम को क्या चाहिए। अगर आप टीम को आगे नहीं रखते हैं, तो इसका कोई फायदा नहीं है।₹

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में फ्लॉप रहे हैं। वे 3 टेस्ट की 5 पारियों में महज 31 रन ही बना सके हैं। उनका एवरेज 6.20 का रहा है। वे साल 2024 में 24.76 के एवरेज से महज 131 रन ही बना सके हैं।

जसप्रीत बुमराह को लगी ये चोट

क्या दूसरी पारी में कर पाएंगे बॉलिंग?

सिडनी, 4 जनवरी (एजेंसियां)। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जा रहा सिडनी टेस्ट मैच रोमांचक स्थिति में पहुंच गया है. सिर्फ 2 दिन का खेल हुआ है और उसमें भी दो पारियां पूरी हो चुकी हैं, जबकि तीसरी पारी में भी टीम इंडिया के 6 विकेट गिर गए. हालांकि टीम इंडिया इसके बावजूद अभी 145 रन की बढ़त ले चुकी है. मगर टीम इंडिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती टीम के कप्तान और स्टार पेसर जसप्रीत बुमराह की फिटनेस. मैच के दूसरे दिन बुमराह अचानक मैदान छोड़कर अस्पताल चले गए थे, जिसने भारतीय टीम और फैंस की धड़कनें बढ़ा दी हैं. अब खुलासा हुआ है कि बुमराह की पीठ में दर्द उठा है और मेडिकल टीम उन पर नजर बनाए हुए है.

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में शनिवार 4 जनवरी को सीरीज के

आखिरी टेस्ट के दूसरे दिन का खेल हुआ. ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी को आगे बढ़ाना शुरू किया. दिन के पहले सेशन में तो बुमराह ने काफी गेंदबाजी की और मार्नस लाबुशेन का विकेट भी हासिल किया. फिर दूसरे सेशन में कुछ देर के खेल के बाद अचानक वो मैदान से बाहर चले गए. ये नजारा देखकर टीम इंडिया के फैंस भी टेंशन में आ गए. बुमराह को ड्रेसिंग रूम से मैच किट के बजाए ट्रेनिंग जर्सी में बाहर आते हुए देखा गया और फिर टीम के फीजियो के साथ एक कार में बैठकर स्टेडियम से बाहर चले गए थे.

टीम इंडिया ने जब दूसरी पारी में बल्लेबाज शुरू की तो उसके कुछ देर बाद बुमराह वापस स्टेडियम में लौट आए थे लेकिन हर किसी को बस यही जानने का इंतजार था कि आखिर उन्हें चोट क्या लगी है. दूसरे दिन स्टंप्स के बाद इसका खुलासा भी हो गया. प्रेस कॉन्फ्रेंस में आए तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने बुमराह की फिटनेस पर अपडेट दिया और बताया कि वो पीठ में ऐंठन से जूझ रहे हैं. प्रसिद्ध ने कहा, "बुमराह को पीठ में ऐंठन महसूस हुई, जिसके चलते उन्हें स्कैन के लिए ले जाया गया. मेडिकल टीम उन पर नजर बनाए हुए है."

करुण ने लिस्ट-ए में बिना आउट हुए 542 रन बनाए

दुनिया के पहले बल्लेबाज; विजय हजारे ट्रॉफी के 5 मैचों में से 4 में नाबाद रहे

विजयनगरम, 4 जनवरी (एजेंसियां)। विदर्भ के कप्तान करुण नायर लिस्ट-ए (वनडे) क्रिकेट बिना आउट हुए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 के खेले हुए 5 मैचों में 542 रन बनाए।

33 साल के नायर ने छत्तीसगढ़, चंडीगढ़, तमिलनाडु, जम्मू-कश्मीर और उत्तरप्रदेश के खिलाफ पांच मैच खेले। इनमें से छत्तीसगढ़ को छोड़कर चार में शतक लगाया।

आखिरी मैच उत्तरप्रदेश के खिलाफ आंध्र प्रदेश विजयनगर के विज्जी स्टेडियम खेला। इस मैच में वे 112 रन बनाकर आउट हुए। नायर की टीम विदर्भ ने यह मैच 8 विकेट से जीता।

नायर का 5 मैचों में प्रदर्शन:

टीम	रन
जम्मू-कश्मीर	112 (नाबाद)
छत्तीसगढ़	44 (नाबाद)
चंडीगढ़	163 (नाबाद)
तमिलनाडु	111 (नाबाद)
उत्तरप्रदेश	112 (आउट)

उत्तर प्रदेश के खिलाफ 70 रन बनाते ही करुण नायर बिना आउट हुए 500 या उससे ज्यादा लिस्ट ए रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए। उन्होंने 2010 में न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर जेम्स फ्रैंकलिन (527) के बनाए गए लिस्ट ए रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। नायर ने अपना सातवां लिस्ट-ए शतक बनाया।

पहले मैच में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ सेंचुरी लगाई

नायर ने इस रिकॉर्ड को बनाने की शुरुआत 23 दिसंबर 2024 को जम्मू-कश्मीर के खिलाफ मैच से की थी। विजयनगरम के विज्जी स्टेडियम में खेले गए उस मैच में 222 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जम्मू-कश्मीर के खिलाफ उन्होंने नाबाद 112 रन की पारी खेली थी।

26 दिसंबर को छत्तीसगढ़ के

खिलाफ नाबाद 44 रन बनाए। इसके बाद 28 दिसंबर को चंडीगढ़ के खिलाफ नाबाद 163 और 31 दिसंबर को तमिलनाडु के खिलाफ नाबाद 111 रन की पारी खेल दी। हालांकि, करुण नायर उत्तर प्रदेश के खिलाफ अपना नाबाद अभियान जारी नहीं रख पाए। वह 11 चौके और 2 छक्के की मदद से 101 गेंद पर 112 रन बनाकर आउट हुए।

करुण नायर 2023 में विदर्भ के साथ जुड़ने से पहले कर्नाटक के लिए 11 साल तक खेले। विजय हजारे ट्रॉफी के लिए कप्तान बनने के बाद करुण नायर को पिछले नवंबर में आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन के दौरान आईपीएल के लिए भी चुना गया था। वह 2 साल बाद आईपीएल खेलने उतरेंगे।

दाएं हाथ के बल्लेबाज को दिल्ली कैपिटल्स ने 50 लाख रुपए में खरीदा। नायर 2016-17 के बाद दिल्ली कैपिटल्स के साथ दूसरी बार खेलेंगे।

विश्व नंबर 293 ओपेल्का से हारे जोकोविच

ब्रिस्बेन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में 6-7, 3-6 से मिली पराजय

ब्रिस्बेन, 4 जनवरी (एजेंसियां)। 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता सर्बिया के नोवाक जोकोविच को ब्रिस्बेन अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में विश्व नंबर 293 अमेरिका के रीली ओपेल्का के हाथों हार का सामना करना पड़ा। अपनी तेज सर्विस के दम पर ओपेल्का ने जोकोविच को सीधे सेटों में 7-6 (6), 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ओपेल्का ने पूरे मैच में 16 एस लगाए और दोनों सेट एस लगाकर ही समाप्त किए। यह उनके जीवन की सबसे बड़ी जीत में से एक है। सेमीफाइनल में ओपेल्का फ्रांस के जियोवानी पेरीकार्ड से भिड़ेंगे। पेरीकार्ड ने याकूब मेंसिक को 7-5, 7-6 से हराया।

तीन वर्ष पूर्व विश्व नंबर 17 थे फरवरी, 2022 में ओपेल्का की विश्व रैंकिंग 17 तक पहुंच गई थी, लेकिन इसी वर्ष के अंत में

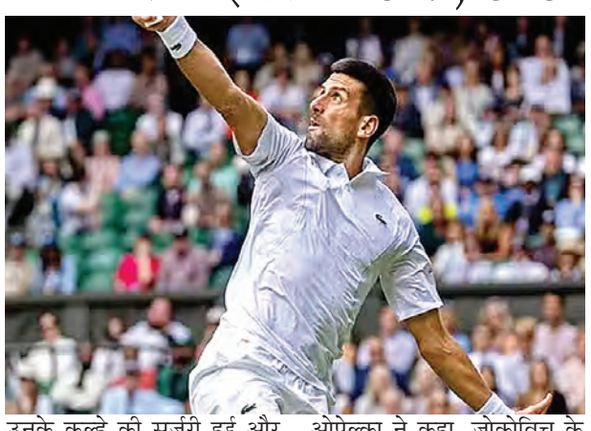

उनके कूल्हे की सर्जरी हुई और ट्यूमर निकाला गया। जब से उन्होंने टेनिस कोर्ट पर वापसी की है, उसके बाद से यह उनके लिए सबसे बड़ा परिणाम है। जोकोविच का साल का यह पहला टूर्नामेंट है। 12 जनवरी से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलियाई ओपन में वह नए कोच एंडी मरे की कोचिंग में खेलने उतरेंगे। जोकोविच 10 बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीत चुके हैं। ओपेल्का ने कहा, जोकोविच के खिलाफ उनके पास खोने को कुछ नहीं था। वह इस खेल के सबसे महान खिलाड़ी हैं, जिसके चलते वह उनके खिलाफ स्वतंत्र होकर खेले और ज्यादा जोखिम भी उठाए। अगर आप उनके खिलाफ सामान्य या उससे कुछ अधिक स्तर पर खेलेंगे तो किसी भी खिलाड़ी को उनके खिलाफ हार मिलेगी।

सबालेंका भी सेमीफाइनल में

एक अन्य क्वार्टर फाइनल में चेक गणराज्य के जीरी लेहका ने चिली के निकोलस जैरी को 6-4, 6-4 से हराया। वहीं, दूसरी वरीय बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के जॉर्डन थांप्सन ने 1-6, 1-2 से पिछड़ने के बाद मैच बीच में छोड़ दिया। लेहका और दिमित्रोव सेमीफाइनल में आपस में भिड़ेंगे। महिलाओं के क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीय आर्यन सबालेंका ने मेरी बुजकोवा को 6-3, 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। मीरा एंड्रीवा ने ओंस जेब्यूर को 6-4, 7-6 से हराया। पोलिना कुदरमेत्सोवा ने एशलिन क्रूगर को 7-6, 6-3 से हराया। एनेहलिना कालिनिना ने किंबर्ली बिरेल को 4-6, 6-1, 7-5 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पूर्व भारतीय हॉकी कोच जगबीर सिंह को पड़ा दिल का दौरा, अस्पताल में भर्ती

राउरकेला, 4 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय फॉरवर्ड और हॉकी कोच जगबीर सिंह ने सीने में जकड़न की शिकायत की थी। इसके बाद उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां ऑपरेशन के दौरान उन्हें दिल का दौरा पड़ा।

दो बार के ओलंपियन हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के लिए टीम गोनासिका के साथ राउरकेला पहुंचे थे। दोपहर को प्रशिक्षण सत्र के दौरान जगबीर को सांस लेने में तकलीफ महसूस हुई जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी धमनियों में अवरोध होने का पता चला। इलाज के दौरान उन्हें दिल का दौरा पड़ा।

खेल पुरस्कार के लिए आगे नहीं आए क्रिकेटर

खेल रत्न और अर्जुन अवॉर्ड के लिए नहीं किया आवेदन

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। देश के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न और अर्जुन अवॉर्ड के लिए खिलाड़ियों में जबरदस्त होड़ रहती है, लेकिन किसी भी क्रिकेटर ने इनमें रुचि नहीं दिखाई। भारतीय टीम के किसी भी क्रिकेटर ने खेल रत्न और अर्जुन अवॉर्ड के लिए इस बार आवेदन नहीं किया। पुरस्कार समिति के कुछ सदस्यों के अनुसार इस बार राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के लिए तकरीबन 350 खिलाड़ियों ने आवेदन किया, लेकिन इसमें किसी भी क्रिकेटर का नाम नहीं था। हालांकि, पिछली बार की तरह इस बार खेल मंत्रालय ने भी किसी भी क्रिकेटर को पुरस्कार देने के लिए स्वतः संज्ञान नहीं लिया। बीते वर्ष मंत्रालय ने मोहम्मद शमी को अर्जुन अवॉर्ड दिया था।

कुछ वर्षों से खेल मंत्रालय ने खेल पुरस्कारों के लिए सीधे आवेदन का प्रावधान रखा है। इससे पहले खिलाड़ी अपने खेल संघों के जरिये इनके लिए आवेदन करते थे। पिछले कई वर्षों से बीसीसीआई खेल पुरस्कार के लिए आवेदन भेजता था। सीधे आवेदन के चलते किसी भी क्रिकेटर ने इनमें रुचि नहीं दिखाई। इस बार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को अर्जुन अवॉर्ड और टी-20 विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम के कोच राहुल द्रविड़ को द्रोणाचार्य अवॉर्ड का दावेदार माना जा रहा था, लेकिन उनका आवेदन नहीं होने के चलते उन्हें नहीं चुना गया। हालांकि द्रविड़ ने कई वर्ष पूर्व खेल रत्न के लिए आवेदन किया था, लेकिन तब उन्हें यह पुरस्कार नहीं दिया गया। इस बार द्रोणाचार्य अवॉर्ड के लिए कुछ क्रिकेट प्रशिक्षकों ने जरूर आवेदन किया था। इस बार पुरस्कार समिति में पूर्व क्रिकेटर अनिल कुंबले भी शामिल थे, लेकिन किन्हीं कारणों से वह बैठक में नहीं आ पाए।

स्वीटी, साजन का नाम जुड़ा, सरोहा का कटा

दो ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और शतरंज विश्व चैंपियन डी गुकेश के नाम की सिफरिश पुरस्कार समिति ने नहीं की थी, लेकिन मंत्रालय ने दोनों के नाम पर स्वतः संज्ञान लेकर उन्हें खेल रत्न के लिए चुना। सूत्र बताते हैं कि समिति ने अर्जुन पुरस्कार के लिए 30 नामों की सिफारिश की थी, लेकिन मंत्रालय की ओर से जारी सूची में 32 नाम हैं। सूत्र बताते हैं कि विश्व चैंपियन मुक्केबाज स्वीटी और तैराक साजन प्रकाश को अर्जुन पुरस्कार देने के लिए भी मंत्रालय ने स्वतः संज्ञान लिया। यही नहीं समिति ने पैरा एथलीट अमित सरोहा के नाम की सिफारिश द्रोणाचार्य अवॉर्ड के लिए की थी, लेकिन अंतिम क्षणों में उनका नाम कटा है।

'अर्जुन पुरस्कार उपलब्धि, मेरा लक्ष्य शीर्ष 10 में जगह बनाना'

शतरंज खिलाड़ी वंतिका का बयान

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। भारत की उभरती शतरंज खिलाड़ी वंतिका अग्रवाल ने अर्जुन पुरस्कार जीतने को अपने करियर के 'सबसे बड़े क्षणों' में से एक करार देते हुए कहा कि उनका अगला बड़ा लक्ष्य ग्रैंडमास्टर का खिताब हासिल करने के साथ महिला खिलाड़ियों की वैश्विक रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाना है।

वंतिका ने कहा, अर्जुन पुरस्कार पाकर मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं। यह पुरस्कार हासिल करना मेरे करियर के सबसे सुखद पलों में से एक है। यह मेरे जीवन में एक प्रमुख व्यक्तिगत मील का पत्थर है। यह सम्मान मेरी कड़ी मेहनत, मेरे कोचों के समर्पण और मेरे परिवार और गुरुओं के अटूट समर्थन का प्रमाण है।

वंतिका के नाम अभी 2411 अंक हैं। उन्होंने 2024 में भारत की ऐतिहासिक शतरंज ओलंपियाड जीत के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। वह इस दौरान 13 ईएलओ अंक हासिल कर वैश्विक रैंकिंग में 12 स्थान सुधार करने में सफल रही।उन्होंने कहा, अब मेरा लक्ष्य ग्रैंडमास्टर का तमगा हासिल कर महिलाओं की रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाना है।

भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी अभय सिंह को इंग्लैंड में प्रशिक्षण के लिए कैब में जाते समय एक बधाई संदेश मिला जिससे उन्हे अर्जुन पुरस्कार के लिए चुने जाने का पता चला। इस साल विश्व रैंकिंग में शीर्ष 30 में जगह बनाने का लक्ष्य रखने वाले 25 वर्षीय खिलाड़ी ने इस सम्मान को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि करार देते हुए कहा, हां, यह एक बड़ी उपलब्धि है। हो सकता है कि जब मैं 17 तारीख को वहां पहुंचूं तो यह मुझे और अधिक प्रभावित करे। मैं अभी इंग्लैंड में ठंड में एक प्रशिक्षण शिविर में रुका हुआ हूं, इसलिए इसे प्राप्त करना थोड़ा कठिन है।

एशियाई खेल 2023 में टीम स्वर्ण और मिश्रित युगल में कांस्य पदक जीतने वाले दुनिया के 54वें नंबर के इस खिलाड़ी ने कहा, यह पुरस्कार मेरी टीम और परिवार के बलिदानों और मुझमें उनके निवेश के लिए है। मुझे उम्मीद है कि वे खुश और गौरवान्वित होंगे।

क्या चहल और धनश्री लेने वाले हैं तलाक?

इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को किया अनफॉलो

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम के स्टार स्पिन गेंदबाज युजवेंद्र और उनकी पत्नी धनश्री वर्मा को लेकर लंबे समय से अटकलें लगाई जा रही है कि दोनों एक-दूसरे से अलग होने वाले हैं। वहीं अब इन अटकलों के बीच चहल और धनश्री ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है।

चहल ने हटाई सब तस्वीरें

इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो करने के बाद युजवेंद्र ने

धनश्री के साथ की सभी तस्वीरों को हटा दिया है। जिसके बाद फैंस को लगने लगा है कि ये दोनों ही एक-दूसरे से अलग होने वाले हैं। दूसरी तरफ अभी तक तलाक को लेकर चहल और धनश्री की तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया है।

एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस जोड़े के करीबी सूत्रों ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि, तलाक की अफवाहें सच हैं। उन्होंने कहा, "तलाक अपरिहार्य है, और इसे आधिकारिक रूप से स्वीकार किए जाने में बस कुछ ही समय बाकी है। उनके अलग होने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन यह स्पष्ट है कि इस जोड़े ने अलग-अलग जीवन जीने का फैसला किया है।"

राज्य सरकार की मुफ्त बिजली योजना से लाखों पात्र उपभोक्ता वंचित

2.50 लाख पात्र आवेदकों को अभी भी मिल रहे हैं बिजली बिल

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार गृह ज्योति योजना के तहत 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, लेकिन तेलंगाना भर में लाखों उपभोक्ता परेशान हैं, क्योंकि उन्हें इस लाभ से वंचित रखा गया है। लाभार्थियों का कहना है कि गृह ज्योति योजना के पहले चरण में कई पात्र लोग छूट गए थे और सरकार ने उन्हें फिर से आवेदन करने को कहा है लेकिन तब से बड़ी संख्या में लोगों को शून्य बिल नहीं मिल रहे हैं।

सूत्रों का कहना है कि हैदराबाद, रंगारेड्डी और मेडचल जिलों में प्रजा पालना कार्यक्रम के तहत गृह ज्योति योजना के तहत कुल 19.8 लाख आवेदन जमा किए गए थे। हालांकि, करीब 2.50 लाख पात्र आवेदकों को अभी भी बिजली बिल मिल रहे हैं, जबकि उन्हें कोई लाभ नहीं दिया जा रहा है।

राज्य के सभी जिलों में ऐसी ही स्थिति है। अधिकारियों ने इस समस्या के लिए अधूरी डेटा एंट्री को जिम्मेदार ठहराया है, जिसकी वजह से पात्र उपभोक्ताओं को वादा किए गए शून्य बिल नहीं मिल पा रहे हैं।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, राज्य में 1,31,48,000 से ज़्यादा घरेलू बिजली कनेक्शन हैं, जिनमें से 1.05 करोड़ परिवार हर महीने 200 यूनिट बिजली की खपत करते हैं। सभी शर्तें पूरी करने के बावजूद, कई पात्र व्यक्तियों को अभी भी अपने बिजली बिल माफ़ करवाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। बजट सत्र के दौरान, सरकार ने डेटा पेश किया, जिसमें बताया गया कि 42.25 लाख लोगों को मुफ़्त बिजली मिल रही है। इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं है कि बाकी पात्र लाभार्थियों को कब लाभ मिलेगा।

राज्य सरकार पिछले साल मार्च से गृह ज्योति योजना के तहत शून्य बिल जारी कर रही है। यह उन घरेलू उपभोक्ताओं पर लागू है जिनके पास खाद्य सुरक्षा कार्ड हैं और जो 200 यूनिट से कम खपत करते हैं। कांग्रेस सरकार ने बजट में गृह ज्योति योजना के लिए 2,418 करोड़ रुपये निर्धारित किए हैं। इस बीच, राज्य डिस्कॉम के अधिकारियों का दावा है कि गृह ज्योति लाभार्थियों के चयन में उनकी कोई भूमिका नहीं थी तथा सूची सरकार द्वारा भेजी गई थी और उन्होंने तदनुसार शून्य बिल जारी किए।

सरकारी आदेश के अनुसार, प्रजा पालना और अन्य माध्यमों से प्राप्त सभी आवेदन, जो आधार कार्ड से जुड़े हैं, इस योजना के अंतर्गत आएंगे। जो उपभोक्ता मुफ्त बिजली के लिए पात्र हैं, लेकिन उन्हें मार्च से बिल प्राप्त हो रहे हैं, वे स्थानीय नगर निगम और नगर निकायों से योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं। सत्यापन के बाद, यदि उक्त उपभोक्ता पात्र पाया जाता है, तो गृह ज्योति योजना के प्रावधानों के अनुसार संशोधित बिल जारी किया जाएगा।

एफआईआर रद्द करने की मांग हाई कोर्ट पहुंचे विधायक कौशिक

कहा- आरोप निराधार, नहीं है पर्याप्त सबूत

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक पाडी कौशिक रेड्डी ने 2023 के राज्य विधानसभा चुनावों के दौरान चुनाव संहिता के कथित उल्लंघन के लिए उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को रद्द करने की मांग करते हुए तेलंगाना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। विधायक पर चुनाव से पहले 28 नवंबर 2023 को कमलापुर बस स्टैंड के पास कथित रूप से भड़काऊ बयान देने का मामला दर्ज किया गया था।

रेड्डी पर आरोप है कि या तो हमें वोट देकर हमारी जीत सुनिश्चित करें और जश्न मनाने वाले जुलूस में भाग लें या हमें वोट न दें और हमारे अंतिम संस्कार के जुलूस में भाग लें। कथित तौर पर यह बयान एक अभियान रैली के दौरान दिया गया था और अधिकारियों का आरोप है कि इसने चुनाव संहिता का उल्लंघन किया है। रेड्डी की याचिका में कहा गया है कि आरोप निराधार हैं और उनके खिलाफ दायर आरोपपत्र में आरोपों को साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं। यह मामला फिलहाल हैदराबाद के नामपल्ली स्थित आबकारी न्यायालय के विशेष न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के समक्ष लंबित है और इसकी सुनवाई अगले सप्ताह तेलंगाना उच्च न्यायालय में होने की उम्मीद है।

महाकुंभ मेले में मॉडल एसवी मंदिर : टीटीडी बोर्ड प्रमुख

तिरुपति, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी के चेयरमैन बी.आर. नायुडू ने कहा है कि 13 जनवरी से 26 फरवरी तक उत्तर प्रदेश के प्रयागराज (इलाहाबाद) में होने वाले महाकुंभ मेले के दौरान सेक्टर 6 में वासुकी मंदिर के बगल में श्री वेंकटेश्वर स्वामी का मॉडल मंदिर बनाने के लिए सभी इंतजाम किए जा रहे हैं।

एसएसडी टोकन जारी करने वाले काउंटरों का निरीक्षण करने के बाद शनिवार को तिरुपति में रामचंद्र पुष्करिणी में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए चेयरमैन ने कहा कि प्रयागराज में श्रीवरु का मॉडल मंदिर बनाया जा रहा है, ताकि खासकर उत्तर भारत से आने वाले श्रद्धालु श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि तिरुमाला की तर्ज पर श्रीवारी कल्याणोत्सवम, चक्रस्नानम और अन्य शुभ कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को प्रभावित करने के लिए सभी तरह की बिजली और फूलों की सजावट की जाएगी। महाकुंभ मेले के मुख्य दिनों में तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना के चलते पहले से ही कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। उन्होंने यह भी कहा कि टीटीडी के अधिकारी सामूहिक रूप से इस आयोजन की व्यवस्था कर रहे हैं और अधिकारी एसवीबीसी के माध्यम से समय-समय पर इस आयोजन का सीधा प्रसारण करने के लिए कदम उठा रहे है। तिरुपति जेईओ (एचएंडई) गौतमी, सीवीएसओ श्रीधर, नगर आयुक्त मौर्य, सीई सत्यनारायण और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

हैदराबाद जल बोर्ड को 8,800 करोड़ रुपये का राजस्व घाटा!

5,500 करोड़ रुपये के बिजली बिल लंबित

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएस एंड एसबी) 8,800 करोड़ रुपये के राजस्व घाटे का सामना कर रहा है। इसे 5,500 करोड़ रुपये के लंबित बिजली बिल और 1,847 करोड़ रुपये के पिछले ऋण का भुगतान करना है। इसके अलावा, विभिन्न विभागों और सरकारी कार्यालयों पर जल बोर्ड का 4,300 करोड़ रुपये बकाया है। शुक्रवार को यहां एक बैठक के दौरान जल बोर्ड के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के साथ ये विवरण साझा किए।

एचएमडब्लूएसएसबी के प्रबंध निदेशक अशोक रेड्डी ने बताया कि जल बोर्ड द्वारा अर्जित आय कर्मचारियों के वेतन, भत्ते और पेयजल आपूर्ति के रखरखाव की लागत का भुगतान करने के लिए पर्याप्त थी।

मुख्यमंत्री ने देखा कि बोर्ड का राजस्व और व्यय आशाजनक नहीं था और इसलिए संकट से उबरने के लिए वित्त विभाग के साथ समन्वय में तत्काल कार्य योजना तैयार की जानी चाहिए।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि जल बोर्ड को अपनी आय बढ़ाने के तरीके भी तलाशने चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर में पहले से ही 20,000 लीटर पानी मुफ्त में दिया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों से लंबित जल बिलों की नियमित वसूली करने को कहा। जल बोर्ड को नई परियोजनाओं के लिए आवश्यक धन जुटाने और कम ब्याज दरों पर ऋण प्राप्त करने के विकल्प तलाशने का भी आदेश दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य के लिए परियोजनाओं की डीपीआर तैयार की जानी चाहिए।

जल बोर्ड के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को यह भी बताया कि 1965 से मंजीरा नदी से शहर के कई इलाकों में पानी की आपूर्ति करने वाली पाइपलाइनें पुरानी हो चुकी हैं।

नतीजतन, अगर मरम्मत का काम शुरू भी हो जाता है तो करीब 10 से 15 दिन तक पानी की आपूर्ति बाधित रहती है।

जवाब में मुख्यमंत्री ने मौजूदा लाइनों के साथ-साथ वैकल्पिक तौर पर आधुनिक लाइनें बनाने के लिए एक नई परियोजना शुरू करने का आदेश दिया। रेवंत रेड्डी ने कहा कि यदि आवश्यक हो, तो अधिकारियों को केंद्र सरकार द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे जल जीवन मिशन के माध्यम से धन प्राप्त करने के लिए एक परियोजना रिपोर्ट तैयार करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने जल बोर्ड के अधिकारियों को अगले 25 वर्षों के दौरान ग्रेटर हैदराबाद के निवासियों को सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के विकास और भविष्य की जरूरतों का आकलन करने के लिए योजना बनाने का आदेश दिया।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक घर को पेयजल आपूर्ति के साथ-साथ सीवेज योजना भी तैयार की जानी चाहिए तथा यदि आवश्यक हो तो एजेंसियों और परामर्शदाताओं को शामिल करके अध्ययन कराया जाना चाहिए।

धान के खेत में घुसी कार

बाल-बाल बचे डॉक्टर दम्पति

मेदक, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को शिवमपेट मंडल के शंकर थांडा में एक डॉक्टर दम्पति भाग्यशाली रहे कि उनकी कार अनियंत्रित होकर धान के खेत में गिर गई और उन्हें मामूली चोटें आईं। डॉ. श्रीकांत और उनकी पत्नी डॉ. लक्ष्मी नामक दम्पति, जिनके तूप्रान और वेल्दुर्थी में नर्सिंग होम थे, वे वेल्दुर्थी से तूप्रान जा रहे थे। चूंकि सड़क का 6 किमी हिस्सा बिछाया जा रहा था, इसलिए ठेकेदार ने सड़क किनारे बजरी का ढेर लगा दिया था। श्रीकांत की कार बजरी से टकरा गई और सड़क किनारे खेत में जा गिरी। उन्हें तूप्रान के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से पैदल यात्री की मौत, चालक फरार

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 3 दिन पहले मीरपेट में सड़क दुर्घटना में घायल हुए एक पैदल यात्री की शनिवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। मीरपेट निवासी अनिल बुधवार शाम को विधायक कैंप कार्यालय के पास सड़क पार कर रहा था, तभी एक तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां शनिवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दुर्घटना के बाद कार चालक तेजी से भाग गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार की पहचान व पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

केटीआर ने मूल्य वृद्धि को लेकर की कांग्रेस नेतृत्व की आलोचना

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में कांग्रेस सरकार पर जोरदार हमला बोलते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने शनिवार को कांग्रेस नेतृत्व पर उनके हालिया फैसलों के लिए निशाना साधा, जिसके बारे में उनका दावा है कि इसने अपने मतदाताओं के विश्वास को धोखा दिया है। कर्नाटक में आरटीसी टिकट की कीमतों में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी और हिमाचल प्रदेश में शौचालय कर लगाने पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कांग्रेस पर झूठे वादों से जनता को धोखा देने और फिर उन पर अतिरिक्त लागत का बोझ डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की गारंटी कुछ और नहीं बल्कि घोटाले हैं। पहले, वे इन योजनाओं के ज़रिए आपका वोट चुराने के लिए सबको बेवकूफ बनाते हैं और फिर आम लोगों को कीमतों में बढ़ोतरी और अतिरिक्त करों से रौंदते हैं। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस का अभियान छल-कपट पर आधारित होगा तो परिणाम दैनिक सर्कस से कम नहीं होगा।

अमेरिका में धोखाधड़ी वाले कॉल के लिए भारतीय मूल का छात्र गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अमेरिका में छात्र वीजा पर रहने वाले भारतीय मूल के एक छात्र को दिसंबर के दूसरे सप्ताह में एक बुजुर्ग व्यक्ति को पुलिसवाला बताकर ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। यह घटना हाल ही में प्रकाश में आई है। महेंद्र दरबार ने 71 वर्षीय जोस लोपेज़ को धमकाते हुए कहा कि उनके खाते में वित्तीय अनियमितताएं हैं और उन्हें तुरंत साफ़ किया जाना चाहिए अन्यथा उन्हें जेल हो जाएगी।

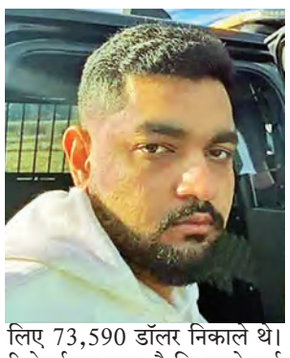

अमेरिकी मीडिया के अनुसार, पीड़ित ने दरबार को सौंपने के लिए 73,590 डॉलर निकाले थे। रिपोर्ट्स का दावा है कि उसने कई दिनों तक पीड़ित को धमकाया और धोखा दिया। बताया जाता है कि दरबार अपराध को अंजाम देने के लिए पेंसिल्वेनिया से न्यू मैक्सिको गया था।

लोपेज की बेटी अमांडा गुरुले ने अपने पिता की मदद के लिए गोफंडमी की स्थापना की है। गुरुले ने कहा कि हमारा परिवार बस यही चाहता है कि हम इस स्थिति से बाहर निकल सकें और लोगों को बता सकें कि वे सावधान रहें और अपने आस-पास के लोगों का ख्याल रखें। अदालती रिकॉर्ड का हवाला देते हुए मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि दरबार को परीक्षण-पूर्व निगरानी पर जेल से रिहा कर दिया गया।

अवैध मेडिकल दुकान का भंडाफोड़

बिना लाइसेंस के दवाइयां बेचते पकड़ा गया मालिक

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। औषधि नियंत्रण प्रशासन, तेलंगाना के अधिकारियों ने दवाओं की अवैध बिक्री के संबंध में विश्वसनीय सूचना के आधार पर शुक्रवार को कुकटपल्ली के अल्लापुर के शिवाजी नगर स्थित एक मेडिकल दुकान पर छापा मारा। डीसीए के महानिदेशक वीबी कमलासन रेड्डी ने बताया कि दुकान के मालिक सारंगी नागा शिवा उक्त परिसर में बिना किसी ड्रग लाइसेंस के अवैध रूप से मेडिकल दुकान चला रहे थे।

इस दौरान डीसीए अधिकारियों ने बिक्री के लिए बड़ी मात्रा में दवाओं का अनाधिकृत भंडारण पाया। परिसर में बिक्री के लिए एंटीबायोटिक्स, एनाल्जेसिक, एंटीअल्सर ड्रग्स, एंटी-डायबिटिक ड्रग्स, एंटीहाइपरटेंसिव ड्रग्स आदि सहित कुल 59 प्रकार की दवाएं पाई गईं। छापेमारी के दौरान डीसीए अधिकारियों ने कुल 30,000 रुपये मूल्य का स्टॉक जब्त किया। डीसीए अधिकारियों ने विश्लेषण के लिए नमूने जब्त कर लिए हैं। अधिकारियों ने कहा कि आगे की जांच की जाएगी और सभी अपराधियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

1.5 लाख रुपये मूल्य की एल्शियम-डी3 गोलियां जब्त

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य औषधि नियंत्रण प्रशासन (टीएसडीसीए) के औषधि निरीक्षकों ने कोत्तापेट, उप्पल, मेडचल-मलकजगिरी जिले में 1.5 लाख रुपये मूल्य की एल्शियम-डी3 (विटामिन डी3 के साथ कैल्शियम) की गोलियों का स्टॉक जब्त किया है। इन्हें 'खाद्य उत्पादों/न्यूट्रास्युटिकल्स' की आड़ में गलत तरीके से निर्मित और बेचा जा रहा था। उत्पाद एल्शियम-डी3 (विटामिन डी3 के साथ कैल्शियम) टैबलेट का निर्माण हिंदुस्तान न्यूट्रास्युटिकल्स, औद्योगिक पार्क, मेडचल-मलकाजगिरी द्वारा किया गया पाया गया।

टीएसडीसीए ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि जब्त की गई दवाइयों को 'खाद्य लाइसेंस' के तहत गलत तरीके से निर्मित किया गया था और खाद्य उत्पाद/न्यूट्रास्युटिकल होने का झूठा दावा किया गया था। उत्पाद की लेबल संरचना के अनुसार, इसे औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत एक दवा के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

उत्पाद का निर्माण केवल औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत जारी 'औषधि लाइसेंस' के तहत ही किया जाना चाहिए, तथा औषधि नियमों की अनुसूची-एम में उल्लिखित 'अच्छे विनिर्माण व्यवहारों' (जीएमपी) का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, इसे 'भारतीय फार्माकोपिया' (आईपी) में निर्धारित गुणवत्ता मानकों को भी पूरा करना होगा।

मेडिपल्ली में कैब ड्राइवर की हत्या

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेडिपल्ली स्थित एक बॉयज हॉस्टल में रहने वाले महेंद्र रेड्डी नामक व्यक्ति की उसके परिचितों ने बेरहमी से हत्या कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को शवगृह में रखवाया। यह हत्या महेंद्र रेड्डी और हमलावरों के बीच किसी विवाद के कारण हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

आदिलाबाद में 3 गायों की मौत 3 घायल

बाघ होने का संदेह

मवेशी को चराने जंगल में न जाएं, वन विभाग ने किया आगाह

आदिलाबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पीपलकोटि मंडल के पीपलकोटि गांव के जंगलों में शनिवार को एक अज्ञात जंगली जानवर (जिसके बाघ होने का संदेह है) ने हमला कर दिया, जिससे तीन गायों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य मवेशी घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि गांव के पास के जंगल में चरने के दौरान अज्ञात जंगली जानवर के हमले में तीन गायों की मौत हो गई। उन्हें संदेह है कि मवेशियों को बाघ ने मार डाला होगा। वन अधिकारियों ने कहा कि जंगली जानवर की पहचान उसके पैरों के निशान दर्ज करने और मवेशियों की चोटों का निरीक्षण करने के बाद ही की जा सकती है। उन्होंने कहा कि जंगली जानवरों द्वारा मवेशियों की हत्या की स्थिति में किसानों को शीघ्र मुआवजा देने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों से मवेशियों को चराने के लिए जंगल के अंदर न जाने का आग्रह किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.